बढ़ते विरोध के बीच केंद्र ने अरावली में खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगाई - 7

खंडित विश्व में दावोस की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण - 10

भारत व अमेरिका के संबंधों को और मजबूत होने से रोकना चाहता है चीन - 11

खेल रत्न के लिए हॉकी स्टार हार्दिक सिंह का नाम, दिव्या टीजे और मेहुली अर्जुन पुरस्कार के लिए - 12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पंचमी 01:43 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 326, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

6100 किग्रा का ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 लॉन्च अब सीधे अंतरिक्ष से जुड़ेगा स्मार्टफोन

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली प्रक्षेपण यान से किया गया रवाना, कक्षा में हुआ स्थापित

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

क्रिसमस से पहले इसरो ने बुधवार को इतिहास रच दिया। इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान 'एलवीएम-3 एम6' (बाहुबली) ने ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नामक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया जिसे अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख ने देश के लिए तोहफा करार दिया। 'ब्लूबर्ड ब्लॉक-2' मिशन का उद्देश्य उपग्रह के जरिए सीधे मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। यह नेटवर्क कहीं भी, कभी भी, सभी के लिए 4जी और 5जी वॉयस-वीडियो कॉल, संदेश, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

इसरो ने कहा कि यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) व अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए वाणिज्यिक समझौते के तहत संचालित किया गया। एनएसआईएल, इसरो की वाणिज्यिक इकाई है। चौबीस घंटे की उल्टी गिनती पूरी होने के बाद दो एस-200 ठोस बूस्टर से युक्त 43.5 मीटर लंबा यान चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व स्थित इस अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे प्रक्षेपण 'पैड' से सुबह आठ बजकर 55 मिनट पर रवाना हुआ। करीब 15 मिनट की उड़ान के बाद 'ब्लूबर्ड ब्लॉक-2' प्रक्षेपण यान से अलग हो गया और इसे सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया गया जिसके बाद यहां मिशन नियंत्रण केंद्र तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने इस सफल प्रक्षेपण के बाद कहा, मैं इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर न्यू स्पेस इंडिया और एएसटी स्पेसमोबाइल को बधाई देता हूं। उपग्रह को नियोजित 520 किलोमीटर ऊंचाई के मुकाबले 518 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित किया गया। यह संचार उपग्रह एलवीएम3 के प्रक्षेपण इतिहास में पृथ्वी की निम्न कक्षा (एलईओ) में भारतीय धरती से स्थापित किया जाने वाला अब तक सबसे भारी पेलोड है। इससे पहले सबसे भारी पेलोड एलवीएम3-एम5 संचार उपग्रह-03 था, जिसका वजन करीब 4,400 किलोग्राम था।

प्रक्षेपण बाजार में भारत की भूमिका हुई मजबूत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो को उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने तथा गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों के लिए नींव मजबूत करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह भारत की भारी पेलोड प्रक्षेपण की क्षमता को मजबूत करता है और वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में हमारी बढ़ती भूमिका को और मजबूत करता है।

आत्मविश्वास बढ़ा : नारायणन

श्रीहरिकोटा। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को लेकर आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए है।

रोहिंग्या को हर हाल में खदेड़ेंगे पैरोकारी की तो ठीक नहीं होगा

विधानसभा में सीएम योगी ने विपक्ष को दी चेतावनी

- सीएम बोले- बांग्लादेश व पाकिस्तान में हिंदुओं के अत्याचार पर चुप्पी और गाजा पर आंसू बहाना बर्दाश्त नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

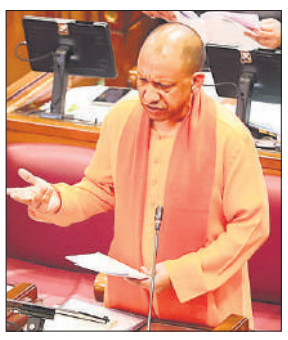

अमृत विचार: विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर हुई चर्चा में बुधवार को सरकार का पक्ष रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अचानक बांग्लादेश में बीते दिनों एक हिन्दू युवक की हत्या की घटना को याद कर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर हमें चुप नहीं बैठना चाहिए। इसी क्रम में तमतमाए चेहरे के साथ उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी, रोहिंग्या को उत्तर प्रदेश से हम हर हाल में खदेड़ेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर वोटबैंक की राजनीति के चक्कर में विपक्ष इस मामले में कोई पैरोकारी की तो ठीक नहीं होगा। हम एक-एक की स्क्रीनिंग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सदन में विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि साफ सुन लीजिए... बांग्लादेश व पाकिस्तान में हिंदुओं के अत्याचार पर चुप्पी और गाजा पर आंसू बहाना, कैंडल मार्च निकलना हमें बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में एक दलित हिंदू युवक की हत्या हुई है लेकिन विपक्ष चुप्पी साधे हुए है। मुख्यमंत्री ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति का परिणाम बताया और कहा कि किसी निर्दोष हिंदू या दलित पर अत्याचार स्वीकार्य नहीं हो सकता। योगी ने सपा पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहीं। जेपीएनआईसी और गोमती रिवरफ्रंट इसके उदाहरण हैं। वहीं हमारी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसे प्रोजेक्ट कम लागत में, बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए। कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ही अनुपूरक बजट लाने का कदम उठाया है। फरवरी माह में प्रस्तुत मूल बजट वर्ष 2025-26 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ का था। इसके अतिरिक्त सरकार ने 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया है।

बरेली वाले मौलाना से पूछो क्या हश्र हुआ

लखनऊ। योगी ने जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कहा कि अगर छांगुर जैसा व्यक्ति सरकारी जमीन पर कब्जा करेगा तो उस पर बुलडोजर चलने से कोई रोक नहीं सकता। इसी क्रम में उन्होंने तंज कसा कि, ऐसी मनमानी करने का अंजाम क्या होता है जरा बरेली वाले मौलाना से पूछ लेना।

चेहरा देखकर लाभ देना हमारे लिए पाप : योगी

सदन में विपक्षी सदस्यों ने अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा के दौरान सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया था। अपने जवाब में योगी ने कहा हमारा कोई भी जनप्रतिनिधि चाहकर भी सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाने में भेदभाव नहीं कर सकता। हमारे लिए चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देना पाप है।

नहीं बचेगा नकल माफिया : सीएम ने कहा कि उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष एक पूर्व डीजीपी को बनाने के पीछे मकसद अब नकल माफिया की कमर तोड़ना है। ठीक उसी तरह जैसे अपराध करने वाले माफिया का हमने यूपी से खात्मा किया।

सूचना

सभी सुधी पाठकों, अभिकर्ताओं और विज्ञापनदाताओं को क्रिसमस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। 25 दिसंबर (गुरुवार) को लखनऊ कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 27 दिसंबर (शनिवार) को प्रकाशित होगा।

– संपादक

ब्रीफ न्यूज

तस्कर की तीन करोड़ की संपत्ति जब्त की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को यहां एक कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर की तीन करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मादक पदार्थों से जुड़े खतरे को खत्म करने और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार का समर्थन करने वाले बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, श्रीनगर पुलिस ने दो मंजिला आवासीय मकान और दो मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के साथ-साथ एक कनाल से अधिक भूमि को जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।

हवा इमरजेंसी जैसी, एयर-प्यूरीफायर पर 18% जीएसटी क्यों

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए जीएसटी परिषद को निर्देश दिया कि वह जल्द से जल्द बैठक करे और 'एयर प्यूरीफायर' पर लगाई जा रही 18 प्रतिशत जीएसटी कम करने या समाप्त करने पर विचार करे। पीठ ने इस मामले को 26 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया, ताकि संबंधित प्राधिकरणों की ओर से पेश वकील अदालत को यह बता सकें कि परिषद कब बैठक कर सकती है। इससे पहले, बुधवार को उच्च न्यायालय ने अधिकारियों द्वारा ऐसी 'आपात स्थिति' में एयर प्यूरीफायर पर कर में छूट देने के लिए कुछ भी न किए जाने पर नाराजगी जताई, जबकि एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में है।

एक ही बाइक पर थे पांच लोग, सभी ट्रेन से कटे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : रोजा जंक्शन के पास रेलवे क्रासिंग पार करते समय एक ही परिवार के पांच लोग गरीब रथ ट्रेन से टकरा गए। हादसे में पांचों लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। उनकी बाइक करीब आधा किमी तक ट्रेन के साथ घिसटती हुई चली गई। मरने वालों में पति-पत्नी, दो बच्चे और एक रिश्तेदार बताया जा रहा है। जानकारी मिलने पर एसपी राजेश द्विवेदी, रेलवे अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हादसा बुधवार शाम को करीब 6.30 बजे रोजा जंक्शन के पास स्थित पावर केबिन के निकट हुआ। मृतकों की पहचान थाना निगोही क्षेत्र के गांव बिकन्ना निवासी सेठपाल, उनकी पत्नी पूजा और उनके दो बच्चे सूर्या (4) व निधि (5) के रूप में हुई है। हादसे में सेठपाल के साढ़ू हरिओम की भी मौत हो गई, जो लखीमपुर खीरी जिले के थाना उचौलिया क्षेत्र के वन के गांव के निवासी थे। परिजनों के अनुसार सेठपाल बुधवार सुबह परिवार के साथ अपने साढ़ू हरिओम के घर आए थे। शाम को सभी लोग एक ही बाइक से रोजा में लगने वाले बुध बाजार गए थे, जहां घरेलू सामान की खरीदारी की। वापस लौटते समय रोजा जंक्शन के पास बने पाथ वे से ट्रैक पार करते वक्त अमृतसर से सहरसा जा रही गरीब रथ ट्रेन आ गई और यह दर्दनाक हादसा हो गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी सहित कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। रेलवे पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की।

राहुल गांधी समेत कांग्रेस के 6 प्रमुख नेताओं को नोटिस

लखनऊ। कांग्रेस मुख्यालय दिल्ली के उद्घाटन के अवसर पर कथित देशविरोधी भाषण देने के एक मामले में एमपी एमएलए की कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व उनकी पार्टी के अन्य पांच सदस्यों के विरुद्ध नोटिस जारी कर कोर्ट मे जवाब देने के लिए 5 जनवरी की तिथि नियत की है। अदालत में वादी नपेंद्र पांडे एडवोकेट ने विपक्षी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी, राज्यसभा सदस्य के, सी वेणुगोपालन, सांसद प्रियंका वाड्रा व कांग्रेस राज्यसभा सदस्य जय राम रमेश के विरुद्ध गत 9 सितंबर को परिवाद दाखिल किया था।

रोशनी से नहाया कैथेड्रल चर्च

राजधानी लखनऊ में प्रभु यीशु के जन्मोत्सव यानी क्रिसमस को लेकर उत्साह अपने चरम पर है। हजरतगंज स्थित 'कैथेड्रल चर्च' को क्रिसमस पर भव्य रूप से सजाया गया। पूरा चर्च परिसर दूधिया और रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर हो गया, जिसे देखने के लिए न केवल मसीही समाज बल्कि हर धर्म के लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। ● राजकुमार वाजपेयी

राष्ट्र प्रेरणा स्थल का आज लोकार्पण करेंगे मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने गुरुवार को लखनऊ आ रहे हैं। प्रेरणा स्थल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय व अटल बिहारी वाजपेयी की 65-65 फुट ऊंची की कांस्य प्रतिमा लगी है। डिजिटल म्यूजियम के माध्यम से विचार दर्शन देखने को मिलेगा। वहां ओपन थियेटर में तीन हजार लोग बैठ सकते हैं। वहां का मंच भी काफी बड़ा है। उस मैदान में एक साथ दो लाख लोग एकत्र हो सकते हैं। लखनऊ में सार्वजनिक कार्यक्रमों का सबसे बड़ा स्थल है। चार हजार बस व चार पहिया वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था भी दी गई है। कार्यक्रम के लिए वहां स्थान की कमी नहीं होगी। मोदी दोपहर में ढाई बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे।

माघ मेला की तैयारी | गंगा के किनारे वाले जनपदों के जिलाधिकारियों को अनुपालन का निर्देश, 31 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगा आदेश

गंगा जल शुद्ध करने के लिए बंद की जाएंगी टेनरियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: प्रयागराज में जनवरी-फरवरी में होने वाले माघ मेला के दौरान गंगा का जल शुद्ध रखने के लिए टेनरियों और नालों को बंद किया जाएगा। इसके लिए रोस्टर के हिसाब से गंगा के किनारे पड़ने वाले सभी जनपदों के जिलाधिकारियों को आदेश दिया गया है। यह 31 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगा।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-7 के प्रमुख सचिव अनिल कुमार की ओर से 24 दिसंबर को जारी किए गए आदेश में गंगा जल की शुद्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। पौष पूर्णिमा के स्नान से पहले ही टेनरियां बंद हो जाएंगी। इस वर्ष 3 जनवरी से 15 फरवरी तक

6 प्रमुख स्नान पर्व हैं। हर प्रमुख स्नान पर्व से तीन दिन पहले टेनरियां बंद रहेंगी और स्नान के दिन तक बंदी का आदेश प्रभावी रहेगा। कानपुर में कुल 24 दिन टेनरियां बंद रहेंगी। सिंचाई विभाग के अनुसार सामान्य प्रवाह की स्थिति में कानपुर से तीन दिन में प्रयागराज पानी पहुंचता है। इसको देखकर ही टेनरियों को बंद किया गया है।

इन दिनों बंद रहेंगी टेनरियां

- 3 जनवरी पौष पूर्णिमा : 31 दिसंबर से 3 जनवरी
- 15 जनवरी मकर संक्रांति : 12 से 15 जनवरी
- 18 जनवरी मौनी अमावस्या : 15 से 18 जनवरी
- 23 जनवरी बसंत पंचमी : 20 से 23 जनवरी
- 01 फरवरी माघी पूर्णिमा : 29 जनवरी से 01 फरवरी
- 15 फरवरी महाशिवरात्रि : 12 फरवरी से 15 फरवरी

टीम करेगी निगरानी : डीएम की अध्यक्षता में टीम गठित की जाएगी। यह टीम बंदी के दौरान जल प्रदूषणकारी उद्योग, सीईटीपी, एसटीपी एवं सीवेज के नालों की टैपिंग, बॉयोरेमिडिएशन स्थल का औचक निरीक्षण करेगी।

इन जिलों पर लागू होगी व्यवस्था

बिजनौर, मुजफ्फर नगर, शामली, गाजियाबाद, हापुड़, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, हरदोई, उन्नाव, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रयागराज, गाजीपुर, बलिया, मिर्जापुर एवं वाराणसी।

सभी टेनरी मालिकों को सख्त आदेश दिए गए हैं कि स्नान पर्व के तीन दिन पहले से टेनरियां बंद रहेंगी। प्रदूषणकारी उद्योग, सीईटीपी, एसटीपी, सीवेज नालों की टैपिंग, नालों में बॉयोरेमिडियेशन का स्थलीय निरीक्षण कर नजर रखी जाएगी।

– अजीत सुमन, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी।

दृश्यता पर ही बसें चलें, 40 तक ही हो रफ्तार : दयाशंकर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद में प्रदेश में बस यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा विशेष गाइलाइंस जारी की गईं हैं। इसके तहत परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोहरे की स्थिति में बसों की गति 40 किमी प्रति घंटा से अधिक न हो। जबकि अत्यधिक कोहरे में बस को किसी सुरक्षित स्थान पर रोककर दृश्यता सामान्य होने पर ही आगे संचालन किया जाए। परिवहन राज्यमंत्री ने कहा कि घने कोहरे वाले मार्गों पर रात्रिकालीन सेवाओं को आवश्यकता अनुसार सीमित किया जाए तथा रात्रि सेवाओं में अनुभवी, दुर्घटना-रहित और अच्छे ईंधन रिकॉर्ड वाले चालकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि रात्रि सेवा पर जाने से पूर्व चालक को कम से कम 8 घंटे का विश्राम प्राप्त हुआ हो। 50 प्रतिशत से कम लोड फैक्टर वाली रात्रिकालीन सेवाओं को अस्थायी रूप से स्थगित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

नेता प्रतिपक्ष से कराया गया सदन का त्याग

विधान परिषद : नियम-105 की चर्चा के दौरान सभापति से तीखी नोकझोंक, खेद प्रकट करने के बाद चला सदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शीतकालीन सत्र के चौथे व अंतिम दिन बुधवार को विधान परिषद की कार्यवाही रिकॉर्ड के लिहाज से खास रही। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने नियम-105 की सूचनाओं को लेकर दो बार सदन से वॉकआउट किया। स्थिति उस समय और असहज हो गई, जब नियम 105 के तहत वित्तविहीन विद्यालयों में इंटरमीडिएट की मान्यता संबंधी नियमावली में पुनः संशोधन की सूचना पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष स्वयं सवाल पूछने लगे।

सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कई बार उन्हें बैठने के निर्देश दिए, लेकिन नेता प्रतिपक्ष उत्तेजित होते चले गए और सभापति पर ही लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगा दिया। इस पर सभापति समेत भाजपा सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख सभापति ने नेता प्रतिपक्ष को सदन से त्याग करने के निर्देश दिए, लेकिन वे सदन छोड़ने को तैयार नहीं हुए। स्थिति बिगड़ते देख पहले सपा सदस्यों के साथ उन्होंने वॉकआउट किया, लेकिन इसके बाद भी सभापति संतुष्ट नहीं हुए। अंततः नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित अधिकांश सदस्यों के आग्रह पर नेता प्रतिपक्ष ने सदन का त्याग किया। बाद में वापस लौटकर उन्होंने सभापति के समक्ष अपने वक्तव्य को लेकर खेद प्रकट किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित हुई।

प्रश्नकाल में उठे आठ मुद्दे, परिवहन विभाग संबंधी सवालों पर चर्चा

सुबह 11 बजे सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। प्रश्नकाल के दौरान कुल आठ मुद्दे उठाए गए। परिवहन विभाग से संबंधित प्रश्नों के उत्तर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दिए। सपा सदस्य मुकुल यादव ने मैनपुरी के वरनाइल बस स्टैंड पर कार्यरत कर्मचारी के लंबे समय से नदारद रहने और बस स्टैंड परिसर में बालू-मौरंग की दुकान संचालित होने का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने इस पर कमीशनखोरी के आरोप लगाए। परिवहन मंत्री ने कर्मचारी की अस्वस्थता की जानकारी देते हुए मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया।

सदन में आरक्षण और बेरोजगारी का मुद्दा गरमाया

सपा सदस्य डॉ. मान सिंह ने नियम 105 के तहत आरक्षण में गड़बड़ी और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागों में विज्ञापित पदों में आरक्षण नियमों की अनदेखी की जा रही है। साथ ही लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं का भी उल्लेख किया। आशुतोष सिन्हा ने स्नातक बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए सरकार की ठोस योजना न होने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विभागों में पहले बैकलॉग की नियुक्ति होनी चाहिए और उसके बाद ही प्रोन्नति दी जाए, ताकि ओबीसी कर्मचारी जूनियर न बने रहें।

संविदा और आउटसोर्स में लागू होगा 60 प्रतिशत आरक्षण : केशव मौर्या

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जवाब के दौरान विपक्षी सदस्य वेल में आकर नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन में हंगामा हो गया। नेता सदन ने कहा कि पिछड़ों के अधिकारों से किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा और आरक्षण व्यवस्था में कोई गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए भी आरक्षण व्यवस्था लागू की जाएगी, भर्ती में नियमानुसार आरक्षण देने के लिए शीघ्र ही आदेश जारी किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आरक्षण देने में सरकार की ओर से कोई कोताही नहीं बरती गई है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मुद्दे भले ही न हों, लेकिन सच सुनने का साहस तो दिखाइए।

सदन में पुरानी पेंशन का मुद्दा उठा

विधान परिषद में 12 विधेयक पारित, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधान परिषद में नियम 39(क) के अंतर्गत शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा शासनादेश 28 जून 2024 का लाभ न दिए जाने और उसके खुले उल्लंघन को लेकर औचित्य का प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि 28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञापित पदों पर चयनित सरकारी सेवकों को पुरानी पेंशन योजना में आच्छादित किया जाना चाहिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने एक माह के भीतर प्रकरण का निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

मंडलों में पद सृजन न होने का मुद्दा भी उठा : इसके बाद शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने ही नियम-105 के अंतर्गत प्रदेश में दो दशक पूर्व स्थापित देवीपाटन, चित्रकूट एवं अलीगढ़ मंडलों में माध्यमिक शिक्षा विभाग के कार्यालयों में अब तक अधिकारियों-कर्मचारियों के पद सृजित न किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि बिना पद सृजन के अधिकारियों को प्रभारी के रूप में तैनात कर दिया गया है, जिससे दूर-दराज से आने वाले शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी एवं नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने सदन को अवगत कराया कि वित्त विभाग के परामर्श से पद सृजित किए गए हैं और शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सभापति ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार करते हुए सरकार को आवश्यक कार्रवाई के लिए संदर्भित करने के निर्देश दिए।

भोजनावकाश के बाद प्रमुख सचिव विधान परिषद द्वारा सदन पटल पर कुल 12 विधेयक प्रस्तुत किए गए, जिन्हें ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ सभापति ने सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया।

ये विधेयक हुए पारित

- उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश पेंशन की हकदारी तथा विधिमान्यकरण विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश गन्ना उपकर (निरसन) विधेयक, 2025
- किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश सुगम्य व्यापार (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान (संशोधन) विधेयक, 2025
- उत्तर प्रदेश विनियोग (2025-26 का अनुपूरक) विधेयक, 2025

ओबीसी आरक्षण में कटौती का सपा ने लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में सपा ने नियम-105 के तहत भाजपा सरकार पर ओबीसी आरक्षण में कटौती के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। सपा के डॉ. मान सिंह, आशुतोष सिन्हा ने कहा कि भाजपा संविधान द्वारा निर्धारित 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में से लगभग एक-तिहाई हिस्से को नकार रही है, उन्होंने भाजपा सरकार पर संविधान और आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाए। सत्ता पक्ष के जवाब से असंतुष्ट होने पर, आरक्षण विरोधी सरकार नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, के नारे लगाते हुए सदन का बहिर्गमन किया। सदन में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने बुधवार को उप्र. राजस्व विभाग में लेखपाल भर्ती के जारी विज्ञापन का हवाला देते हुए कहा कि कुल 7,994 पदों में ओबीसी वर्ग के लिए मात्र 1,441 पद आरक्षित किए गए हैं, जबकि 27 प्रतिशत आरक्षण के अनुसार ओबीसी के लिए 2,158 पद होने चाहिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही ओबीसी पदों में 717 पदों की कटौती कर दी गई है। वहीं ईडब्ल्यूएस वर्ग को 10 प्रतिशत के अनुसार पूरी 792 सीटें दी गई हैं।

विधानसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बिजली उत्पादन व वितरण पर तीखी बहस

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बिजली उत्पादन, वितरण और खरीद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने राज्य में बिजली की असमानता पर बड़ा सवाल उठाया। सपा के महंगी बिजली अदानी से खरीदने के आरोप को लेकर ऊर्जा मंत्री ने जवाब दिया कि हम जिस रेट पर बिजली खरीद रहे हैं, उस रेट से 1 रुपये प्रति यूनिट ज्यादा 10 साल पहले समाजवादी पार्टी की सरकार में बिजली खरीदी गई थी। स्मार्ट मीटर पर भी उन्होंने सपा के आरोपों को करारा जवाब दिया। कहा कि निश्चित तौर पर स्मार्ट मीटर सामान्य मीटर का अपग्रेड वर्जन है, एक स्मार्टफोन की तरह और वह बेहतर काम कर रहा है। कहीं से कोई भी शिकायत नहीं है, बराबर बिजली का उतना ही खर्च होता है, जितना जनरल मीटर में किया जाता है।

सरकार की प्राथमिकताओं को रखा सवालों का दिया तथ्यपरक जवाब

अनुपूरक बजट की चर्चा में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा में पेश अनुपूरक बजट की चर्चा में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल सरकार की प्राथमिकताओं और उपलब्धियों को सदन के समक्ष रखा, बल्कि विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का भी तथ्यों के साथ जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में सुरक्षा, कानून का राज और विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है और इन्हीं आधारों पर उत्तर प्रदेश की छवि देश और दुनिया में बदली है।

इस दौरान, मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर हमला भी बोला। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि आज जो उपदेश हमारी सरकार को दिए जा रहे हैं, वो उपदेश पहले की सरकारों को दिए होते तो प्रदेश की स्थिति कुछ और होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें परिणामों पर ध्यान देना होगा और परिणाम क्या हैं, यह आज सबके सामने है।

योगी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। देश-विदेश में यूपी के प्रति सकारात्मक धारणा बनी है। इसके पीछे डबल इंजन सरकार की स्पष्ट नीति, तेज निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन है। जहां पहले पॉलिसी पैरालिसिस के कारण उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, वहीं आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

सदन में दिखा योगी का शायराना अंदाज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में अपनी चर्चा की शुरुआत और अंत दोनों शायरी के साथ की। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल सपा पर निशाना साधते हुए पूछा था कि... 'इधर उधर की न बात कर, ये बता कि काफिला क्यों लुटा'...वहीं, सीएम ने अपने संबोधन के अंत में नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को जितना नुकसान पहले हो चुका है, उससे अब बचने की आवश्यकता है। उन्होंने शेर पढ़ा- राह में मुश्किल हों हजार, तुम दो कदम बढ़ाओ तो सही। हो जाएगा हर सपना साकार, तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।

बजट की समीक्षा करे सरकार : माता प्रसाद

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी के अनुपूरक बजट पर अपनी बात रखने से पूर्व नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने भी सरकार को अहम सुझाव दिए। उन्होंने कहा, कि अनुपूरक बजट लाने की आवश्यकता ही क्यों पड़ती है। शुरुआती बजट बनाते वक्त ही इसकी समीक्षा कर ली जानी चाहिए। साथ ही बजट की उपयोगिता की भी गहन मॉनिटरिंग की जाए।

सपा विधायक विजमा यादव को मिलेगी सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सभी को न्याय दिलाया है और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के कारण ही प्रदेश को लेकर दुनिया का नजरिया बदला है। यह भी दोहराया कि, अगर कोई व्यक्ति सरकारी जमीन या किसी पौराणिक स्थल पर कब्जा करेगा, तो सरकार का बुलडोजर चलने से उसे कोई नहीं रोक सकता। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, न्याय कैसे होता है, आप ही की पार्टी से चुनी गई सदस्य पूजा पाल को आप न्याय नहीं दिला पाये, क्योंकि आप में हिम्मत नहीं थी। माफिया के सामने झुकना आपकी मजबूरी थी। योगी ने कहा, बेटी सत्ता पक्ष की हो या विपक्ष की, उसे हर हाल में न्याय मिलेगा। इसी क्रम में उन्होंने सपा विधायक विजमा यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने ही उन्हें बुलाकर आश्वस्त किया है कि उन्हें सुरक्षा मिलेगी और न्याय भी।

कुल बजट का आकार हुआ 8,33,233.04 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा के शीतकालीन सत्र का बुधवार को तीसरा और अंतिम दिन रहा। इस दौरान राज्य सरकार 24,496.98 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट को विधानसभा में विस्तृत चर्चा के बाद उसे पास करवाया। यह राशि मूल बजट (वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8,08,736.06 करोड़ रुपये) का लगभग 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को मिलाकर राज्य का कुल बजट आकार अब 8,33,233.04 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने की नेता प्रतिपक्ष की प्रशंसा

अमृत विचार : सदन के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जिस सहजता और सरलता से बात करते हैं, उसके चलते उनकी किसी भी बात का कोई सदस्य बुरा नहीं मानता है। उनके व्यक्तित्व के कारण ही सत्तापक्ष भी ज्यादा कठोरता नहीं दिखाता।

विवेकाधीन कोष की नेता प्रतिपक्ष ने की सराहना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान सत्ता-विपक्ष के बीच सकारात्मक संवाद देखने को मिला

अमृत विचार : विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही के अंतिम दिन सदन में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच सकारात्मक संवाद देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष की खुले मंच से प्रशंसा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आभार जताते हुए पूर्ववर्ती सरकार की नीतिगत विफलताओं और घोटालों को सदन के सामने रखा। अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इसके माध्यम से न केवल सत्ता पक्ष बल्कि विपक्ष के विधायकों की संस्तुतियों पर भी जरूरतमंदों को सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना से मुस्लिम समाज के लोग भी समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार व्यक्त किया। लेकिन अपने संबोधन में उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों और प्रशासनिक लापरवाहियों का उल्लेख भी किया।

न्यूज ब्रीफ

सिगरेट से लगी आग दुकान व बाइक स्वाहा

अमृत विचार, हरदोई : सांडी बस स्टाप स्थित आमिर एफ एफ हेयर कटिंग सैलून की दुकान में मंगलवार की देर शाम सिगरेट पीने के बाद सुलगती सिगरेट ने नीचे पड़ी मेटी से आग लगने से पुरानी दुकान व उसमें रखी बाइक आदि जलकर नष्ट हो गयी। पीडित आमिर ने तीन लाख के नुकसान होने की बात कही। सेलून की मालिक आमिर ने बताया कि मंगलवार को दुकाने बन्द रहती है। दुकान पर काम करने वाले जुनैद आदि अपने साथियो के साथ दुकान में शाम को सिगरेट पी थी। बुधवार की सुबह निकले लोगों ने देख सूचित किया।

युवती ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, हरदोई : नगर के एक मकान में किराए पर रह रही 29 वर्षीय युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, सूचना पाकर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बक्सखेड़ा निवासी रेहाना पत्नी मेराज जोकि वर्तमान समय मे बेनीगंज नगर के मोहल्ला कबडियन टोला स्थित किराए के मकान में परिवार के साथ रह रही थी, बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अन्दर कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका रेहाना के एक 6 वर्षीय बालक व एक 11 माह की बालिका है, मृतका का मायका ग्राम मुन्नूखेड़ा थाना सण्डीला बताया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मामले की जांच की जा रही हैं, दोषियों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध

अमृत विचार, उन्नाव : बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। जिला लवकुश नगर के बैनर तले आयोजित इस मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और बांग्लादेश का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत नगर के शांति मिल चौराहे से हुई। यहां से बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता हाथों में झंडे व तख्तियां लेकर पैदल मार्च करते हुए निकले। यह मार्च नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए तिकोनिया पार्क तिराहे पर समाप्त हुआ। पूरे रास्ते कार्यकर्ता बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग को लेकर नारे लगाते रहे। पदाधिकारियों ने बांग्लादेश का पुतला फूंका। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पड़ोसी देश में हिंदुओं के घरों, मंदिरों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जाना निंदनीय है।

एसडीएम ने रैन बसेरे व अलावों का हाल जाना

अमृत विचार, हरदोई : एसडीएम ने बुधवार को नगर पालिका परिसर में स्थापित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम अंकित तिवारी ने नगर पालिका द्वारा बनाए गए रैन बसेरा का निरीक्षण किया। रैन बसेरे में रजाई, गद्दा, तकिया और अलाव की व्यवस्था मिली। पीने के पानी का भी प्रबंध था। उसके बाद उन्होंने बस स्टैंड, नवीन मंडी स्थल, अल्लाहपुर तिराहा, अस्पताल परिसर आदि स्थानों पर नगर पालिका परिषद द्वारा जलाए जा रहे अलावों की भी हकीकत परखी। उन्होंने सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया है कि ठंड से राहत दिलाने के लिए अलावों की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इस कार्य में कोई भी लापरवाही न बरती जाए अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी रेजिडेंट का पासपोर्ट जब्त, शहर न छोड़ने की हिदायत

पीड़ित रेजिडेंट डॉक्टर का मेडिकल कराया गया, कल मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज होंगे बयान

केजीएमयू लव जिहाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केजीएमयू की महिला रेजिडेंट डॉक्टर को शादी का झांसा देकर यौन शोषण, गर्भपात और धर्मांतरण का दबाव डालने के आरोपी रेजिडेंट डॉ. रमीज मलिक का पासपोर्ट पुलिस ने जब्त कर लिया है। उन्हें नोटिस जारी कर शहर न छोड़ने की हिदायत भी दी गई है। नोटिस में लिखा है कि जांच पूरी होने और पीड़िता के कोर्ट में बयान दर्ज होने तक शहर नहीं छोड़ेंगे। बुधवार को पीड़िता का मेडिकल भी कराया गया। विशेषज्ञों की राय ली जा रही है। 25 दिसंबर को छुट्टी के कारण शुक्रवार को पुलिस कोर्ट के समक्ष पीड़िता के बयान दर्ज कराएगी। बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईप्रोफाइल मामले में लोकल इंटेलीजेंस यूनिट भी पड़ताल कर रही है। यह पता किया जा रहा है कि कहीं डॉ. रमीज के किसी और हिंदू महिला से संपर्क तो नहीं हैं? इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि आरोपी डॉ. रमीज के मोबाइल की भी जांच कर रही है। पुलिस उसकी कॉल डिटेल्स के साथ ही गैलरी की फोटो और व्हाट्सएप चैट खंगाल रही है। पुलिस मोबाइल को जल्द ही विधि विज्ञान प्रयोग शाला मोबाइल लैब में भेजेगी।

दूसरी महिला दिया जाएगा बयान के लिए नोटिस

- आरोपी डॉ. रमीज की एक और साथी हिंदू महिला जिसने धर्मांतरण कराकर शादी करने का आरोप लगाया था, वह प्राथमिक जांच में दस्तावेज मुहैया नहीं करा पाई है। उसने मौखिक आरोप लगाया था। इस संबंध में उसने न तो पहले कोई तहरीर दी थी न अब दी है। उस महिला को भी नोटिस जारी किया जा रहा है। उक्त महिला के भी बयान दर्ज किए जाएंगे। उन बयानों को भी दर्ज मामले में शामिल किया जाएगा।

पीड़िता की सुरक्षा के इंतजाम, हॉस्टल में मिला कमरा

- **अमृत विचार, लखनऊ :** केजीएमयू प्रशासन ने पीड़ित रेजिडेंट डॉक्टर की सुरक्षा को लेकर अहम कदम उठाया है। प्रशासन ने डॉक्टर को परिसर स्थित महिला हॉस्टल में कमरा आवंटित करते हुए वहां 24 घंटे महिला सुरक्षाकर्मी की तैनाती सुनिश्चित की है। इस संबंध में बुधवार को चीफ प्रॉक्टर डॉ. आरएएस कुशवाहा की ओर से आदेश जारी किया गया।केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि मामला काफी संवेदनशील है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़िता की सुरक्षा संस्थान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्तमान में पीड़िता ठाकुरगंज क्षेत्र में निवास कर रही थीं, जहां परिसर के बाहर सुरक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए संभव नहीं था।उन्होंने बताया कि विशाखा कमेटी की सिफारिश पर पीड़िता को परिसर के भीतर हॉस्टल आवंटित किया गया है। अब हॉस्टल से पैथोलॉजी विभाग तक पीड़िता को सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में लाया-ले जाया जाएगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि केजीएमयू छात्राओं और महिला कर्मियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर केजीएमयू प्रशासन या विशाखा कमेटी से शिकायत की जा सकती है, जिस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

इन बिंदुओं पर की जा रही जांच

- पीड़िता-आरोपी डॉक्टर और केजीएमयू का नाम आने के बाद पुलिस एक-एक बिंदु पर जांच कर रही है। पुलिस ने रमीज के पैतृक निवास उत्तराखंड में खटीमा स्थित थाने से ब्योरा मांगा है कि कहीं पूर्व में तो उसके खिलाफ कोई शिकायत या एफआईआर तो नहीं है। खटीमा पुलिस की रिपोर्ट को भी जांच में शामिल किया जाएगा। बुधवार को चौक पुलिस ने केजीएमयू के पैथोलॉजी विभाग में तैनात आरोपी रेजिडेंट डॉ. रमीज मलिक के बारे में उसके साथी डॉक्टरों और मेडिकल विभाग के कर्मचारियों से भी बातचीत कर बयान दर्ज किए। सभी से पूछा गया कि डॉ. रमीज मलिक का व्यवहार कैसा था? महिला डॉक्टरों से वह कैसे बर्ताव करता था? महिला मरीजों के प्रति कैसे व्यवहार था?

पीड़िता के समर्थन में एनएमओ ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आरोपी रेजिडेंट की डिग्री व नीट पीजी दाखिला रद्द करने की मांग
- सहयोगी संकाय की पहचान व बायो मेडिकल वेस्ट विभाग की जांच पर जोर

अमृत विचार : केजीएमयू में लव जिहाद और दुराचार के मामले में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) महिला रेजिडेंट डॉक्टर के समर्थन में खुलकर सामने आ गया। संगठन पदाधिकारियों और सदस्यों ने मंगलवार देर शाम केजीएमयू गेट से कुलपति कार्यालय तक नारेबाजी की। इस दौरान एनएमओ और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच नोकझोंक भी हुई, जिसे पुलिस व सुरक्षाकर्मियों ने शांत कराया।

संगठन के महानगर संयोजक डॉ. शिवम कृष्णन, संगठन मंत्री डॉ. कपिल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह और चीफ प्रॉक्टर डॉ. आरएएस कुशवाहा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर की डिग्री रद्द करने तथा नीट-पीजी के माध्यम से हुए दाखिले को निरस्त कराने की सिफारिश करने की मांग रखी।

एनएमओ ने आरोप लगाया कि पैथोलॉजी विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने प्रारंभिक स्तर पर पीड़िता के बजाय आरोपी का समर्थन किया। संगठन ने ऐसे लोगों की पहचान कर जांच कराने और कार्रवाई की मांग की। इसके बाद एनएमओ पदाधिकारियों ने पैथोलॉजी विभाग के सामने भी प्रदर्शन कर विभागीय अव्यवस्थाओं पर सवाल उठाए और पीड़िता को मानसिक रूप से अस्वस्थ घोषित करने की कथित साजिश की जांच की मांग की।

हटाई गईं नमाज पढ़ने वाली चटाइयां

- एनएमओ के पदाधिकारियों का कहना है कि पैथोलॉजी विभाग में विशेष समुदाय के छात्रों को कट्टरपंथी बनाने वाला और विभाग के एचपीएलसी लैब को नमाज और तकरीर का अड्डा बनाने वाला प्रोफेसर मामला तूल पकड़ने पर विभाग से लापता हो गया है। वहीं उसके साथी जेहादी वहां से नमाज़ पढ़ने वाली चटाइयां और जेहादी साहित्य हटाने में लगे हैं।

रोहिंग्याओं को नौकरी देने वालों पर हो कार्रवाई

- एनएमओ का यह भी कहना है कि केजीएमयू के बायो मेडिकल वेस्ट विभाग से सूचना मिल रही है कि वहां पर कथित तौर पर सैकड़ों रोहिंग्याओं का खाता खोल कर उन्हें संविदा पर कर्मचारी रख लिया गया है। एनएमओ ने विभाग की विस्तृत जांच, अवैध नियुक्तियों की पहचान और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच के लिए समिति का गठन नहीं किया गया तो संगठन देशभर में अपनी इकाइयों के माध्यम से आंदोलन करेगा।

वीवीआईपी के लिए इंतजाम, शहर में भीषण जाम

शहर के मुख्य सड़कों-चौराहों पर घंटों परेशान हुए लोग, फंसी एंबुलेंस, 15 मिनट की दूरी तय करने में लगे ढाई घंटे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चौक के कनवेंशन सेंटर में होने वाले कार्यक्रम और वीवीआईपी मूवमेंट के चलते राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर गई। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर घूमने और ऑफिस से घर जाने के लिए निकले लोगों की भीड़ के चलते चौक से लेकर हजरतगंज तक के मार्ग जाम से कराह उठे। चौक, मेडिकल कॉलेज, चारबाग, नाका हिंडोला, कैसरबाग, हजरतगंज, अमीनाबाद, ऐशबाग, रेजीडेंसी रोड और डालीगंज के आसपास के सभी मार्गों पर वाहनों का ऐसा रैला लगा कि स्थिति बद से बदतर हो गयी।

इस दौरान वीवीआईपी मूवमेंट के कारण भी शहरवासियों के वाहन के पहिए पूरी तरह से ठप हो गए। दोपहर करीब दो बजे से रात तक ट्रैफिक रेंगता रहा। लोगों को महज 15 मिनट की दूरी का सफर तय करने में दो से ढाई घंटे से अधिक का समय लग गया। गुरुवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के चलते बुधवार को रिहर्सल हुआ। जिसके चलते कई बार ट्रैफिक को पूरी तरह से रोकना पड़ा।

इस संबंध डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि वीवीआईपी कार्यक्रम के चलते कुछ देर के लिए ट्रैफिक रोका गया था। जिसके कारण दिक्कत हुई है। भविष्य के लिए डायवर्जन लागू कर ज्यादा से ज्यादा पुलिसबल को तैनात कर दिया गया है। ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति न हो। ट्रैफिक पुलिस सभी प्रमुख चौराहों पर तैनात है और ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने का प्रयास कर रही है।

शहर में बुधवार शाम लगे जाम में फंसी एंबुलेंस और वाहन चालक। अमृत विचार

पुराने शहर में जाम से फंसी एम्बुलेंस

- चौक, इमामबाड़ा से लेकर डालीगंज पुल और शहीद स्मारक रोड तक वाहन रेंगते रहे। देर शाम को हालात और भी खराब हो गए, जब गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो गई। शहीद स्मारक के पास तीन एम्बुलेंस जाम में फंसी दिखीं, जिससे मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में परेशानी हुई। यह स्थिति साफ तौर पर दिखाती है कि ट्रैफिक पुलिस ने वीवीआईपी मूवमेंट और कार्यक्रम की पहले से कोई तैयारी नहीं की थी। बुधवार को चौक में होने वाले वीवीआइपी कार्यक्रम होने के बावजूद ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी नहीं दी गई।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा

- उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छुट्टी मना रहे शासन-प्रशासन के सूचनार्थ लखनऊ में जाम की वजह से यातायात ठप होने के समाचार का संज्ञान लिया जाए। जब बड़े लोग आ ही रहे हैं तो मुख्यमंत्री जी ''सिरप'' कांड की प्रगति से उन्हें अवगत भी करा दें और उस भोज से भी जो उनके खिलाफ हो रहे विधायकों ने आयोजित किया था।

ट्रैफिक पुलिस ने नहीं किए थे कोई इंतजाम

- कई तिराहे-चौराहों पर तो ट्रैफिक व्यवस्था के कोई भी इंतजाम नहीं थे। लोगों ने सड़कों पर गाड़ियां खड़ी कर दी। जिसके चलते जाम की स्थिति बनी लेकिन इन वाहनों को हटवाने के लिए कोई भी पुलिसकर्मी नहीं आया। इसके साथ ही सड़क पर लगे स्ट्रीट फूड के ठेलों से मार्ग और भी संकरा हो गया, जिससे वाहनों को गुजरने में खासी दिक्कत हुई।

बैरिकेडिंग हटाकर निकलते लोग।

शहर में लगे जाम में फंसे वाहन।

तोड़ते रहे सिग्नल, थमे रहे वाहनों के पहिए

- सड़कों पर यातायात का इतना दबाव था कि वाहन स्वामी जाम के चलते सिग्नल तोड़ते रहे। रांग साइड से रास्ता पकड़ने के चलते मुख्य मार्ग के साथ ही गलियां तक वाहनों से पट गयी। हजरतगंज और पुराने शहर के मुख्य चौराहों पर पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम पर चलता रहा कि लोग अपने वाहन सड़क पर खड़े न करें। इसके बाद भी लोग घर जाने की जल्दी में हर नियम को तोड़ते रहे।

भाजपा में शुरू हुई डबल इंजन टकराहट 2.0: अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश व दिल्ली अध्यक्षों के बीच बयानबाजी को अपमान का नतीजा बताया

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा में आंतरिक टकराव का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में अब दो 'अध्यक्षीय इंजनों' के बीच 'डबल इंजन टकराहट 2.0' का नया संस्करण सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनकी पारिवारिक और वंशवादी पृष्ठभूमि को अप्रत्यक्ष रूप से निशाना बनाया है।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह टकराव स्वाभाविक है, क्योंकि सात बार के सांसद और उम्र में वरिष्ठ नेता को पांच बार के विधायक से नीचे का पद देकर अपमानित किया गया है। यही अपमान अब बयानों के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष को दिल्ली में जिम्मेदारी क्यों नहीं मिली और आगे भी क्यों नहीं मिलेगी, यह सभी जानते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री, दो उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के रूप में विभिन्न समाजों के लोगों को तो आगे किया है, लेकिन जिन वर्गों ने पार्टी को खड़ा करने में आर्थिक सहयोग दिया, उन्हें कोई सम्मानजनक भूमिका नहीं दी गई।

उन्होंने दावा किया कि जीएसटी और आर्थिक मंदी से परेशान व्यापारी समाज भी खुद को उपेक्षित और अपमानित महसूस कर रहा है। कहा कि भाजपा अब एक दल के रूप में समाप्त हो चुकी है और केवल कुछ स्वार्थी लोगों का समूह रह गई है, जहां आपसी खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

कोहरे में बसों की गति 40 किमी प्रति घंटा रखें चालक अनुभवी तैनात हों : दया शंकर सिंह

- **अमृत विचार, लखनऊ :** शरद ऋतु एवं ठंड के मौसम में यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में प्रात :कालीन कोहरा, फिसलन और दृश्यता में कमी जैसी परिस्थितियां बढ़ जाती हैं, ऐसे में बस संचालन में विशेष सतर्कता बेहद आवश्यक है। परिवहन मंत्री ने बुधवार को निर्देश दिए कि कोहरे की स्थिति में बसों की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक न रखी जाए। अत्यधिक कोहरे में बस को किसी सुरक्षित स्थान पर रोककर दृश्यता सामान्य होने के बाद ही आगे संचालन किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि घने कोहरे वाले मार्गों पर रात्रिकालीन सेवाओं को आवश्यकता अनुसार कम किया जाए। पुराने और अनुभवी चालकों को रात्रि सेवाओं में तैनात किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि चालक ड्यूटी से पहले कम से कम आठ घंटे का विश्राम ले चुका हो। साथ ही 50 प्रतिशत से कम लोड फैक्टर वाली रात्रि सेवाओं को अस्थायी रूप से स्थगित रखने के निर्देश भी दिए गए। परिवहन मंत्री ने कहा कि सभी बसों में फॉग लाइट, वाइपर, ऑल वेदर बल्ब तथा आगे-पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगे होने चाहिए। यह व्यवस्था अनुबंधित बसों में भी सुनिश्चित की जाए।

शराब के साथ पी गया कीटनाशक, अस्पताल में मौत

अमृत विचार, हरदोई: नशे के लती अधेड़ शराब में कीटनाशक मिला कर गटक गया,वह अपने घर के बाहर पेड़ के नीचे पड़ा हुआ थख,पास में शराब की बोतल और कीटनाशक की खाली शीशी भी पड़ी हुई थी,उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया,जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। शाहाबाद कोतवाली के कुइयां पिढ़ाता गांव निवासी 50 वर्षीय शिवपाल खेती-किसानी करता था। वह नशे का लती था, लेकिन कुछ साल लकवा होने पर डाक्टरों ने शराब बंद करने को कहा था,लेकिन उसने नहीं माना,वह हर दिन नशा करता था।

बुधवार की भोर पहर देखा गया कि शिवपाल अपने घर के बाहर लगे पेड़ के नीचे पड़ा था,मुंह से झाग निकल यहा था।

सचिव बन गए बीडीओ 17 मामलों में आरोपित

अमृत विचार : जिले की ग्राम पंचायतों पर वर्ष 2017-18 में हुई करोड़ों की वित्तीय अनियमितता के 66 मामलों में रिकवरी की जाएगी। इससे पहले जारी नोटिसों का जवाब व साक्ष्य न देने वाले आरोपित सचिवों के खिलाफ शासन स्तर से कार्रवाई होगी। वहीं, सचिव से प्रोन्नत होकर बने बीडीओ पर भी शासन स्तर से कार्रवाई के लिए शासन स्तर से निर्णय लिया जाएगा। पिछले सप्ताह जिला स्तरीय समिति की बैठक में ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय अनियमितता के कुल 84 प्रस्तर (प्रकरण) रखे गए थे। इनमें 18 प्रकरण में बिल व बाउचर समेत भुगतान के साक्ष्य प्रस्तुत कर दिए गए। इस आधार पर यह प्रकरण निस्तारित किए जाएंगे। इसके अलावा करीब 40 सचिवों को नोटिस जारी करके साक्ष्य मांगे गए थे, जो न देने पर इन्हें वसूली नोटिस जारी किया जाएगा। और शासन स्तरीय कमेटी में कार्रवाई के लिए यह मामले रखे जाएंगे। इसके अलावा एक सचिव प्रोन्नत होकर वर्तमान में बीडीओ हैं, उन पर अकेले 17 प्रकरण वित्तीय अनियमितता के हैं।

आईटीआई के अनुदेशकों को प्रशिक्षण प्रक्रिया में जोड़ा जाए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक ने टीटीएल कार्यशाला का किया निरीक्षण
- आईटीआई अलीगंज में प्रशिक्षण गुणवत्ता की परखी व्यवस्था नॉलेज ट्रांसफर पर दिया जोर

अमृत विचार : उप्र. कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिए कि टाटा टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षकों के साथ-साथ आईटीआई के नियमित अनुदेशकों को भी प्रशिक्षण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ा जाए, ताकि प्रभावी नॉलेज ट्रांसफर सुनिश्चित किया जा सके और भविष्य में प्रशिक्षण संचालन निर्बाध रूप से जारी रहे।

यह निर्देश मिशन निदेशक ने बुधवार को राज्य सरकार और टाटा टेक्नोलॉजी के बीच हुए एमओयू के तहत संचालित टीटीएल कार्यशाला का निरीक्षण के दौरान दिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन ट्रेडों में दीर्घकालिक पाठ्यक्रम संचालित नहीं हैं और जहां उपलब्ध मशीनों एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है, वहां उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से अल्पकालिक प्रशिक्षण लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के सभी राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण लक्ष्य प्रस्तावित करने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में संचालित कार्यशाला के निरीक्षण के दौरान पुलकित खरे ने स्थापित आधुनिक मशीनों और उपकरणों पर प्रयोगात्मक गतिविधियां कराकर प्रशिक्षण की गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों और अनुदेशकों से संवाद कर प्रशिक्षण की उपयोगिता, सीखने की प्रक्रिया और उद्योग की वर्तमान जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास पर विस्तृत फीडबैक भी प्राप्त किया।

गर्भपात की दवा खाने से विधवा की बच्चेदानी फटी, मौत

अमृत विचार, हरदोई: गर्भवती विधवा महिला की गर्भपात की दवा खाने से बच्चेदानी फट गई और उसकी मौत हो गई। महिला के पति ने कई वर्ष पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसकी 35 वर्षीय पत्नी बच्चों के साथ ससुराल में रह रही थी। महिला को पेट में तेज दर्द होने पर परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसकी मौत हो गई। देवर पेट दर्द से मौत होने की दलील देता रहा, लेकिन भाई की शिकायत पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसकी रिपोर्ट ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। सवायजपुर कोतवाली के एक गांव की 35 वर्षीय महिला के पति ने करीब आठ साल पहले फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। महिला अपनी तीन बेटियों के साथ ससुराल में रह रही थी। जैसा कि बताया गया है कि मंगलवार को अचानक महिला के पेट में तेज़ दर्द होने लगा। उसे बावन रोड पर एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां शाम को मौत हो गई।

आदेश | प्रदेश के विद्यालयों में पठन संस्कृति मजबूत होगी

विद्यार्थी पढ़ेंगे अखबार, बढ़ेगी तार्किक शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्क्रीन टाइम घटाने और तार्किक सोच विकसित करने के निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के विद्यालयों में विद्यार्थियों को अपनी विषयवस्तु के पठन-पाठन के साथ समाचार पत्रों का भी अवलोकन करने को मिलेगा। विद्यार्थियों में पठन संस्कृति (रीडिंग कल्चर) को सुदृढ़ करने और स्क्रीन टाइम कम करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने समाचार पत्र पठन को अनिवार्य करने के निर्देश जारी किए हैं।

इस संबंध में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी शासनादेश के तहत अब बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकों के साथ-साथ समाचार पत्रों को भी दैनिक पठन गतिविधियों का अभिन्न अंग बनाया जाएगा।

शासनादेश के संबन्ध में अपर मुख्य सचिव ने बुधवार को बताया कि नियमित समाचार पत्र पठन से विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान और सम-सामयिक विषयों पर पकड़ मजबूत होगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी है। इसके साथ ही भाषा, शब्दावली, लेखन शैली और आलोचनात्मक सोच का भी विकास होगा।

शासनादेश में उन्होंने यह भी कहा गया है कि प्रतिदिन समाचार पत्र से पांच नए या कठिन शब्दों का चयन कर उनका अर्थ बताया जाए और उन्हें विद्यालय के डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का शब्द' के रूप में प्रदर्शित किया जाए। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में एक बार किसी संपादकीय विषय पर लेखन या समूह चर्चा के लिए प्रेरित किया जाएगा। निर्देशों के अनुसार, प्रतिदिन प्रार्थना सभा में 10 मिनट का 'समाचार वाचन' अनिवार्य किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और खेल जगत से जुड़ी सकारात्मक खबरें पढ़ेंगे। शासन ने सभी विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

वाहनों का दबाव रीड कर एआई कैमरे चलाएंगे सिग्नल

चारों लेन में खड़े वाहनों पर होगी बराबर निगरानी, कुछ चौराहों पर एआई प्रयोग सफल होने के बाद लागू होगी व्यवस्था

अभिषेक श्रीवास्तव, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी जाम से कराह रही है। योजनाएं फिलहाल कारगर होती नहीं दिख रही हैं। चाहे ई-रिक्शा के तय मार्गों पर संचालन का प्लान हो या फिर तीन प्रमुख स्थलों पर ''स्पाइक बैरियर'' (विपरीत दिशा से आने वाली गाड़ियों के टायर पंक्चर वाली योजना) का ट्रायल, 15 प्रमुख चौराहों और तिराहों पर सीमेंटेड बैरियर या नई ''लेफ्ट फ्री'' व्यवस्था का लागू किया जाना। लेकिन हासिल हिसाब शून्य ही रहा।

पूरे साल लोग इसी यातायात अराजकता के बीच से गुजरने को मजबूर रहे। लेकिन इस बार ''उम्मीदें नई'' हैं। जाम का दंश झेल रही राजधानी को नए साल में दर्द से उबारने के लिए यातायात विभाग ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'' (एआई) की मदद लेने जा रहा है। डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने कहा कि जाम खत्म करने के लिए उम्मीदें हैं। काम इसी दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। एआई सेंसर सिस्टम सिग्नल योजना के लागू होने से शहरवासियों को राहत जरूर मिलेगी। साथ ही चौराहों पर वाहनों का दबाव भी काफी हद तक कम हो जाएगा। योजना को नए साल के मौके पर लागू किया जाएगा। प्रयोग सफल हुआ तो इसका विस्तार अन्य प्रमुख तिराहे-चौराहों पर भी होगा।

2025

जाम ने बिगाड़े काम

- जिम्मेदारों को आगामी वर्षों के लिए बनाना होगा नियोजन का लंबा प्लान
- हजरतगंज की ओर ई-रिक्शा जाने पर प्रतिबंध का दावा

एआई सेंसर सिस्टम इस तरह करेंगे काम

- ऐसी समझिए...एआई सेंसर सिस्टम के कैमरे चौराहे के चारों दिशाओं में ट्रैफिक दबाव पर पूरी निगरानी रखेंगे। जैसे एक साइड की रोड पर 60 सेकेंड तक की ग्रीन लाइट होती है। अगर उस लेन में लगातार 5 सेकंड तक कोई भी वाहन नजर नहीं आया तो एआई सिस्टम उस रास्ते में रेड लाइट कर देगा और दूसरे रास्ते को ग्रीन सिग्नल देगा। यानी उस रास्ते में ट्रैफिक दबाव नहीं होने पर 60 सेकंड तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। ट्रैफिक सिस्टम पर नजर रखने के लिए एआई हाई-रिजोल्यूशन कैमरे और सेंसर लगाए जाएंगे। सेंसर व कैमरे के माध्यम से चौराहों पर आने-जाने वाले वाहनों की संख्या, रफ्तार और एक दिशा में लगने वाले वाहनों की कतार की लंबाई का आकलन करेंगे। इसके बाद एआई आधारित सिग्नल खुद ही यह तय करेगा कि किस दिशा से आने वाले वाहनों को कितनी देर तक ग्रीन सिग्नल पर रखा जाए। इससे वाहन स्वामियों को रेड सिग्नल के ग्रीन होने का अनावश्यक इंतजार खत्म होगा और यातायात सुचारू रूप से चलता रहेगा।

ट्रैफिक सिग्नल टाइमिंग नहीं, वाहनों की संख्या का दबाव पढ़ेंगे

- हजरतगंज, हुसैनगंज, आईजीपी, पॉलिटेक्निक, महानगर, आलमबाग, बाराबिरवा, ट्रांसपोर्टनगर, परिवर्तन चौक, लालबत्ती, कमता समेत अन्य प्रमुख चौराहे ग्रीन-रेड सिग्नल से नहीं बल्कि एआई के आधार पर संचालित किए जाएंगे। ट्रैफिक सिग्नल टाइमिंग के बजाए सड़क पर वाहनों की संख्या व दबाव को रीड कर अपने आप ही ग्रीन व रेड होंगे। योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुछ प्रमुख चौराहों पर एआई आधारित कैमरे सिग्नल लगाए जाएंगे। अगर यातायात पुलिस की यह योजना सफल हुई तो इसे जल्द ही पूरे शहर में किया जाएगा। यातायात पुलिस कर्मियों को भी इस नई तकनीक के संचालन और निगरानी के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में वे बिना देर किए रास्ता निकाल सकें।

समय के साथ ही ईंधन की खपत भी होगी कम

- योजना पर काम कर रहे विशेषज्ञों का मानना है कि इस व्यवस्था से वाहन स्वामियों का समय तो बचेगा ही साथ ही उनके वाहन के ईंधन की खपत भी कम होगी। बार-बार सिग्नल पर रुकने और जाम में फंसने से होने वाले प्रदूषण को काफी हद तक कम कर दिया जाएगा। सुबह-शाम आफिस टाइमिंग और दोपहर में स्कूल-कॉलेजों में बच्चों की छुट्टी के समय सड़कों पर बढ़ने वाले दबाव को कम करने में यह सिस्टम बेहतर होगा।

गूगल मैप से जुड़ेगी योजना

- यही नहीं इस योजना को गूगल मैप से भी जोड़ा जा रहा है। जैसे ही किसी मार्ग पर जाम की स्थिति बनेगी, एआई सिस्टम उस जानकारी को रियल टाइम में अपडेट कर देगा। जिसके बाद गूगल मैप पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उस मार्ग का डायवर्जन लागू कर देगा। जिससे वाहन स्वामियों को दूसरे वैकल्पिक मार्गों की जानकारी तुरंत मिल सकेगी। इससे जाम में राहत मिलेगी।

वर्ष 2025 में हुए ये प्रयास

- हजरतगंज, निशातगंज समेत दस से ज्यादा चौराहों पर डायवर्जन व्यवस्था लागू की।
- आईटी चौराहे पर जाम खत्म के लिए यू-टर्न और एक तरफ का रूट बंद।
- हुसैनगंज चौराहे पर यू-टर्न और एक तरफ का रूट बंद।
- सिकंदरबाग से आगे ई-रिक्शा आने पर प्रतिबंध।
- पार्क रोड पर वन-वे सिस्टम लागू किया।
- ई-रिक्शा के लिए सेफ राइड शुरू की गई।

जाम झेलने वाले प्रमुख तिराहे-चौराहे

- हजरतगंज चौराहा
- हुसैनगंज चौराहा
- परिवर्तन चौराहा
- इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा
- आईजीपी चौराहा
- लालबत्ती चौराहा
- पॉलिटेक्निक चौराहा
- बाराबिरवा चौराहा
- तेलीबाग चौराहा
- कमता चौराहा
- अमौसी एयरपोर्ट तिराहा
- दुबग्गा चौराहा
- अमीनाबाद तिराहा
- चारबाग नत्था होटल तिराहा
- रकाबगंज पुल चौराहा
- मेडिकल कालेज चौराहा
- बलरामपुर चौराहा
- आईआईएम तिराहा

चारबाग में ट्रेनों के ठहराव की शिफ्टिंग पर विचार

- साल 2026 में यातायात पुलिस शहर को जाम के झाम से बचाने के लिए एक और नया प्रयास कर रही है। जिसका ब्लू प्रिंट भी तैयार हो गया है। रेलवे विभाग के साथ बैठक कर ट्रैफिक अधिकारियों ने मांग रखी थी कि चारबाग स्टेशन से कुछ ट्रेनों की संख्या कम की जाए। जिसे स्वीकृति मिल गयी। कई ट्रेनों को गोमतीनगर, बादशाह नगर, ऐशबाग, सिटी स्टेशन और मल्हौर स्टेशन पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे चारबाग व उसके आसपास के जाम से शहरवासियों को राहत मिल सकेगी। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि गोमती पार इलाके से आने वाले लोग हजरतगंज होते हुए चारबाग आते हैं। काफी मंथन के बाद चारबाग इलाके में एक टीम लगाकर यहां लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए सर्वे करवाया गया। सामने आया कि सारी ट्रेन यहीं पर आती हैं, जिसके चलते दिनभर वाहनों का दबाव रहता है। उधर, चारबाग बस अड्डे पर आने वाली बसें भी सड़क पर खड़ी रहती हैं। सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद रेलवे और परिवहन विभाग के साथ बैठक की गई। जिसके बाद कई ट्रेनों के ठहराव दूसरे स्टेशन पर शिफ्ट करने का फैसला लिया गया है। यही नहीं कैसरबाग क्षेत्र से जाम कम करने के लिए बस स्टेशन को जानकीपुरम शिफ्ट किए जाने की योजना पर मजबूती से काम हो रहा है। साथ ही चारबाग बस स्टेशन पर आ रहे ट्रैफिक और बसों के लिए उसे रिडिजाइन करने पर बात चल रही है।

न्यूज ब्रीफ

फूड वैली में दुकानदार ने स्टॉफ संग मिलकर गार्ड को रॉड से मारा

अमृत विचार, लखनऊ: गोमतीनगर स्थित मरीन ड्राइव के फूड वैली में दुकानदार ने स्टॉफ के साथ मिलकर एक सिक्योरिटी गार्ड पर रॉड से हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे बेरहमी से पीटा। हमले में गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने कंपनी के जीएम की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। एमजीवी एंड हैचलेट बैचलर्स कंपनी के जनरल मैनेजर दुर्बेश कुमार तिवारी ने तहरीर में बताया कि उनकी कंपनी मरीन ड्राइव में फूड वैली संचालित करती है। कंपनी के कर्मचारी दुकानदारों को सफाई और संचालन से जुड़े नियमों के बारे में बताते रहते हैं। 21 दिसंबर की शाम फूड वैली में स्थित चोको-लोको दुकान के मालिक मो. जीशान को सिक्योरिटी गार्ड नियमों के बारे में बता रहा था। इसपर जीशान नाराज हो गया और उसने अपने स्टॉफ मो. मोइन, अनवर और मो. फैज के साथ मिलकर गाली गलौज करते हुए गार्ड पर रॉड से हमला कर दिया। मारपीट से फूड वैली में अफरा-तफरी मच गयी। जीएम ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ओवरब्रिज पर चलती कार में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आग के चलते थमे वाहनों के पहिए, लगा लंबा जाम
- आग से ओवरब्रिज की रेलिंग और सड़क का डामर पिघला

अमृत विचार: विभूतिखंड स्थित मधुरिमा ओवरब्रिज पर गुजर रही एक कार के इंजन में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगते ही कार में सवार महिला बैंक कर्मी और उनके पति ने गाड़ी से उतरकर अपनी जान बचाई। दंपति के निकलते ही कार आग का गोला बन गई। आग से ओवरब्रिज की रेलिंग और सड़क का डामर तक पिघल गया। दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। घटना के बाद ओवरब्रिज पर भीषण जाम लग गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस यातायात सुचारू रूप से चालू करा पायी।

विराटखंड-4 निवासी वैभव कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी बैंक ऑफ महाराष्ट्र में काम करती हैं। बुधवार शाम वह पत्नी के साथ कार से बाराबंकी से लौट रहे थे। जब उनकी कार विभूतिखंड रेलवे क्रासिंग के ऊपर ओवरब्रिज पर पहुंची, तभी अचानक इंजन से धुएं के साथ आग की लपटें निकलने लगीं। कार के इंजन से आग निकलती देख फौरन उन्होंने हैंडब्रेक लगा दिया और पत्नी सहित बाहर निकलकर दूर चले गए। उनके निकलते ही आग तेजी से फैल गई।

बिना देर किए वैभव ने पुलिस व दमकल टीम को सूचना दी। बीच सड़क पर कार को आग का गोला बना देख ट्रैफिक भी थम गया। जिससे काफी लंबा जाम लग गया। खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। बड़ी मशक्कत के बाद दमकल टीम आग बुझा पाई। आग की वजह से ओवरब्रिज की रेलिंग और सड़क का डामर भी पिघल गया।

विभूति खण्ड ओवर ब्रिज पर जलती कार। अमृत विचार

पुलिस मिलाती रही फोन, नहीं आई क्रेन

- सड़क पर जली कार को किनारे कराने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने क्रेन बुलाई। कई जगह फोन किया गया, लेकिन क्रेन नहीं पहुंची। उसके बाद पुलिस ने क्रेन मंगाने की जिम्मेदारी कार मालिक पर छोड़ दी। कार मालिक ने क्रेन मंगाने के लिए फोन किया, लेकिन उसे आने में काफी देर लग गई। क्रेन आने में देरी के चलते यातायात रेंगता रहा।

डेढ़ घंटे आवागमन बाधित

- कार जलने के दौरान उधर जाने वाले वाहन पूरी तरह ठहर गए। जिससे उससे गुजरने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई। आग बुझाए जाने के बाद धीमी गति से वाहनों का संचालन शुरू हुआ। जिसके चलते करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन बाधित रहा। क्रेन से कार का मलबा हटाए जाने के बाद यातायात सुचारू रूप से चल पाया।

टक्कर के बाद डिवाइडर से टकराई बाइक मैकेनिक की मौत

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर:** थाना क्षेत्र के कानपुर रोड स्थित पार्थ पब्लिक के पास के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक डिवाइडर से जा टकराई जिससे मैकेनिक की मौत हो गई। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। सुल्तानपुर जिले के फरीदपुर निवासी सरबजीत विश्वकर्मा (45) बंथरा के चनखरा मोहल्ले में रहते थे। परिवार में पत्नी संगीता, दो बेटी शालू व सृष्टि और एक बेटे सचिन हैं। सरबजीत ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर 8 के पास मोटर मैकेनिक का काम करते थे। सरबजीत मंगलवार देर शाम करीब 8 बजे दुकान बंद कर बाइक से बंथरा स्थित घर जा रहे थे। सरोजनीनगर में कानपुर रोड स्थित पार्थ पब्लिक के पास अज्ञात वाहन ने सरबजीत की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा टकरायी। हादसे में सरबजीत घायल हो गया। हादसे के बाद उधर से गुजर रहे एक परिचित ने घायलावस्था में पड़े देख सूचना सरबजीत के बेटे सचिन को दी। जिसके बाद सरबजीत को एंबुलेंस से आनन-फानन में लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने सरबजीत को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था।

मृतक सरबजीत

बीएड शिक्षकों को अंतरिम राहत, ब्रिज कोर्स के लिए सशर्त आवेदन की अनुमति

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बीएड डिग्रीधारक प्राथमिक शिक्षकों के ब्रिज कोर्स से जुड़े मामले में राज्य सरकार को आदेश दिया है कि याची शिक्षकों को अंतरिम रूप से ब्रिज कोर्स के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने पंकज शर्मा व 24 अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। मामला राज्य सरकार द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी शासनादेश और 13 दिसंबर 2025 को पारित आदेश से जुड़ा है। जिसमें बीएड डिग्रीधारक सहायक अध्यापकों को छह माह के ब्रिज कोर्स में नामांकन करने का निर्देश दिया गया था।

शासनादेश में यह भी उल्लेख था कि प्रशिक्षण में आवेदन न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। याचियों की ओर से दलील दी गई कि उन्होंने पहले ही एनसीटीई की अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से छह माह का ब्रिज कोर्स पूरा कर लिया है, जिसे वैध योग्यता माना जा चुका है, ऐसे में दोबारा प्रशिक्षण के लिए बाध्य करना अनुचित है।

वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह शासनादेश सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जारी किया गया है और विभाग उसी के अनुसार कार्य कर रहा है।

न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई नौ जनवरी 2026 को तय करते हुए स्पष्ट किया कि तब तक याचियों को अस्थायी रूप से आवेदन करने दिया जाए और विभाग उनके आवेदनों को स्वीकार करने के लिए हर संभव प्रयास करे।

शुभम ने रिश्तेदारों के नाम पर ली थीं कई लग्जरी गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आयकर की नजर से बचने के लिए दूसरों के नाम पर लिया गया था लोन

अमृत विचार: नकली कफ सिरप कांड का फरार मास्टर माइंड शुभम जायसवाल लग्जरी गाड़ियों का काफिला लेकर चलता था। प्रवर्तन निदेशालय ने शुभम जायसवाल, जेल में बंद बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित टाटा व उनसे जुड़े कुछ अन्य लोगों के बैंक खातों की जांच की तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आयी। पता चला कि सिरप की काली कमाई से शुभम जायसवाल ने अपने रिश्तेदारों व दोस्तों के नाम से कई लग्जरी गाड़ियां खरीदी थी।

शातिर शुभम ने आयकर की रडार से बचने के लिए दूसरों के नाम पर बैंक से लोन लिया। उसके पांच से सात साल किश्तों में गाड़ियां खरीद लीं। कई कारें लखनऊ से लेकर झारखंड धनबाद तक के शोरूम से ली गईं। गाड़ियों की रकम तय समय से काफी पहले ही बैंक को अदा कर दी गयी थी।

ईडी सूत्रों की मानें तो कफ सिरप की तस्करी बांग्लादेश और नेपाल तक की गयी थी। तस्करी से हुई काली कमाई से ही शुभम ने गाड़ियां खरीदी थीं। ईडी को कई जानकारियां मिली हैं। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो ईडी लखनऊ से लेकर धनबाद तक कई लग्जरी कार शोरूम और आरटीओ से भी दस्तावेज जुटाएगा। ईडी सूत्र बताते हैं कि मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल की काली कमाई से बनाई गई संपत्ति की कुंडली बना ली गई है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम इम्त्याज (IMTIYAJ) से बदलकर इम्त्याज खान (IMITIYAJ KHAN) रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। इम्त्याज खान पुत्र श्री अब्बास खान, पता-बनकटवा, उम्मेदजोत, जनपद-गोण्डा, उ.प्र.।

सूचना

सूचित हो शपथिनी के कुछ अभिलेखों में कुमारी सोनिया, KM सोनिया, सोनिया कुशवाहा एवं सोनिया अंकित है। शपथिनी उपरोक्त नामों से जानी व पहचानी जाती है जो कि एक ही महिला के नाम हैं। शपथिनी भविष्य में सोनिया नाम से ही जानी व पहचानी जायेगी।

—सोनिया पत्नी ऋषि कुमार निवासिनी—11ए/86, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ उ0प्र0

पूर्वोत्तर रेलवे

पीएमएस-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पीएमएस निविदायें आमंत्रित करते है:—

क्रम सं.-1, ई—प्रापण निविदा संख्याः उप मु. इन्जी.-नि.-सीपीआर-पीएमएस-07-2025, दिनांक:23-12-2025, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे के पनियहवा (छोड़कर)—छितौनी—तमकुही रोड (शामिल) के नये सिंगल ब्राड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यो, विद्युतीकरण कार्यो और सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्यो के लिये परियोजना प्रबंधन सेवाओं के लिये अथॉरिटी इंजीनियर नियुक्त करने हेतु प्रस्ताव के लिये अनुरोध (RFP) (पहला चरण: 29.050 किमी और दूसरा चरण: 34.793 किमी, कुल लंबाई = 64.193 किमी), अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 13,84,82,489.70, बयाना राशि (रू.): ₹ 8,42,400/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 63 (तिरसठ) माह।

नोटः ♦ बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथिः दिनांक 01-01-2026 ♦ उपरोक्त पीएमएस निविदा सबमिसन की बन्द होने की तिथिः दिनांक 15-01-2026 को 15:30 बजे तक। ♦ उपरोक्त पीएमएस निविदा खुलने की तिथि दिनांक 15-01-2026 को 15:30 बजे के उपरांत। ♦ निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *https://ireps.gov.in* पर देखा जा सकता है। ♦ निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखो में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें। ♦ उप मुख्य इंजीनियर/नि०/I/वाराणसी, मो. 9794844290

उप मुख्य इंजीनियर/नि./I

मुजाधि/डब्लू—385 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई—निविदा सूचना संख्या:SRDEE-TRD-1ZN-2025-26-T24, Date-23.12.2025

खुली ई—निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ''खुली'' ई—निविदा आमंत्रित करते है।

क्र.सं. 1:— कार्य का नामः इज्जतनगर डिवीजन में LKU SSP से हल्द्वानी तक बिजली आपूर्ति में विश्वसनीयता सुधारने के लिए ट्रैक के समानांतर फीडर व्यवस्था का प्रावधान से सम्बंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं. SRDEE-TRD-1ZN-2025-26-T24, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में ₹ 6,10,47,004.12, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: ₹ 4,55,200.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: 0.00 निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 15.01.2026, 11.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 माह। खुली ई—निविदा दिनांक 15.01.2026 को 11.00 बजे तक जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी

मुजाधि/विद्युत—225 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम पालिसी संख्या 215694949 में मेरा नाम सतीश कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक आदि सरकारी दस्तावेजों में मेरा नाम रिंकू पुत्र राजेन्द्र अंकित है। सतीश कुमार व रिंकू दोनों मेरे ही नाम है तथा राजेन्द्र व राजेन्द्र प्रसाद दोनों ही मेरे पिता के है। मुझे और मेरे पिता को उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। रिंकू पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम व पोस्ट – माढ़ापुर तहसील – बांगरमऊ, उन्नाव

सूचना

मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम पालिसी संख्या 218411325 में मेरा नाम राजेश कुमार कश्यप पुत्र हरिश्चंद्र दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक आदि दस्तावेजों में मेरा नाम राकेश पुत्र हरीचंद्र अंकित है। राजेश कुमार कश्यप और राकेश दोनों मेरे ही नाम है। मुझे उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। राकेश पुत्र हरीचंद्र निवासी ग्राम – मेला रामकुंवर पोस्ट – साईपुर सगौड़ा तहसील – बांगरमऊ, उन्नाव

सूचना

मैंने अपना नाम R K SRIVASTAVA से बदल कर RAJESH KUMAR SRIVASTAVA रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: DAYA SHANKAR LAL SRIVASTAVA R/O:16/A JAIRAMPUR PATPAR SUBEDAR GANJ ALLAHABAD UTTAR PRADESH - 211011**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे तीन पुत्र पवन कुमार विष्णु कुमार व लक्ष्मीनारायण है किन्तु मैं अपने एक लड़के जिसका नाम विष्णु कुमार है के ग़लत चाल चलन के चलते दो माह पूर्व से अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में किसी भी प्रकार के लेन–देन व किसी भी प्रकार के मामले का वह खुद जिम्मेदार होगा। मेरी चल अचल संपत्ति में विष्णु कुमार का कोई हक नहीं है। **शिवशंकर प्रसाद पुत्र स्व0 देवीदयाल निवासी बल्दाऊ गंज, चकरेही चौराहा, कोतवाली कर्वी, जिला चित्रकूट।**

सूचना

मैने अपना नाम HAIDER ABBAS RANA से बदलकर HAIDER ABBAS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O - ALI MOHAMMAD ADD - H.No -532 SECTOR-10 INDIRA NAGAR DIST - LUCKNOW - 226016 (U.P.)**

सूचना

मैंने अपना नाम SHAN MOHHMAD से बदल कर SHAN MOHMMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: YUNUSH R/O:SAIMBASI POST SAIMBASI AMETHI UTTAR PRADESH-229309**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम PRABHAWATI PRASAD अंकित है तथा आधार कार्ड में PRABHAWATI दर्ज है। भविष्य में मुझे PRABHAWATI के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **प्रभावती पत्नी श्री शिव शरण प्रसाद नि0–572ए, सेक्टर–के, आशियाना, एल0डी0ए0 कालोनी, लखनऊ (उ0प्र0)**

सूचना

मैंने अपने पुत्र दशरथ सिंह को उसके द्वारा किए गए अनुचित एवं असामाजिक कृत्यों के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से पूर्णतः बेदखल करता हूँ। किसी भी प्रकार की चल–अचल संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा सरोकार नहीं होगा। जिससे मेरा या मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं होगा। **राना प्रताप सिंह पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह निवासी– पुराना अछल्दा, जनपद औरैया।**

सूचना

सूचित हो कि, मैं Umme Kulsum पुत्री Mohd Aleem निवासिनी:– 23/30, प्रकाश लोक विस्तार, नियर आम्रपाली मार्केट, इंदिर ा नगर लखनऊ की हूँ, मेरे नाम Umme की स्पेलिंग मेरी मार्कशीट में Ummay लिख गई हैं, जबकि Umme सही स्पेलिंग हैं, मेरे सारे दस्तावेजों में मेरे नाम की स्पेलिंग Umme Kulsum अंकित हैं, आज से मेरे नाम की स्पेलिंग Umme Kulsum ही लिखा जाये, जो पूर्णता सही है।

सूचना

सूचित हो कि, मैं Ali Ahamad Kamal पुत्र Jamal Ahamad निवासी:– 73घ, शक्तिनगर, फैज़ाबाद रोड, इंदिरा नगर लखनऊ का हूँ, मेरे व मेरे पिता के नाम में Ahamad की स्पेलिंग Ahmad लिख गई हैं, जबकि हमारे सारे दस्तावेजों में हर जगह Ahamad अंकित हैं, आज से व भविष्य में मेरे नाम Ali Ahmad Kamal पुत्र Jamal Ahmad की जगह Ali Ahamad Kamal व पिता के नाम में Jamal Ahamad ही लिखा जाये, जो पूर्णता सही है।

सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में पूर्व नाम मुस्ताक अहमद पुत्र फरियाद अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम मुस्ताक अहमद खान पुत्र फरियाद है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मुस्ताक अहमद खान ग्राम– भुरकुंडी थाना – ओरास जनपद – उन्नाव।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि ABDUL, AMIR पुत्र ABDUL,HAFEEZ निवासी– 589KH769 अम्बेडकर पुरम शारदा नगर तेलीबाग लखनऊ का रहने वाला हूं मेरे पिता ABDUL, HAFEEZ का देहान्त 18/09/2001 को हो गया है मेरे हाई स्कूल के मार्कशीट मे मेरे पिता जी का नाम गलत अंकित हो गया है ABDUL, HAZIM से सही नाम ABDUL, HAFEEZ कर के मेरा पासपोर्ट जारी करने कि कृपा करें।

सूचना

मैं मुनीष कुमार उम्र 72 वर्ष पुत्र स्व बी एन प्रसाद निवासी फ्लैट 112 एच ब्लाक सिल्वर लाइन अपार्टमेंट, चिनहट लखनऊ सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मैं अपने बड़े पुत्र अमित कुमार जायसवाल के गलत सोहबत से बिगड़ जाने व अक्सर मुझे, मेरी पत्नी, छोटे भाई व उसकी पत्नी के साथ झगड़ा–झंझट करने, मारपीट को उतारू होने के कारण क्षुब्ध होकर मैने उसे अपनी चल–अचल सम्पति से बेदखल करते हुए सभी सम्बन्ध समाप्त कर लिया हैं। भविष्य में अमित कुमार जायसवाल के किसी भी कृत्य और लेन–देन के लिए मैं एंव मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में पूर्व नाम मोहम्मद अमजद पुत्र मोहम्मद हसन (MOHAMMAD AMJAD S/O MOHAMMAD HASAN) अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम मो अमजद पुत्र मो हसन (MOHD AMJAD S/O MOHD HASAN) है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मो0 अमजद ग्राम अतागंज रतासो, थाना सलोन, जनपद रायबरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं विजय कुमार यादव पुत्र रामसिंह यादव ग्राम बनगंवाडीह, अखण्डनगर, तहसील कादीपुर सुल्तानपुर का स्थाई निवासी हैं किन्तु मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम विजय कुमार पुत्र राम सिंह अंकित है। जबकि मुझे विजय कुमार यादव पुत्र रामसिंह यादव निवासी ग्राम बनगंवाडीह, थाना अखण्डनगर तहसील कादीपुर, सुल्तानपुर के नाम से जाना पहचाना जाए। **विजय कुमार यादव पुत्र रामसिंह यादव निवासी बनगंवाडीह, अखण्डनगर, तहसील कादीपुर, सुल्तानपुर।**

सूचना

मेरे पुत्र मयंक तिवारी पुत्र स्वर्गीय शिव अधार तिवारी का आचरण व व्यवहार ठीक नहीं है। जिसके चलते मैंने उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किए हुए कार्यो से मेरा कोई वास्ता सरोकार नहीं है। वह स्वयं उत्तरदायी होगा। **ललिता पत्नी स्व0 शिव अधार तिवारी निवा0 ग्राम करन मऊ, पोस्ट तेरुखा, थाना डलमऊ, जिला रायबरेली।**

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट–www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से सम्बन्ध
1	श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव	भूखण्ड सं0-एन-240	सेक्टर-एन, आशियाना, कानपुर रोड योजना, लखनऊ	06.05.2023	1. श्रीमती मधुलिका श्रीवास्तव 2. श्रद्धा सक्सेना 3. श्रीमती प्रियंका शर्मा	-- -- --	पत्नी पुत्री पुत्री
2	मूल आवंटी/मृतक श्री राम औतार	भूखण्ड सं0-1/53 रूचि खण्ड-1	शारदा नगर योजना	04.05.2013	श्रीमती सुख रानी	--	पत्नी
3	स्व0 संजू सिंह	भूखण्ड सं0-6/9	जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ	02.06.2025	श्री आदित्य कुमार सिंह	श्री अशोक कुमार सिंह कु0 अनामिका सिंह कु0 मुस्कान सिंह	पति पुत्री-अवि0 पुत्री-अवि0
4	स्व0 रमेश चन्द्र श्रीवास्तव (आवंटी)	भूखण्ड सं0-सी-54	सेक्टर-के, अलीगंज	07.03.2019	1. श्रीमती भाग्यवती श्रीवास्तव	वसीयत के आधार पर	पत्नी
5	स्व0 जगदीश चन्द्र त्रिवेदी (सहक्रेता)	भवन सं0-एल-5-8	से0-एल अलीगंज	27.01.2023	1. श्रीमती मुन्नी देवी त्रिवेदी-पत्नी	1. श्री सतीश चन्द्र त्रिवेदी 2. श्री यतीश चन्द्र त्रिवेदी 3. रवीश त्रिवेदी (नाबालिक) 4. श्रीमती नीलम त्रिवेदी	पुत्र पुत्र पौत्र पुत्रवधू

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

उत्तर प्रदेश ने बालक व महाराष्ट्र ने बालिका वर्ग की ट्रॉफी जीती

- **राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता सम्पन्न, पुरस्कृत हुए विजेता व उपविजेता खिलाड़ी**

अयोध्या कार्यालय

राष्ट्रीय विद्यालयीय खो-खो प्रतियोगिता की बालिका ट्रॉफी विजेता महाराष्ट्र की टीम मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लल्लू सिंह व अन्य के साथ।

अमृत विचारः स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता के फाइनल में मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने कर्नाटक को पराजित कर बालक वर्ग की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। बालिका वर्ग में महाराष्ट्र ने यूपी को पराजित कर ट्रॉफी जीत ली। मुख्य अतिथि सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह, पूर्व सांसद लल्लू सिंह व उपशिक्षा निदेशक कौस्तुभ सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। बुधवार को समापन समारोह में छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियों से चार चांद लगा दिया।

राजकीय इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित समापन समारोह में साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने केवट प्रसंग का नाट्य अभिनय प्रस्तुत कर भक्तिमय माहौल बना दिया। ब्रज की प्रख्यात फूलों की होली व मयूर नृत्य व संगीत की धुन पर योग प्रदर्शन की प्रस्तुति से समारोह में सतरंगी छटा बिखेर दी। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में कर्नाटक के आनन्द बस्वरस व बालिका में महाराष्ट्र की चतिरली अवदूत बेस्ट प्लेयर रहीं। उप्र के गोलू कुमार यादव व सपना बेस्ट डिफेन्डर और उप्र के अनुराग व पंजाब की रजनी बेस्ट अटैकर रहीं। प्रतियोगिता के बालक वर्ग सेमीफाइनल में उप्र ने पंजाब को 12-4 से और कर्नाटक ने महाराष्ट्र को 28-23 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में मेजबान उप्र टीम ने कर्नाटक को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 18-16 से पराजित कर खिताब जीत लिया। हार्डलाइन मुकाबले में महाराष्ट्र ने पंजाब को 15-11 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में उप्र ने पंजाब को 11-3 से और महाराष्ट्र ने तमिलनाडु को 8-7 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में महाराष्ट्र ने एकतरफा मुकाबले में उप्र टीम पर 10-3 से खिताबी जीत दर्ज किया। हार्ड लाइन मैच में पंजाब ने तमिलनाडु को 12-10 से पराजित कर तीसरा स्थान हासिल किया। इस मौके पर डीआइओएस डॉ. पवन कुमार तिवारी, एडीआइओएस अवनीश पाण्डेय, प्रधानाचार्य ओंकारनाथ, मंडलीय क्रीड़ा समिति सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह आदि मौजूद रहे।

1.20 लाख की ठगी

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : नौकरी दिलाने का झांसा देकर जालसाज ने उधौली निवासी हरिशंकर से 1.20 लाख रुपये ठग लिए। हरिशंकर ने पुलिस को बताया कि अमरेन्द्र ने उसे नौकरी का झांसा दिया था।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य इंजीनियर, गतिशक्ति, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा (दोहरी पैकेट प्रणाली), जिसकी बंद होने की तिथि दिनांक **15.01.2026** को 11:30 बजे तक है, आमंत्रित की जाती है।

1.	निविदा सूचना संख्या	**05-DyCE-GSU-LKO-2025-26 दिनांक 24.12.2025**
2.	निविदा संख्या	**05-DyCE-GSU-LKO-2025-26**
3.	कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अर्न्तगत भदोही, जंघई, मड़ियाहू, बादशाहपुर तथा अन्य स्टेशनों के बचे हुये कार्य।
4.	अनुमानित लागत	रू0 2780.48 लाख
5.	धरोहर राशि	रू0 15,40,200/-
6.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छह माह।
7.	निविदा डालने का प्रारंभ	01.01.2026
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	15.01.2026 11:30 बजे
9.	वेबसाईट	**www.ireps.gov.in**

नोट :– 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। **4000/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रायबरेली में खनन के दौरान ढहा मिट्टी का टीला, दो श्रमिकों की मौत

नसीराबाद थाना क्षेत्र में ईदगाह के पास हुई घटना, दो घायल

परशदेपुर (रायबरेली)

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। नसीराबाद थाना क्षेत्र में ईदगाह के पास खनन के दौरान गड्ढे में मिट्टी का टीला धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

बुधवार को नसीराबाद कस्बे के वार्ड नंबर तीन मोहल्ला पुरानी कोठी निवासी श्रमिक ब्रजेश कुमार कोरी (22), इरफान (24), ब्रजलाल (60) और रोहित (25) ईदगाह के पास एक व्यक्ति की निजी जमीन पर फावड़े से मिट्टी खोदकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में भर रहे थे। बताते हैं कि बीते लगभग एक माह से जेसीबी मशीन द्वारा खनन कार्य चल रहा था, जिससे लगभग 20 फुट गहरा गड्ढा हो गया था। खोदाई के दौरान अचानक ऊपर से मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया और चारों श्रमिक गड्ढे में दब गए। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिक शोर सुनकर दौड़े और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकालकर सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने बृजेश कुमार को मृत घोषित कर दिया और बृजलाल तथा इरफान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बृजलाल की भी मौत हो गई, जबकि इरफान का इलाज चल रहा है। रोहित को हल्की चोट थी इसलिए उसे प्रारंभिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। वहीं थानाध्यक्ष पवन कुमार सोनकर ने बताया कि घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया है।

लखनऊ के चार शातिर गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली नगर पुलिस ने लखनऊ के 4 शातिरों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तमंचा, कारतूस, हथगोला, मोबाइल व नकदी बरामद हुई है। पुलिस ने ओबरी जंगल के पास से शुभम चौहान, राहुल गौतम व संदीप कुमार, मोहम्मद दानिश सभी निवासी लखनऊ को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 6 हथगोला, एक तमंचा, एक जिन्दा कारतूस, 3 मोबाइल फोन बरामद किया।

कार्यालय प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग कानपुर

पत्रांक : 3117/15–1 दिनांक, कानपुर 24.12.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वृक्ष संरक्षण अधिनियम– 1976 में प्रत्येक वृक्ष को पातन करने के उपरान्त पातित किये गये वृक्ष के स्थान पर दोगुने पौधे रोपित करने और उनकी पश्चातवर्ती देख–रेख के लिये डाक घर बचत पास बुक/राष्ट्रीय बचत पत्र अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से बन्धक करवाकर 05 वर्षों के लिये प्रभागीय कार्यालय में गिरवी के रूप जमा की गयी थी। वर्तमान में कानपुर वन प्रभाग के अन्तर्गत वर्ष 2005–2006 से वर्ष 2013–14 तक कुल 203900.00 रू की जमानत धनराशि जमा है जिसमें किसी भी प्रकार का दावा प्राप्त न होने के कारण धनराशि को राजकीय कोष/विभागीय बजट में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

अतः जनपद– कानपुर नगर के अन्तर्गत जिस भी आवेदनकर्ता द्वारा वर्ष 2005–2006 से वर्ष 2013–14 के मध्य वृक्ष पातन अनुज्ञा प्राप्त की है, वह प्रत्येक दशा में अपना दावा एवं काटे गये वृक्षों के बदले रोपण सम्बन्धी प्रमाण पत्र दिनांक 10.01.2026 तक ''कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, दीन दयाल नगर, कानपुर नगर– 208002'' में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उक्त दिनांक व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी व्यक्ति विशेष का दावा मान्य नही होगा

(दिव्या)
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी प्रभाग
कानपुर

छह अभियुक्तों को आजीवन कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : करीब 11 साल पहले सम्पत्ति विवाद में सौतेले माता-पिता समेत परिवार के चार सदस्यों की सामूहिक हत्या को अंजाम देने वाले पुत्र, उसकी पत्नी समेत छह अभियुक्तों को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इन्हें 75-75 हजार रुपये जुर्माना भी अदा करना होगा।

10 फरवरी 2014 को दरियाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत मथुरानगर गांववासी शिवबरन, पत्नी रानी, बेटी गुड़िया व बेटे निर्मल के शव घर में पड़े मिले थे। देखकर स्पष्ट हुआ कि इनकी हत्या की गई थी। घर पहुंचे शिवबरन के रिश्तेदार मनोज वर्मा ने पुलिस को सूचना दी। दो दिन बाद ही पुलिस ने मृतक शिवबरन की पहली पत्नी के पुत्र चंद्रशेखर से पूछताछ की तो सारा राज सामने आ गया। इसी बीच पुलिस के हत्थे चंद्रशेखर की पत्नी जनकलली, साला राजू वर्मा के अलावा हत्या में शामिल जितेन्द्र, दिनेश गौतम व अर्जुन सिंह भी चढ़ गए। यह भी मालूम हुआ कि नरसंहार की यह वारदात सम्पत्ति के फेर में अंजाम दी गई थी। शिवबरन ने तीन शादियां की थीं। कुछ समय बाद वह बीमार हुआ तो दवा के लिए जमीन बेच डाली। शिवबरन की पहली पत्नी के बेटे चंद्रशेखर को लगा कि उसका पिता बेच डालेगा तो उसने पत्नी जनकलली के साथ साजिश रची कि सौतेले पिता व परिवार को मिटा दिया जाए। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश बहादुर सिंह ने बुधवार को इस प्रकरण में दोषसिद्ध चंद्रशेखर, जनकलली, राजू वर्मा, जितेन्द्र, दिनेश गौतम व अर्जुन सिंह को आजीवन कारावास व अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन-4 जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक– 381/L.J.S./E.E.-4/2025-26 दिनाँक– 23/12/2025

(अल्पकालीन निविदा–सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु पृथक–पृथक निविदाएं इस कार्यालय में दि0 02/01/2026 अपराह्न 2:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 02/01/2026 को अपराह्न 3:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। सम्बन्धित कार्य के निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता, जोन–4, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ के कैश काउन्टर से निर्धारित शुल्क (नॉन रिफंडेबल) जमा करके प्राप्त किये जा सकते है। निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र में उल्लेखित है, जोकि भी कार्यदिवस में अवलोकित की जा सकती है। निविदा के साथ वांछित धरोहर राशि जमा करना अनिवार्य है। किसी भी दशा में समस्त निविदाओं को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास होगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	कार्य अवधि
1.	Reboring of 1.5 H.P Submersible Pump 02 Nos (1-Asfraf Vihar Colony Vivekanand Park, 2-Mahaveeran Mandir Ke Paas) Zone-4 Jalkal Vibhag Lko.	रू0 350/–	रु0 6600/–	7 दिवस
2.	Reboring of 1.5 H.P Submersible Pump 02 Nos (1-Asfraf Vihar Colony, 2-Near Brahm Dev Baba Mandir Satrikh Road) Zone-4 Jalkal Vibhag Lko.	रू0 350/–	रु0 6600/–	7 दिवस

अधिशासी अभियन्ता, जोन–4
जलकल विभाग, नगर निगम,
लखनऊ

बाघ के हमले से तीन घायल

रुपईडीहा, बहराइच, अमृत विचार : नगर पंचायत के पचपकरी वार्ड अंतर्गत रुपईडीहा रेंज क्षेत्र में बाघ के हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद वन विभाग, पुलिस और एसएसबी ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सुबह के समय एक बाघ ने अलग-अलग स्थानों पर हमला किया। हमले में राधे वर्मा (60) पुत्र परशुराम वर्मा को सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं संजना (12) पुत्री चिंताराम पर उस समय हमला हुआ जब वह घर से बाहर निकली थी, उसके हाथ पर गहरे घाव हो गए हैं। तीसरे घायल अंकित (25) पुत्र धनीराम को सिर पर गंभीर चोट आई है। तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चर्दा में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के आला अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई डीएफओ डॉ. राम सिंह यादव ने बताया कि ऑपरेशन को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। वन क्षेत्राधिकारी रुपईडीहा रेंज अतुल श्रीवास्तव लगातार ऑपरेशन की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, अकेले खेत या जंगल की ओर न जाएं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 15.01.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	01352025 दिनांक 23.12.2025
2	निविदा संख्या	26-DEN-V-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम	DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र में ADEN-AYC के SSE-W-AYC सेक्शन में AY और AYC स्टेशन बिल्डिंग और सर्विस बिल्डिंग में मरम्मत का काम। (प्रकलन सं. 255–2025)
4	अनुमानित लागत	रु. 1,47,00,748.11
5	धरोहर राशि	रु. 2,23,500.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	01.01.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	15.01.2026 को 15:00 बजे
9	वेबसाइट	**www.ireps.gov.in**

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। **3984/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस सं.-LJN-PRKG-26-25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है:-

क्र.स	लॉट सं	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-KLD-MX-118-25-1 (Parking-Mixed)	**खलीलाबाद** रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया (मेन गेट साईड) स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 व र्ष हेतु।
2	PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed)	**गोरखपुर** के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
3	PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-2 (Parking-Mixed)	**गोरखपुर** स्थित रेल म्युज़ियम–कम–हैरिटेज प्लाजा में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
4	PARKING-LJN-GKP-PR-147-25-1 (Parking-Premium)	**महायोगी गोरखनाथ एयरपोर्ट, गोरखपुर** के समीप इलेक्ट्रिक लोको शेड में स्थित प्रीमियम पार्किंग (दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
5	PARKING-LJN-GKP-PR-152-25-1 (Parking-Premium)	**गोरखपुर** के प्लेटफार्म सं० 01 के कैब–वे में स्थित प्रीमियम पार्किंग का ठेका 03 वर्ष हेतु।

♦ निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। IREPS पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ♦ सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि०-01-01-2026, 10:00 बजे प्रारंभ होकर 01-01-2026 को 11:10 बजे बंद होगी। ♦ इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ♦ अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी।♦ विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट *www.ireps.gov.in (E-Auction module)* पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–210 **सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 5304 /98काम–गो0वृ0/25–26 दिनांक 19.12.2025

ई–निविदा सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	बालपुर परसपुर पसका मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य (5 वार्शिय अनुरक्षण सहित)	5900.00	59.00	11800	12 माह	ए

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 26.12.2025 से 16.01.2026 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 16.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 16.01.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 16.01.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

UP-242978 दिनांक 23.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी पता–निकट विकास भवन बाराबंकी।

पत्रांक :– 1287/ग्रा0अ0वि0/ऑफलाइन/2025–26 दिनांक–12.12.2025

1– महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–बाराबंकी द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से श्रेणी ए0, बी0, सी0 एवं डी0 जिसके लिये अधिकृत है, जो प्रतिशत दरों पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाताओं द्वारा एक या समस्त कार्यो की निविदायें ली जा सकती है –

ऑफलाइन निविदा

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी0एस0टी0 छोड़कर (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज जी0एस0टी0 सहित (रूपया)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6
1	विकास खण्ड हरख के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
2	विकास खण्ड हरख के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पनिहल में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
3	विकास खण्ड मसौली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत धरौली में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
4	विकास खण्ड मसौली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सादामऊ में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
5	विकास खण्ड मसौली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत वाजिदपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
6	विकास खण्ड देवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गढ़ीछतेहना में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
7	विकास खण्ड देवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अजगना में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
8	विकास खण्ड देवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कसेरूवा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
9	विकास खण्ड बंकी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुम्हरौरा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
10	विकास खण्ड बंकी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मनेरा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
11	विकास खण्ड बंकी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भनौली में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
12	विकास खण्ड फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रालभारी में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
13	विकास खण्ड फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगहा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
14	विकास खण्ड फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत घघसी में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
15	विकास खण्ड निन्दूरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बिसई में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
16	विकास खण्ड निन्दूरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भण्डार (देवरा) में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
17	विकास खण्ड निन्दूरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ताहिरपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
18	विकास खण्ड निन्दूरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कतुरीखुर्द में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
19	विकास खण्ड सूरतगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पारा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
20	विकास खण्ड सूरतगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रंजीतपुर (छेदा) में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
21	विकास खण्ड सूरतगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गोंडा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
22	विकास खण्ड रामनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत घोखरिया में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
23	विकास खण्ड रामनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अछेछा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
24	विकास खण्ड रामनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मड़ना में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
25	विकास खण्ड रामनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमोलीकला में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
26	विकास खण्ड सिरौलीगौसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मदारपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
27	विकास खण्ड सिरौलीगौसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत दरिगापुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
28	विकास खण्ड सिरौलीगौसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खजुरिहा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
29	विकास खण्ड सिरौलीगौसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत श्यामनगर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
30	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत दुलहदेपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
31	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सैफपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
32	विकास खण्ड बनीकोडर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भवनियापुर खेवली में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
33	विकास खण्ड बनीकोडर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिल्हौर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
34	विकास खण्ड बनीकोडर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत महुलारा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
35	विकास खण्ड बनीकोडर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जमोली में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
36	विकास खण्ड बनीकोडर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सरवन टिकठा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
37	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत तारापुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
38	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत इमिलिहा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
39	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नोहरेपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
40	विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अलियाबाद में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
41	विकास खण्ड पूरेडलई के अन्तर्गत ग्राम पंचायत आल्हनमऊ में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
42	विकास खण्ड पूरेडलई के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सुखीपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
43	विकास खण्ड पूरेडलई के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बसन्तपुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
44	विकास खण्ड त्रिवेदीगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरदही में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
45	विकास खण्ड सिद्धौर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भिटौरालखन में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
46	विकास खण्ड सिद्धौर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भेड़िया में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
47	विकास खण्ड सिद्धौर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गंगवाई पठान में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
48	विकास खण्ड हैदरगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रनापुर में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
49	विकास खण्ड हैदरगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बेहटा में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह
50	विकास खण्ड हैदरगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जमीन हुसैनाबाद में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य।	7.07	0.14	766	03 माह

1. सम्बन्धित निविदा सूचना में अंकित कार्यो में बिड डाक्यूमेंट को तिथि 05.01.2026 से 12.01.2026 तक।
2. सम्बन्धित कार्यो की निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि व समय स्थान 13.01.2026 को दोपहर 12:00 तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी, अधीक्षण अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल अयोध्या एवं जिलाधिकारी बाराबंकी कार्यालय में प्राप्त की जायेगी।
3. निविदा खोलने की अन्तिम तिथि 13.01.2026 को समय 12:30 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी में गठित समिति के सदस्यों/उपस्थित ठेकेदारो के समक्ष खोली जायेगी।
4. निविदाओं से सम्बन्धित जानकारी कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी से की जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–बाराबंकी।

UP-242986 दिनांक 23.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सैकड़ों लोगों में वितरित किए कम्बल

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। जिले में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऐसे में सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी ने विभिन्न गाँवों में पहुँच कर करीब 500 लोगों को कंबल प्रदान किया। सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा निजी व्यवस्था से लगातार जरूरतमन्दो में कम्बल वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को करमहवा, बैरवा, सेमरहवा, सीर मजहरी, नेबुअहवा, बरगदी आदि गाँवों में कुल 480 जरूरतमंदों को भी कंबल प्रदान किया। भीषण ठंड में कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान दिखाई पड़ी।

निबंध प्रतियोगिता में प्रियांशी रहीं अव्वल

कुशीनगर, अमृत विचार : श्री गांधी स्मारक इण्टर कॉलेज हाटा की ग्यारहवीं की छात्रा प्रियांशी बर्नवाल पुत्री धर्मेन्द्र बरनवाल ने "भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एवं सुशासन' विषय पर जिला स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता में कुशीनगर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को अपनी प्रतिभा से गौरवान्वित किया। विद्यालय के प्रबंधक अविनाश मिश्र, प्रधानाचार्य नागेश्वर पति त्रिपाठी, सांस्कृतिक विभाग प्रभारी अजय वर्मा, धर्मेन्द्र त्रिपाठी एवं समस्त शिक्षक गण ने प्रियांशी के उज्ज्वल भविष्य की कामना व्यक्त किया।

शोक सभा का किया गया आयोजन

गोरखपुर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राजकीय सिविल पेंशनर परिषद इकाई के द्वारा बुधवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राजकीय सिविल पेंशनर परिषद के उपाध्यक्ष वरुण बैरागी का आकस्मिक निधन 23 दिसंबर को हो गया था। वरुण बैरागी एक सरल तथा अत्यंत मृदुल स्वभाव के व्यक्ति थे, पशुपालन विभाग से सेवानिवृत होकर गौ सेवा तथा पशु पक्षियों की देखरेख एवं सेवानिवृत्ति संगठन में एक विशेष सहयोग के रूप में लगे हुए थे। संगठन के अध्यक्ष हरि नारायण पांडे तथा महामंत्री विद्यापति पाठक भारद्वाज ने बैरागी के मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

अटल जी का नेतृत्व केवल राजनीतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था

संवाददाता, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर

- भाजपाइयों ने स्वच्छता अभियान चलाकर अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर अर्पित किया पुष्पांजलि

अमृत विचार। भाजपा शोहरतगढ़ मण्डल के पदाधिकारियों के द्वारा "भारत रत्न" पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी के "जन्म शताब्दी समारोह" के निमित्त बुद्धवार को पल्टादेवी मंदिर के प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाकर, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कि गई। इस कार्यक्रम के संयोजक मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा रहें। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण पाल चौधरी ने कहा कि अटल जी का नेतृत्व केवल राजनीतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सामाजिक समरसता का जो सन्देश दिया, वह हमें आज

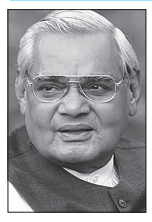

भी प्रेरित करता है। वे एक कुशल वक्ता और महान कवि थे, जिन्होंने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से भावनाओं एवं विचारों को साझा किया। उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता और साहसिक निर्णयों ने देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया। इसी क्रम में मण्डल मंत्री रामकुमार त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अटल जी के जीवन से प्रेरणा हमें हमेशा आगे बढ़ने में सहायता करती है। उन्होंने भारतीय राजनीति में एक नई सोच और दिशा प्रदान की, जो सदैव हमारे मार्गदर्शन का स्रोत रहेगी। इस दौरान मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद मिश्रा, चन्दन गोस्वामी, राजेन्द्र रुंगटा, रामविनोद यादव, अभिषेक चौधरी, रामकुमार त्रिपाठी, सुधाकर गिरी, संजय दूबे, संजय मिश्रा, महातम चौधरी, रामलखन उपाध्याय, शशि कपूर, अवधेश यादव, शैलैश चौधरी, अंकुश विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहें।

भाजपा कार्यालय पर कवि सम्मेलन एवं गोष्ठी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर 25 दिसंबर को अटल जी के जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यालय पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार की गई। जिला मीडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय ने बताया कि 25 दिसंबर को अटल जयंती पर सुबह 11 बजे से पार्टी कार्यालय पर कवि सम्मेलन का आयोजन होगा एंव अटल जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शिनी लगेगी उसके उपरांत पार्टी द्वारा संगोष्ठी भी किया जाएगा। जिसमें पार्टी के सभी सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारीगण एंव पार्टी के नेतागण सम्मिलित होंगे।

गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर की साफ-सफाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह" के निमित्त भाजपा द्वारा कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उसी क्रम में बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित सिद्धार्थ चौक पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया। जिसमें जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, घनश्याम मिश्र, जिला मंत्री फतेबहादुर सिंह, नगर अध्यक्ष महेश वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

चिरकाल तक प्रेरणा देते रहेंगे अटल के विचार

कुशीनगर, अमृत विचार : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई राजनीति के शिखर पुरुष थे उनके विचार चिरकाल तक समाज को प्रेरणा देते रहेंगे।उक्त बातें कसया के पूर्व विधायक रजनीकांत मणि संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन एवं बुद्ध स्मारक समिति के तत्वावधान में श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित अटल बिहारी वाजपेई के शताब्दी जयंती के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। कहा कि अटल जी संवेदनशील कवि पत्रकार लेखक एवं चिंतक होने के साथ ही लोकप्रिय राजनेता रहे। विशिष्ट अतिथि उदित नारायण पीजी कॉलेज के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रामनरेश दूबे ने कहा कि बाजपेई का जीवन पूरी तरह से देश सेवा में समर्पित रहा उन्होंने जो संसदीय मर्यादा और धैर्य का उदाहरण प्रस्तुत किया वह सदैव अनुकरणीय है। इस अवसर पर डॉ पीसी सिंह, डॉ मोहन पाण्डेय भ्रमर, कवि पत्रकार आर के भट्ट व अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ राजेश कुमार चतुर्वेदी ने बाजपेई के विचारो पर प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ रामानुज द्विवेदी डॉ संदीप कुमार पाण्डेय, डॉ बशिष्ठ द्विवेदी, श्यामनारायन पाण्डेय, ब्रह्मानंद द्विवेदी अवधेश सिंह, राधेश्याम पाण्डेय दिनेश भारद्वाज, सतीश चन्द्र शुक्ल, संजय दूबे, मिथिलेश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

जिला जज ने किया कारागार का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के जिला जज, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रुप से जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान भोजनालय, बैरकों तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया गया। जिला कारागार में निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी। जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए। साथ ही जिला कारागार में आने वाले प्रत्येक नये कैदियों का जेल चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। एसपी ने जिला कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहे व निरूद्ध बन्दियों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखे एवं आवश्यकतानुसार समय-समय पर कारागार में निरूद्ध बन्दियों की गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी देते रहें।

कुकर्म के बाद ईंट से सिर कुचलकर बच्चे की हत्या

24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार, घटना से क्षेत्र में आक्रोश

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। थाना गैण्डास बुजुर्ग क्षेत्र में 6 वर्षीय मासूम बालक के साथ कुकर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या किए जाने की दिल दहला देने वाली घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना क्षेत्र में आक्रोश और शोक का कारण बनी हुई है।

घटना के संबंध में दिनांक 23 दिसंबर 2025 को वादी मो. इस्लाम पुत्र इमामुद्दीन, निवासी इटईरामपुर खास, थाना गैण्डास बुजुर्ग, बलरामपुर द्वारा स्थानीय थाना पर तहरीर दी गई। तहरीर के अनुसार आरोपी अमन पुत्र जमील उम्र, 18 वर्ष, निवासी ग्राम भड़रिया, थाना भवानीगंज, जनपद सिद्धार्थनगर (वर्तमान निवास इटईरामपुर खास) ने उनके 6 वर्षीय पोते को बहला-फुसलाकर गांव के खंडहर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर उसके साथ कुकर्म किया। जब बालक ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके सिर पर ईंट से प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल बालक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

घटना की सूचना पर थाना गैण्डास बुजुर्ग पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हत्या तथा पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन को इटईरामपुर बरईडीह पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसने बालक को गलत नीयत से खंडहर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर कुकर्म किया और विरोध करने पर ईंट से वार कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी ने यह भी स्वीकार किया है कि उसने पूर्व में भी इस प्रकार की कई घटनाएं की हैं, जिनकी पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

9वीं के छात्र की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या, अमृत विचार: कोतवाली अयोध्या अंतर्गत तिहुरा माझा में कक्षा 9 के छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी उसके पास से तमंचा बरामद नहीं हो सका है। मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। बता दें कि मंगलवार शाम कक्षा-9 के छात्र आलोक वर्मा उर्फ सनी (16) पुत्र राम नरेश वर्मा की गोली लगने से मौत हो गई थी। गांव के युवक अनीश यादव पर गोली मारने का आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर उसे देर रात गिरफ्तार कर लिया। सूत्र बताते हैं कि आलोक गांव के कुछ किशोरों व युवकों के साथ खेल रहा था। वहां मौजूद अनीश ने पैंट में 315 बोर का लोडेड तमंचा खोस रखा था। यह देख अन्य कौतहुल बस उसे देखने लगे, उसे उलटने पलटने के दौरान अचानक गोली चल गई जो आलोक के पेट में जा लगी।

मंगेतर की हत्या में तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर, अमृत विचार। थाना रेहरा बाजार क्षेत्र में मंगेतर की साजिशन हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। प्रेम-प्रसंग में बाधा बनने पर युवती को मौत के घाट उतार दिया गया और घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।

घटना के संबंध में दिनांक 23 दिसंबर 2025 को वादी शहजाद उर्फ मो. शफीक पुत्र फकीर मोहम्मद, निवासी ग्राम लालाडीह हुसैनाबाद प्रिंट, थाना रेहरा बाजार, जनपद बलरामपुर द्वारा थाना रेहरा बाजार में तहरीर दी गई। तहरीर के अनुसार वादी की भतीजी की सगाई अभियुक्त इमरान पुत्र अकबर अली, निवासी खुरदवा, थाना छपिया, जनपद गोंडा के साथ तय हुई थी। इसी बीच मृतका के गांव की ही रहने वाली शकीना पुत्री लाल मोहम्मद और इमरान के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से बातचीत शुरू हुई, जो बाद में प्रेम-प्रसंग में बदल गई। जब इस संबंध की जानकारी मृतका को हुई तो उसने इसका विरोध किया, जो शकीना और इमरान को नागवार गुजरा। पुलिस के अनुसार दिनांक 23 दिसंबर 2025 को शकीना ने साजिश के तहत मृतका को अपने घर बुलाया, जहां पहले से मौजूद इमरान के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शकीना की मां जैनब पत्नी लाल मोहम्मद ने पास-पड़ोस में शोर मचाया कि मृतका ने घर में मिट्टी का तेल छिड़ककर आत्महत्या कर ली है। मृतका को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में थाना रेहरा बाजार मे भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 24 दिसंबर 2025 को तीनों अभियुक्तों शकीना पुत्री लाल मोहम्मद, जैनब पत्नी लाल मोहम्मद, इमरान पुत्र अकबर अली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने हत्या की साजिश रचने और घटना को आत्महत्या दर्शाने का प्रयास करने की बात स्वीकार की है। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है तथा गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

स्कूल जाते समय रास्ते से लापता हुई छात्रा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र चिल्हियां के ग्राम पंचायत बूढ़ापार निवासिनी छात्रा स्कूल जाते समय रास्ते से लापता हो गई। परिजनों ने लापता छात्रा की स्थानीय थाना चिल्हियां में जानकारी देते हुए सूचना दर्ज कराई। खबर के अनुसार बताया जाता है कि 20 वर्षीय छात्रा विजय लक्ष्मी पुत्री सन्तराम निवासिनी बूढ़ापार 23 दिसम्बर 2025 को थाना चिल्हियां क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुढ़ापार से छात्रा विजय लक्ष्मी के लापता होने की जानकारी हुई है। विजय लक्ष्मी के परिजनों के मुताबिक प्रतिदिन की भांति अपने गांव से सावित्री पब्लिक स्कूल गौहानियां चौराहा (थाना चिल्हियां) पढ़ने के लिए निकली थी, लेकिन वह न तो स्कूल पहुंची और न ही शाम तक घर वापस लौटी थी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न का विरोध

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

बांग्लादेश सरकार का सांकेतिक पुतला जलाते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। बांग्लादेश में हिंदू समाज पर लगातार हो रहे अत्याचार, हिंसा और उत्पीड़न के विरोध में बुधवार को में हिंदू संगठनों का आक्रोश फूट पड़ा। बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी एवं विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जिला मुख्यालय पर बुधवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिहादी आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। आक्रोश प्रदर्शन की शुरुआत जिला मुख्यालय स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर से हुई। हाथों में भगवा ध्वज लिए कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सिद्धार्थ तिराहे तक पहुंचे, जहां जिहादी आतंकवाद का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन के दौरान "हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो", "बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा करो" जैसे नारे गूंजते रहे। इस मौके पर बजरंग दल के जिला संयोजक सुरेश गुप्ता ने कहा "बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार और हिंसा न केवल मानवता के खिलाफ हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत पर भी हमला हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए और वहां रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। हम इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। कार्यक्रम विभाग संयोजक अजय कुमार, विहिप जिलाध्यक्ष ब्रजेश पाण्डेय, जिला मंत्री शिवाजी, उपाध्यक्ष सुनील त्रिपाठी, जिला सहमंत्री जय प्रकाश, महिला उपाध्यक्ष शर्मिला अग्रहरि, सुरक्षा प्रमुख अजय सिंह, गौरक्षा प्रमुख राकेश मिश्र, धर्म प्रसार प्रमुख आशीष सिंह, प्रसार प्रमुख संदीप मद्धेशिया, विभाग संयोजक अजय प्रताप, दुर्गा वाहिनी संयोजिका मनसा, कनक श्रीवास्तवा, मालती, संगीता, साप्ताहिक मिलन प्रमुख शारदा पाण्डेय, सह संयोजक अरुण सहित आदि लोग शामिल हुए।

एनकाउंटर पर सवाल : कोतवाल और पुलिसकर्मियों पर एफआईआर का आदेश

कार्यालय संवाददाता ,संभल/चंदौसी

अमृत विचार: लूट की वारदात के समय आरोपी बदायूं की जेल में बंद था। फिर भी पुलिस ने जेल से छूटने के बाद उस पर दूध कारोबारी से लूट का आरोप लगाकर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फर्जी मुठभेड़, षड्यंत्र और झूठे मुकदमे में फंसाने में बहजोई के तत्कालीन कोतवाल पंकज लवानिया सहित मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिये हैं।

पीड़ित ओमवीर ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 2022 में हुई लूट में उसे झूठा फंसा दिया गया, जबकि वह घटना के समय बदायूं जेल में निरुद्ध था। उसने इस संबंध में पुलिस के उच्चाधिकारियों से भी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय ने पत्रावली, शपथ पत्र, जमानत आदेश, रिमांड सीट, एफआईआर की प्रतियां तथा थाना बहजोई से प्राप्त आख्या का अवलोकन किया। रिकॉर्ड से यह तथ्य सामने आया कि जिस दिन लूट की घटना दर्शाई गई, उस दिन वह अन्य मुकदमे में जेल में बंद था। अदालत ने इसे गंभीर मानते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा षड्यंत्र, अवैध विवेचना, दस्तावेजों की कूटरचना और पद के दुरुपयोग जैसे संज्ञेय अपराध किए जाने के संकेत मिलते हैं। हालांकि न्यायालय ने तत्कालीन सीओ गोपाल सिंह के विरुद्ध प्रथम दृष्टया कोई अवैध या अविधिक कार्रवाई सिद्ध न होने पर उन्हें आदेश से पृथक रखा, लेकिन अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विवेचना को आवश्यक माना।

पॉलिटेक्निक के छात्रों को मिला दूसरा स्थान

गोरखपुर अमृत विचार। गीडा में आयोजित नव प्रवर्तन विज्ञान प्रदर्शनी में महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। पॉलिटेक्निक की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी सौरभ शर्मा, विवेक गुप्ता एवं अंशु पासवान ने इस विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत परियोजना "गुरुत्वाकर्षण द्वारा ऊर्जा उत्पादन विषय पर आधारित थी, जिसमें गुरुत्वाकर्षण बल की सहायता से स्थितिज ऊर्जा को यांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने की कार्यप्रणाली को दर्शाया गया। यह परियोजना नवीकरणीय एवं पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास रही।

माघ मेला में श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी ट्रेनें

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा मकर संक्राति एवं माघ मेला को ध्यान में रखते हुए मेला में आने वाले श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 05078/05077 गोंडा-अयोध्या धाम जं.-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन गोंडा से 13 से 22 जनवरी, 2026 तक प्रतिदिन (16 जनवरी, 2026 को छोड़कर) तथा अयोध्या धाम जं. से 14 से 23 जनवरी, 2026 तक प्रतिदिन (17 जनवरी, 2026 को छोड़कर) 09 फेरों के लिये किया जायेगा। यह गाड़ी डेमू रेक से चलाई जायेगी। इसके अलावा 05079/05080 मनकापुर-गोंडा-मनकापुर अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन मनकापुर एवं गोंडा से 13 से 22 जनवरी तक प्रतिदिन 10 फेरों के लिये किया जायेगा। यह गाड़ी मेमू रेक से चलाई जायेगी।

गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी मेला के लिए चलेगी ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। मकर संक्राति के अवसर पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले खिचड़ी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 05016/05015 नौतनवा-गोरखपुर-नौतनवा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन नौतनवा से 13 से 22 जनवरी तक तथा गोरखपुर से 14 से 23 जनवरी तक 10 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी का संचलन 08 कोच के डेमू रेक से किया जायेगा।

दिल्ली मेट्रो परियोजना में तीन नए कॉरिडोर को मिली मंजूरी

नई दिल्ली अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के फेज-V (ए) परियोजना के हिस्से के रूप में तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है: 1. आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), 2. एरोसिटी से आई.जी.डी. एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और 3. तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)। यह 16.076 किलोमीटर लंबी परियोजना राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगी। दिल्ली मेट्रो के फेज-V (ए) की कुल लागत 12014.91 करोड़ रुपये है, जिसे भारत सरकार, दिल्ली सरकार और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।

हमारे सुरक्षित भविष्य का आधार हैं पेड़-पौधे

लखनऊ, अमृत विचार। आनन्द नगर में भारत सरकार के युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित अन्तर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता अभिषेक यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम में महाराष्ट्र से 50 बच्चों का एक दल शामिल रहा। कार्यक्रम के दौरान अभिषेक यादव ने पौधरोपण किया। कहा कि वृक्ष न केवल हमारे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं।

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं व अतिथि।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल को अपनी जिम्मेदारी समझें। अभिषेक यादव ने स्वच्छता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हम सबकी आदत होनी चाहिए। स्वच्छ वातावरण से न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। उन्होंने युवाओं से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। अन्तर राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत किया जा रहा है।

आयोजन

73वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कबड्डी चैम्पियनशिप

उद्घाटन मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने हासिल की एकतरफा जीत

संवाददाता, गोरखपुर

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन करते करते मुख्य अतिथि।

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ नरसा के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 का उद्घाटन बुधवार को मुख्य अतिथि मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष, नरसा अभय कुमार गुप्ता ने किया।

प्रतियोगिता के आरम्भ में मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे एवं पटियाला रेल इंजन कारखाना पी.एल.डब्ल्यू. के मध्य खेले गए मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए पी.एल.डब्ल्यू. को 23-09 से पराजित किया, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित, आकाश, आशीष एवं सुरेन्द्र ने उच्च कोटि के खेल का प्रदर्शन किया। इस चैम्पियनशिप में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक कबड्डी खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों की टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसमें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित उत्तर रेलवे के श्री संजीव कुमार, पूर्व रेलवे के विश्वजीत पालित एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे की तेजस्वनी बाई सम्मिलित हैं। साथ ही चीन में हुये एशियन खेलों में पूर्वोत्तर रेलवे के सुनील एवं प्रवेश, उत्तर रेलवे के नितिन रावल तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के नितेश प्रतिभाग कर चुके हैं।

मुख्य अतिथि मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष, नरसा अभय कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि 73वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कबड्डी चैम्पियनशिप 2025-26 का आयोजन पूर्वोत्तर रेलवे के लिये गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि चैम्पियनशिप के लिये टीम नरसा ने अथक परिश्रम कर तैयारियां पूरी की हैं, जिससे इस चैम्पियनशिप को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जा सके। श्री गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी खेल भावना का प्रदर्शन करते हुये अपने जौहर का प्रदर्शन करेंगे।

रानी की प्रतिमा का अनावरण

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी के सरयू तट स्थित रानी हो मेमोरियल पार्क में राजकुमारी सूरी रत्ना 'रानी हो' की कांस्य प्रतिमा का बुधवार को महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने अनावरण किया। पुष्प अर्पित किये। इस मौके पर दक्षिण कोरिया का डेलिगेशन शामिल नहीं हो सका। वहीं पार्क में ही तीन दिवसीय मेले के आयोजन की भी शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। जिसने उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि आज का दिन भारत और कोरिया गणराज्य के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नया और विशेष आयाम जोड़ने वाला है। अयोध्या की वह राजकुमारी, जो लगभग 2000 वर्ष पूर्व समुद्री मार्ग से कोरिया गई थीं, वहां के कांस्य वंश की जननी मानी जाती हैं।

रानी हो की प्रतिमा का अनावरण करते महापौर गिरीश पति त्रिपाठी।

न्यूज ब्रीफ

तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना में नौ की मौत

कुड्डालोर। तमिलनाडु के कुड्डालोर में बुधवार को एक सरकारी बस की दो वाहनों से भिड़ंत की घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें पांच पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि तिरुचिराप्पल्ली से चेन्नई जा रही बस टायर फटने के कारण डिवाइडर तोड़ते हुए विपरीत लेन में चली गई और सामने से आ रहे वाहनों से उसकी टक्कर हो गई। हादसे में दो बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए और उनका एक सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

1.5 करोड़ की हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी उत्तरी दिल्ली में मादक पदार्थों के दो कथित तस्करों को गिरफ्तार कर 304 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों की पहचान दिल्ली के न्यू सीमापुरी के रहने वाले तसलीम (23) और सलमान अंसारी (29) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि 21 दिसंबर को मिली एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

एयर इंडिया रोम के लिए शुरू करेगी उड़ानें

मुंबई। टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने रोम (इटली) के लिए उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने की घोषणा है। इंडिगो के भी दिल्ली से लंदन, हीथ्रो के लिए अपनी सेवाएं शुरू करने की योजना की घोषणा के साथ, हवाई यात्रियों को अगले वर्ष भारत और यूरोप के बीच बेहतर संपर्क मिलने की उम्मीद है। एयर इंडिया 2020 की शुरुआत तक दिल्ली से इटली की राजधानी के लिए उड़ानें संचालित करती थी। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण इन्हें निलंबित करना पड़ा था। इंडिगो पहले से ही मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच रोजाना सीधी उड़ानें संचालित करती है और अब लंदन के लिए सप्ताह में 12 उड़ानों का परिचालन करेगी। एयर इंडिया ने कहा कि 25 मार्च 2026 से कंपनी दिल्ली-रोम के बीच सप्ताह में चार बार उड़ानें संचालित करेगी।

टेक सपोर्ट धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अवैध कॉल सेंटर के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाले चंद्र प्रकाश गुप्ता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। राजधानी क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से यह घोटाला बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा था। अधिकारियों ने बताया कि टेक सपोर्ट धोखाधड़ी में मुख्य आरोपी चंद्र प्रकाश गुप्ता जुलाई 2024 से सीबीआई की छापेमारी के बाद फरार चल रहा था, जिसके बाद उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। वह तकनीकी सेवा प्रदाताओं का प्रतिरूपण करके धोखाधड़ी करता था।

संसद परिसर में स्मार्ट गैजेट उपयोग न करें

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने सांसदों से संसद परिसर में स्मार्ट चश्मे, स्मार्ट पेन और स्मार्ट घड़ियों जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग नहीं करने का बुधवार को आग्रह किया क्योंकि इससे उनकी गोपनीयता से समझौता हो सकता है और संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन भी हो सकता है। लोकसभा के एक बुलेटिन ने संसद सदस्यों को गोपनीयता के बारे में आगाह किया।

बढ़ते विरोध के बीच केंद्र ने अरावली में खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगाई

अरावली के लिए तैयार होगी खनन प्रबंधन योजना, संरक्षित क्षेत्र का होगा विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने अरावली में खनन को लेकर जारी विवाद के बीच खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगा दी है। सरकार ने निर्णय लिया है कि जब तक पूरे अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं की जाती है, तब तक किसी नई खदान का पट्टा नहीं दिया जाएगा।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को यहां कहा कि दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली श्रृंखला को अवैध खनन से बचाने के लिए उसने बड़ा कदम उठाया है और फैसला लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा। इस बारे में सभी जरूरी निर्देश सबंधित राज्यों को भी जारी कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि पूरे अरावली क्षेत्र की रक्षा के मकसद से उसने निर्णय लिया है कि अरावली में कोई भी नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा और संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि यह खनन निषेध पूरे अरावली क्षेत्र में समान रूप से लागू होगा। दिशा निर्देशों का उद्देश्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक फैली अरावली श्रृंखला को संरक्षित कर सुरक्षा प्रदान करना है और इस क्षेत्र में होने वाली अनियमित खनन गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना है।

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि केंद्र की यह कवायद स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण अरावली में खनन को निषिद्ध करने के लिए है। केंद्र ने यह भी कहा है कि पहले से ही चल रही खदानों के लिए संबंधित राज्य सरकारें पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगी और उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप काम करेंगी। एक अधिकारी ने कहा, सरकार अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, क्योंकि वह मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, जलभंडारों के पुनर्भरण और क्षेत्र के लिए पर्यावरणीय सेवाएं प्रदान करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है।

वैज्ञानिक प्रबंधन की योजना बनाएगा आईसीएफआरई

केंद्र सरकार अरावली को खनन से बचाने के लिए मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) को संपूर्ण अरावली में पारिस्थितिकी तथा भूवैज्ञानिक स्तर पर अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश देते हुए कहा है कि इस क्षेत्र में खनन निषिद्ध होना चाहिए। आईसीएफआरई ने पूरे अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए व्यापक, वैज्ञानिक प्रबंधन योजना तैयार करने को भी कहा है और जब योजना तैयार हो जाएगी तो इसे सार्वजनिक कर इस लोगों के सुझाव मांगे जाएंगे और जो सुझाव आएंगे उनमें संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन कर उसके आधार पर पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाएगी।

कांग्रेस ने कहा- केंद्र अरावली के मुद्दे पर कर रहा है गुमराह

कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर बुधवार को मोदी सरकार फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह इस पर्वतमाला की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब यह बिल्कुल साफ हो गया है कि अरावली मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री सच नहीं बता रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अरावली की परिभाषा में जो बदलाव सरकार कर रही है, उसका भारतीय वन सर्वेक्षण, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित केंद्रीय विशेषाधिकार समिति और सुप्रीम कोर्ट के न्याय मित्र ने स्पष्ट और जोरदार विरोध किया है।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में दंपती ने आग लगाई

देवास/इंदौर। मध्यप्रदेश के देवास जिले में बुधवार को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने के विरोध में एक दंपती ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। इस घटनाक्रम के बाद एक तहसीलदार और मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक यह घटनाक्रम जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर सतवास कस्बे में हुआ, जब प्रशासन का दल स्थानीय कारोबारी संतोष व्यास द्वारा किया गया कथित अतिक्रमण हटाने पहुंचा था। अधिकारियों ने बताया कि व्यास के खिलाफ प्रशासन को शिकायत मिली थी कि वह सार्वजनिक गटर पर कब्जा करके मकान का निर्माण करा रहे हैं जिससे पड़ोसियों के घरों में गंदा पानी भर रहा है। चश्मदीदों के मुताबिक अतिक्रमण हटाने के दौरान एक तहसीलदार से बहस के बाद व्यास और उनकी पत्नी जयश्री ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।उन्होंने बताया कि मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाकर दंपती को एक नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां से उन्हें गंभीर हालत में इंदौर के एक चिकित्सालय भेज दिया गया। इस बीच, आक्रोशित लोगों ने सतवास पुलिस थाने के पास प्रदर्शन किया।

ओडिशा के भद्रक में बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या

भुवनेश्वर/भद्रक

- आरोपी गिरफ्तार, गुस्साई भीड़ ने आरोपी का मकान ध्वस्त किया

ओडिशा के भद्रक जिले में 10 वर्षीय बच्ची से कथित रूप से बलात्कार कर उसकी हत्या किए जाने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। भद्रक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनोज कुमार राउत ने बताया कि इस मामले में जगतसिंहपुर जिले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पीड़िता के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की और अधिकारियों को कानून के अनुसार मामले की उचित जांच सुनिश्चित करने तथा आरोपियों को कठोरतम सजा दिलाने का निर्देश दिया।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इसने सभ्य समाज को अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। घटना के विरोध में विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने बुधवार सुबह छह बजे से अलग-अलग रूप से छह घंटे के लिए चांदबाली ब्लॉक बंद का आह्वान किया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घटना का खुलासा उस वक्त हुआ, जब मंगलवार शाम को चांदबाली थाना क्षेत्र के बालिगांव में झाड़ियों के पास कुछ लोगों को नाबालिग का खून से लथपथ शव मिला।

पीड़िता मंगलवार सुबह स्कूल गई थी, लेकिन दोपहर में घर नहीं लौटी। इसके बाद उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गुमशुदगी का मामला दर्ज होने के कुछ घंटों बाद ही स्थानीय लोगों को उसका शव मिला। चांदबाली से बीजद विधायक व्योमकेश राय ने घटना की निंदा की। गुस्साए स्थानीय लोगों ने चांदबाली क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन किया, जबकि बीजद कार्यकर्ताओं ने भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर नारेबाजी की। विपक्षी दल ने भाजपा सरकार पर राज्य में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर लगाम लगाने में विफल रहने का आरोप लगाया। घटना की खबर फैलते ही मंगलवार रात स्थानीय निवासी सड़कों पर उतर आए। बुधवार सुबह विरोध-प्रदर्शन और तेज हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने चांदबाली में तीन स्थानों पर सड़कें जाम कर दीं। उन्होंने स्थानीय पुलिस थाने का भी घेराव किया।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान होने के बाद गुस्साए लोग रामपाली गांव में उसके घर पहुंचे और उसे ध्वस्त कर दिया।

असम के वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में सेना ने किया फ्लैग मार्च

दीफू (असम), एजेंसी

- हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए बुलानी पड़ी सेना

असम के डीजीपी हरमीत सिंह ने बुधवार को कहा कि सेना ने हिंसा प्रभावित वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में फ्लैग मार्च किया। रक्षा विभाग के जन संपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि अशांत क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में मदद के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने भारतीय सेना को बुलाने की मांग की।

वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले के खेरोनी में पिछले दो दिनों के दौरान कार्बी समुदाय और बिहार वासियों के बीच हुई हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक पुलिस कर्मियों सहित कम से कम 70 लोग घायल हो गए। खेरोनी इलाके में सिंह ने कहा कि हिंसा में 60 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हिंसा से सबसे ज्यादा खेरोनी इलाका प्रभावित हुआ है। डीजीपी ने कहा कि सेना की टुकड़ियां यहां पहुंच गई हैं और उन्होंने इन इलाकों में मार्च किया है। हालात अब पूरी तरह नियंत्रण में हैं। मैंने भी सभी क्षेत्रों का जायजा लिया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस पिछले दो दिन में हुई हिंसा की जांच कर रही है। सिंह सोमवार रात से ही घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। रक्षा विभाग के पीआरओ रावत ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने भारतीय सेना को बुलाने की मांग की। इसलिए वेस्ट कार्बी आंगलोंग के अशांत क्षेत्रों में सेना की एक टुकड़ी तैनात की गई है। बताया कि सेना की एक टुकड़ी में आमतौर पर 60-80 जवान होते हैं। डीजीपी सिंह ने कहा कि पुलिस हिंसा और आगजनी में शामिल दोषियों को पकड़ेगी, लेकिन पहली प्राथमिकता हालात को स्थिर करना है। उन्होंने कहा कि अब तक 60 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

आप ने गोवा इकाई के अध्यक्ष को पद से हटाया

पणजी। जिला पंचायत चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के खराब प्रदर्शन के दो दिन बाद पार्टी ने अपनी गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर को पद से हटा दिया है। 'आप' की गोवा प्रभारी आतिशी ने कहा कि पार्टी की निर्णय लेने वाली प्रमुख इकाई राजनीतिक मामलों की समिति ने पालेकर को तत्काल प्रभाव से राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से मुक्त करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि गोवा राज्य महासचिव (संगठन) श्रीकृष्ण परब 'आप' की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। पालेकर को पद से हटाने का कोई कारण नहीं बताया गया।

जन्में यीशु, खुशियां छाईं...

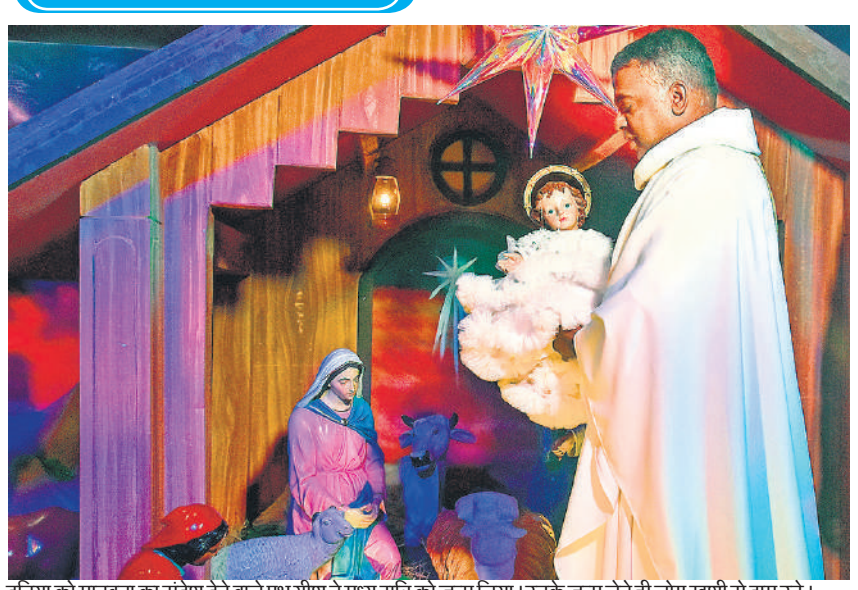

दुनिया को मानवता का संदेश देने वाले प्रभु यीशु ने मध्य रात्रि को जन्म लिया। उनके जन्म लेते ही लोग खुशी से झूम उठे। गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना की गई, केक काटे गए। बेंगलुरु की एक चर्च में शिशु यीशु के प्रतीक को लिए एक पादरी।

हम एक मृत समाज बनते जा रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दुष्कर्म केस में सेंगर को जमानत मिलने पर बोले नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निलंबित किए जाने के बाद बुधवार को कहा कि सेंगर को जमानत मिलना निराशाजनक एवं शर्मनाक है। उन्होंने यह दावा भी किया कि हम सिर्फ़ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे, भाजपा से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा मंगलवार को निलंबित कर दी। अदालत ने कहा कि वह पहले ही सात साल, पांच महीने जेल में बिता चुका है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बलात्कार पीड़िता को विरोध

प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा हटाए जाने के दावे वाले एक एक्स पोस्ट को रिपोस्ट किया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि क्या एक गैंगरेप पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या उसकी गलती यह है कि वह न्याय के लिए अपनी आवाज़ उठाने की हिम्मत कर रही है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को ज़मानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब, जब पीड़िता को बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा हो।

दिल्ली में तीन नए मेट्रो कॉरिडोर को केंद्र ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए बुधवार को तीन नए मेट्रो कॉरिडोर को मंजूरी दी, जिसमें आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक 9.91 किलोमीटर का एक खंड भी शामिल है, जो लुटियंस दिल्ली में सभी कर्तव्य भवनों, इंडिया गेट, भारत मंडपम, राष्ट्रीय समर स्मारक और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को जोड़ेगा। सरकार के अनुसार नया सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर सभी कर्तव्य भवनों को संपर्क प्रदान करेगा, जिससे इस क्षेत्र में आने-जाने वाले कार्यालय कर्मियों और आगंतुकों को सीधे उनके कार्यालय तक पहुंच की सुविधा मिलेगी। इस कॉरिडोर के निर्माण से प्रतिदिन लगभग 60,000 कार्यालय जाने वाले और दो लाख आगंतुक लाभान्वित होंगे। ये कॉरिडोर प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन के उपयोग को और कम करेंगे।

20 साल बाद राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता खत्म कर उद्धव-राज की पार्टी के बीच गठबंधन

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव व मनसे के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 20 वर्षों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता खत्म करते हुए 15 जनवरी को बीएमसी के चुनाव से पहले बुधवार को अपनी पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की। चचेरे भाइयों ने वर्ली के एक होटल में 16 मिनट तक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। वर्ली उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे का विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है। इस पुनर्मिलन को दोनों ने महाराष्ट्र के प्रति कर्तव्य करार दिया और सत्तारूढ़ महायुति का सामना करने के लिए विशेष रूप से 'मराठी मानुष' (मूल निवासी) वोट बैंक को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। राज ठाकरे ने कहा, मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा। इसे दोनों गुटों की ओर से महानगरपालिका पर शासन के लिए संयुक्त प्रयास का संकेत माना जा रहा है। उधर, भाजपा ने कहा कि आगामी बीएमसी चुनावों में हार के डर से दो परिवारवादी दल एकजुट हो गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि हार के डर से उन्होंने गठबंधन कर लिया है। कहा कि इससे साफ पता चलता है कि आगामी बीएमसी चुनावों में अपनी जमानत जब्त होने से बचाने के लिए वे एकजुट हुए हैं।

- बीएमसी चुनाव से ठीक पहले की घोषणा, कहा- मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा

दिल्ली में ग्रैप-4 हटा, ग्रैप-3 की पाबंदियां अब भी लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- हवा की गुणवत्ता में सुधार के बाद सीएक्यूएम ने तत्काल प्रभाव से ग्रैप- 4 को किया रद्द

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण-4 को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया, हालांकि निचले स्तर के तहत सख्त प्रदूषण नियंत्रण उपाय जारी रहेंगे।

ग्रैप पर सीएक्यूएम की उप-समिति ने एक आधिकारिक आदेश में स्टेज-4 के प्रतिबंधों को वापस लेते हुए मंगलवार से दिल्ली के एक्यूआई में लगातार सुधार, अनुकूल फैलाव की स्थिति और आईआईटी दिल्ली एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-आईआईटीएम सहयोग के पूर्वानुमानों का हवाला दिया। आदेश में कहा गया है कि मंगलवार शाम से तेज हवाओं और अनुकूल मौसम की स्थिति ने हवा की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद की, जिससे बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई गिरकर 271 हो गया, जो मंगलवार के 412 से काफी कम है। इससे यह एक दिन पहले की 'गंभीर' श्रेणी से 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया। मौसम विभाग और आईआईटीएम द्वारा किए गए पूर्वानुमानों के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली का औसत एक्यूआई 'खराब' से 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने की संभावना है। सुधार के रुझान को देखते हुए सीएक्यूएम ने ग्रैप-4 उपायों को रद्द करने की घोषणा की है। ग्रैप-3 तक के उपाय जारी रहेंगे।

जारी रहेंगे ग्रैप- 3 के प्रतिबंध

स्टेज-3 प्रतिबंधों में गैर-जरूरी निर्माण पर प्रतिबंध, स्टोन क्रशर और ईंट भट्टों को बंद करना, और डीजल जनरेटर के उपयोग पर प्रतिबंध जैसे काम शामिल है। इसके तहत दिल्ली और पड़ोसी एनसीआर क्षेत्र में बीएस-4 मानदंडों से नीचे के डीजल और पेट्रोल वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि ग्रैप-4 के उपायों को हटाने के बावजूद, जिन जगहों को उल्लंघन के लिये क्लोजर नोटिस जारी किए जा चुके हैं, वहां निर्माण-कार्यों पर प्रतिबंध जारी रहेगा और उन्हें तब तक काम फिर से शुरू करने की इजाजत नहीं होगी, जब तक आयोग सूचित न करे।

संदेश भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों से बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

स्वदेशी को बढ़ावा देकर भारत को बनाएं आत्मनिर्भर

- स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने की आवश्यकता

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करके, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देकर भारत सरकार के महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन देने की भी तत्काल आवश्यकता है।

राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने

अधिकारियों से नए कौशल सीखने और कृत्रिम मेधा आधारित वित्तीय विश्लेषण जैसे टूल्स का उपयोग करने का आग्रह किया ताकि साक्ष्य आधारित निर्णय लिए जा सकें और निधियों का कुशल उपयोग सुनिश्चित हो।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा अधिकारियों के रूप में आप में से कई को अपने करियर की शुरुआत में ही बड़े और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर काम करना होगा। यह एक सम्मान भी है और बड़ी जिम्मेदारी भी। आपसे ईमानदारी के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही हर निर्णय का मार्गदर्शन करनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करके, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देकर भारत सरकार के महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन देने की भी तत्काल आवश्यकता है। भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी भी एक आत्मनिर्भर और मज़बूत रक्षा पारिस्थितिकी-तंत्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

विश्वास लोक सेवा की नींव, इसकी रक्षा करें

राष्ट्रपति ने कहा कि यह याद रखें कि विश्वास लोक सेवा की नींव है और इसकी रक्षा अटूट प्रतिबद्धता के साथ की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलता भू-राजनीतिक वातावरण और उभरती सुरक्षा चुनौतियां त्वरित, अधिक कुशल और सटीक निर्णय लेने की मांग करती हैं। इस संदर्भ में, रक्षा लेखा विभाग को निरंतर अनुकूलन, नवाचार और आधुनिकीकरण करना चाहिए।

एलवीएम3-एम6 रॉकेट से प्रक्षेपण कर गगनयान प्रोग्राम पर आत्मविश्वास बढ़ा

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- इसरो प्रमुख वी नारायणन ने कहा- यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ प्रक्षेपणों में से एक

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी नारायणन ने बुधवार को कहा कि एलवीएम3-एम6 रॉकेट के जरिये ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को लेकर आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, यह दुनिया में कहीं भी किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रक्षेपणों में से एक है और यह भारतीय प्रक्षेपण यानों द्वारा अब तक हासिल की गई सबसे बेहतरीन सटीकता भी है।

यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए है।मीडिया से बात करते हुए नारायणन ने कहा, हमारे लिए यह एक बहुत महत्वपूर्ण मिशन है। क्योंकि आप सभी जानते हैं कि यही वह प्रक्षेपण यान है जिसे मानव अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया गया है और भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इसलिए, एलवीएम3 के लगातार नौ सफल प्रक्षेपणों के बाद गगनयान कार्यक्रम को लेकर हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। यह एक अनिवार्य आवश्यकता भी है। एलवीएम3-ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि ब्लूबर्ड-ब्लॉक-2 उपग्रह को निर्धारित कक्षा में अत्यंत सटीकता के साथ स्थापित किया गया है।उन्होंने कहा कि भारत की धरती से ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा, यह भारतीय धरती से प्रक्षेपित किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है।

हिमाचल के पूर्व आईजी की आजीवन कारावास की सजा अदालत ने की निलंबित

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक जहूर हैदर जैदी की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया है। जैदी को 2017 में हिमाचल प्रदेश की एक लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के आरोपी की हिरासत में मौत के मामले में सजा सुनाई गई थी।

चंडीगढ़ में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने जैदी और सात अन्य पुलिसकर्मियों को सूरज की हिरासत में मौत के मामले में जनवरी में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सूरज का शव 18 जुलाई 2017 को हिमाचल प्रदेश के कोटखाई थाने में मिला था। मामले के अनुसार, चार जुलाई 2017 को कोटखाई में 16 वर्षीय लड़की की अपहरण और बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। राज्य में व्यापक जन आक्रोश के बीच, जैदी की अध्यक्षता में एक एसआईटी का गठन किया गया। गिरफ्तार किए गए छह लोगों में सूरज भी शामिल था। उसका शव कोटखाई थाने से बरामद किया गया था।

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।

-अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री

त्रिपक्षीय वार्ता ही समाधान

उत्तर–पूर्व भारत एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहां छोटी-सी चिंगारी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट का रूप ले सकती है। एक ओर पड़ोसी बांग्लादेश में अस्थिरता और हिंसा का माहौल है, दूसरी ओर मणिपुर अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। ऐसे समय में कार्बी आंगलोंग में भड़की हिंसा को हल्के में लेना एक गंभीर भूल होगी। यह घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं, बल्कि उत्तर–पूर्व की संवेदनशील राजनीतिक-सामाजिक संरचना की चेतावनी है। कार्बी आंगलोंग, जो भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के तहत एक स्वायत्त क्षेत्र है, लंबे समय से भूमि, पहचान और अधिकारों के प्रश्नों से जूझता रहा है। हालिया हिंसा का केंद्र ग्रामीण चारागाह रिज़र्व और पेशेवर चारागाह रिज़र्व की ज़मीन से कथित अवैध कब्ज़े हटाने की मांग रही है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अन्य राज्यों से आए 'बाहरी लोगों' ने आरक्षित भूमि पर कब्ज़ा कर लिया है।

सवाल यह है कि यह कब्ज़ा अचानक नहीं हुआ; वर्षों की प्रशासनिक शिथिलता, राजनीतिक संरक्षण और निगरानी की कमी ने इसे संभव बनाया। जब ऐसे मामलों को समय रहते नहीं सुलझाया जाता, तो असंतोष अंततः हिंसा का रास्ता पकड़ता ही है। भाजपा के नेतृत्व वाली कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य के घर को आग लगाने की घटना इस हिंसा को और गंभीर बना देती है। यह सत्ता-संरचना पर सीधा हमला है। इससे यह आशंका जन्मती है कि यह संघर्ष केवल दो सामाजिक गुटों तक सीमित नहीं है, इसके पीछे राजनीतिक हस्तक्षेप, उकसावे या साजिश की भूमिका भी है, क्योंकि भूमि और पहचान के मुद्दे अक्सर यहां राजनीतिक मोहरे बनते रहे हैं। जब लोग 15 दिनों से शांतिपूर्ण धरने पर बैठे थे, तब संवाद के ज़रिए समाधान क्यों नहीं निकाला गया? प्रशासन की ऐसी विफलता हिंसा को न्योतती है। अवैध रूप से रह रहे लोगों को बेदखल करने की मांग सैद्धांतिक रूप से जायज़ हो सकती है। इसे संवैधानिक और न्यायिक दायरे में रहकर ही पूरा किया जा सकता है। अदालतों के हस्तक्षेप और मानवाधिकारों की अनदेखी से स्थिति और विस्फोटक हो सकती है।

कार्बी आंगलोंग का पश्चिमी हिस्सा पहले भी हिंसा का गवाह रहा है। यह तथ्य बताता है कि मूल समस्याओं- भूमि प्रबंधन, स्वायत्त संस्थाओं की क्षमता और स्थानीय-बाहरी संतुलन को ईमानदारी से नहीं सुलझाया गया। राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती और हाई-लेवल मॉनिटरिंग तात्कालिक शांति के लिए आवश्यक है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं हो सकता। पुलिस अफसरों के तबादले प्रशासनिक संदेश तो देते हैं, पर भरोसा तभी बनेगा जब निष्पक्ष जांच और जवाबदेही हो। स्थानीय समुदाय, प्रशासन और राजनीतिक प्रतिनिधियों के बीच सरकार द्वारा प्रस्तावित त्रिपक्षीय वार्ता यदि ईमानदारी से की जाए, तो यह समाधान की दिशा में सार्थक कदम हो सकती है। इसके साथ-साथ ज़रूरत है पारदर्शी भूमि सर्वेक्षण, कानूनी प्रक्रिया के तहत पुनर्वास नीति और स्वायत्त परिषदों को वास्तविक निर्णय-सामर्थ्य देने की। उत्तर–पूर्व में शांति केवल बंदूक और बल से नहीं, बल्कि संवाद, संवैधानिक संवेदनशीलता और समयबद्ध न्याय से ही स्थापित हो सकती है।

प्रसंगवश

पुष्कर से आते हैं ख़्वाजा की दरगाह के फूल

बारहवीं शताब्दी के महान सूफ़ी संत ख़्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती का 814वां सालाना उर्स समारोह इन दिनों अजमेर में मनाया जा रहा है। यहां के बारे में मशहूर है कि दरगाह पर चढ़ाए जाने वाले फूल अक्सर पुष्कर से मंगाए जाते हैं और पुष्कर के मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों पर चढ़ावे के लिए पूजा सामग्री की खीलें दरगाह ख़्वाजा साहब के बाज़ार से ही जाती हैं। यह हिंदू-मुस्लिम भाईचारे, आपसी सौहार्द और वसुधैव कुटुंबकम् की बेहतरीन मिसाल है। अजमेर में कभी भी हिंदू-मुस्लिम तनाव नहीं देखा गया। यहां दूसरे धर्मों के लोग रमज़ान में दरगाह आकर रोज़ा खोलते हैं। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अफ़सर, इतिहासकार और प्रख्यात अंग्रेज़ी लेखक कर्नल जेम्स टॉड (1782-1835), जिन्हें राजस्थान के इतिहास का पितामह भी कहा गया है, ने अपनी मशहूर किताब 'एनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ़ राजस्थान' में लिखा है, 'मैंने हिन्दुस्तान में एक क़ब्र को राज करते देखा है।'

मु. खालिद जीलानी

अधिवक्ता

आज से करीब आठ सौ साल पहले एक दरवेश हज़ारों मील का कठिन सफ़र तय करता हुआ सौहार्द का पैग़ाम लिए ईरान से हिन्दुस्तान के अजमेर पहुंचा, तो जो भी उसके पास आया उसी का होकर रह गया। उसके दर पर दीन-ओ-धर्म, अमीर-ग़रीब, छोटे-बड़े किसी भी तरह का भेदभाव नहीं था। सब पर उसके रहम-ओ-करम का नूर बराबरी से बरसा। तब से आज तक आठ सदियों से ज़्यादा वक्त बीत गया, लेकिन राजा हो या रंक, सभी मज़हब के लोगों ने, जिसने भी उनकी चौखट चूमी वह ख़ाली नहीं गया, इसीलिए उन्हें 'ग़रीब नवाज़' (ग़रीबों का हमदर्द) और 'सुल्तान-ए-हिंद' के नाम से भी जाना गया।

तेरहवीं सदी में दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश ने पहली बार दरगाह की यात्रा की। बाद में मुग़ल अकबर और जहांगीर जैसे कई शासकों ने इसका जीर्णोद्धार और विस्तार किया। दरगाह का बुलंद दरवाजा इस बात का गवाह है। मुहम्मद-बिन-तुगलक, अलाउद्दीन ख़िलजी से लेकर बड़े से बड़ा हुक्मरान यहां पूरे अदब के साथ सिर झुकाए ही आया। देश की आज़ादी के बाद पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी ख़्वाजा के दरबार में हाज़िरी दी। उन्होंने दरगाह के महफ़िलख़ाने की सीढ़ियों पर चढ़कर वहां मौजूद ज़ायरीनों का ऐतिहासिक संबोधन किया था।

महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर, सरोजिनी नायडू, पंडित मदनमोहन मालवीय से लेकर जयप्रकाश नारायण, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विख्यात हस्तियों ने ख़्वाजा के संदेश को समझा, जाना और अजमेर आकर अपनी अक़ीदत के फूल पेश किए। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दरगाह पर चादर भेजी थी। पाकिस्तान, बांग्लादेश के राष्ट्रपति, फ्रांस, जर्मनी, नेपाल, अफ़ग़ानिस्तान और मध्य पूर्व के देशों के नुमाइंदे भी दरगाह के लिए चादर भेजते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल दरगाह के लिए चादर भेजते हैं। इन तमाम हस्तियों के हस्तलिखित नज़राने ख़ादिमों की संस्था अंजुमन सय्यदजादगान कमेटी के रिकॉर्ड में दर्ज हैं। आमतौर पर दरगाह पर रोज़ाना बीस से पच्चीस हज़ार लोग हाज़िरी देते हैं।

दरगाह ख़्वाजा साहब अधिनियम-1955, दरगाह के प्रशासन और प्रबंधन को विनियमित करता है। दरगाह की प्रबंधन कमेटी बनाने का प्रावधान करता है, जो दरगाह के बेहतर प्रशासन और बंदोबस्ती के लिए ज़िम्मेदार है। भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा गठित यह कमेटी, दरगाह के प्रबंधन की शक्तियों और कार्यों को निर्धारित करती है बाबजूद इसके दरगाह समय-समय पर कई झगड़ों और विवादों का केंद्र रही है।

अरावली: कानून की सीमा व विकास की नैतिकता

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी

विश्व की प्राचीनतम पर्वत शृंखलाओं में शामिल अरावली आज जिस बहस के केंद्र में है, वह बहस केवल संरक्षण बनाम विकास की नहीं, बल्कि हम किस तरह का विकास चाहते हैं- इस मूल प्रश्न की है। अरावली पर्वतमाला केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं है, यह उत्तर-पश्चिम भारत की पर्यावरणीय स्थिरता-सुरक्षा और सभ्यतागत निरंतरता की आधारशिला है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरावली की परिभाषा और उससे जुड़े संरक्षण ढांचे को लेकर दिया गया निर्णय इसी व्यापक विमर्श को एक नई दिशा देता है।

न्यायालय ने प्रशासनिक स्पष्टता और एकरूपता के उद्देश्य से पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित 'समान परिभाषा' को स्वीकार करते हुए यह निर्धारित किया कि स्थानीय सतह से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भूभाग ही तकनीकी रूप से 'अरावली हिल्स' माने जाएंगे। विधिक दृष्टि से यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही अस्पष्टता को समाप्त करता है और नीति-निर्माण को एक स्पष्ट आधार प्रदान करता है।

साथ ही, सस्टेनेबल माइनिंग मैनेजमेंट प्लान की अनिवार्यता यह संकेत देती है कि विकास केवल अनियंत्रित दोहन का पर्याय नहीं रह सकता, लेकिन यहीं से एक बड़ा प्रश्न उठता है। क्या कानून की न्यूनतम सीमा ही हमारे निर्णयों की अंतिम सीमा होनी चाहिए? यही वह बिंदु है, जहां व्यवसायिक नैतिकता, सतत विकास लक्ष्य (SDGs), पर्यावरण, सामाजिक दायित्व और सुशासन (ESG) और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) जैसे आधुनिक ढांचे प्रासंगिक हो जाते हैं।

कानून यह तय करता है कि क्या वैध है, लेकिन व्यवसायिक नैतिकता यह पूछती है कि क्या उचित है? यदि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले अरावली क्षेत्र कानूनी परिभाषा से बाहर हो जाते हैं, तो यह उद्योग, खनन कंपनियों और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक परीक्षा का क्षण है। क्या वे इसे केवल एक 'नया अवसर' मानेंगे, या यह समझेंगे कि नैतिक उत्तरदायित्व कानून की रेखा से आगे तक फैला होता है? प्रकृति की कार्यप्रणाली ऊंचाई के मीटरों से नहीं चलती। अरावली की तलहटी, झाड़ीदार वन और जल ग्रहण क्षेत्र वह प्राकृतिक पूंजी हैं, जो भूजल पुनर्भरण, धूल नियंत्रण और जलवायु संतुलन जैसी सेवाएं निःशुल्क प्रदान करती हैं। यदि कोई व्यावसायिक निर्णय इन सेवाओं को नष्ट करता है, तो वह अल्पकालिक मुनाफ़े के बदले दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक लागत पैदा कर सकता है और यही नैतिक विफलता है।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य केवल सरकारी एजेंडा नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का नैतिक ढांचा हैं। अरावली का दोहन, चाहे वह तकनीकी रूप से वैध क्यों न हो, SDGs की भावना के विपरीत जाता है। सतत विकास का अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों का ऐसा उपयोग है, जो आने वाली पीढ़ियों के विकल्पों को सीमित न करे। अरावली का संरक्षण सीधे-सीधे SDG-6 (स्वच्छ जल), SDG-11 (टिकाऊ शहर और समुदाय), SDG-13 (जलवायु कार्रवाई) और SDG-15 (स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र) से जुड़ा हुआ है।

आज वैश्विक निवेशक ESG को केवल रिपोर्टिंग टूल नहीं, बल्कि जोखिम आकलन का आधार मानते हैं। एक नैतिक और दूरदर्शी व्यवसाय यह समझता है कि पर्यावरणीय क्षरण अंततः आर्थिक अस्थिरता में बदलता है। अरावली का संरक्षण ESG के 'E' तक सीमित नहीं, यह सामाजिक स्थिरता और प्रशासनिक विश्वसनीयता- तीनों को प्रभावित करता है। अरावली जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किया गया अनियंत्रित खनन या निर्माण भविष्य में जल संकट, सामाजिक विरोध और नियामकीय सख्ती को जन्म दे सकता है। यह सीधा-सीधा बिज़नेस रिस्क है।

यह याद रखना आवश्यक है कि पहाड़ किसी परियोजना की तरह बनाए नहीं जा सकते। वे प्रकृति की दीर्घकालिक रचना हैं, जिनका निर्माण हजारों-लाखों वर्षों की भूगर्भीय प्रक्रियाओं से हुआ है। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तापमान संतुलन और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण- ये सभी कार्य पहाड़ मौन रूप से करते हैं। एक बार नष्ट हुआ पहाड़ न तो पुनः खड़ा किया जा सकता है और न ही उसकी पारिस्थितिक भूमिका को किसी CSR फंड से बदला जा सकता है।

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी यदि केवल वृक्षारोपण या वार्षिक रिपोर्ट तक सीमित रह जाए, तो वह अपने उद्देश्य से भटक जाती है। अरावली के संदर्भ में वास्तविक CSR का अर्थ है, ऐसे व्यावसायिक निर्णय लेना जो स्वयं नुकसान न पहुंचाएं। पहाड़ों को काटकर बाद में पौधे लगाना CSR नहीं, बल्कि नुकसान की आंशिक भरपाई है।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय कानून की स्पष्टता प्रदान करता है, लेकिन यह समाज, सरकार और उद्योग- तीनों के लिए एक नैतिक आह्वान भी है। न्यायालय का निर्णय विधिक न्यूनतम मानक तय करता है। SDGs, ESG और व्यवसायिक नैतिकता हमसे उससे आगे देखने की अपेक्षा करते हैं। अरावली का संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता का प्रश्न है। सच्चा विकास वही है, जिसमें मुनाफ़ा प्रकृति की कीमत पर नहीं, बल्कि उसके साथ संतुलन बनाकर अर्जित किया जाए। यदि हमने इस संतुलन को समझ लिया, तो अरावली केवल बचाई नहीं जाएगी, वह हमारे विकास मॉडल को भी अधिक टिकाऊ, अधिक नैतिक और अधिक मानवीय बना देगी।

अरावली पर आया यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि हमारे विकास-बोध और कॉर्पोरेट आचरण, दोनों की मौन परीक्षा है। पहाड़ों की ऊंचाई नापी जा सकती है, पर उनकी उपयोगिता का पैमाना कहीं अधिक गहरा और दूरगामी है। CSR, ESG और SDGs यदि केवल अनुपालन और रिपोर्टिंग तक सिमट जाएं, तो वे अर्थहीन हो जाते हैं।

विश्व की प्राचीनतम पर्वत शृंखलाओं में शामिल अरावली आज जिस बहस के केंद्र में है, वह बहस केवल संरक्षण बनाम विकास की नहीं, बल्कि हम किस तरह का विकास चाहते हैं– इस मूल प्रश्न की है।

आमने सामने

मुझे नहीं पता वह मौलाना हैं या कोई और उन्होंने कहा कि उनकी चार पत्नियां हैं और 19 बच्चे हैं। इनकी योजना ज्यादा बच्चे पैदा कर हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाने की है। मैं सुझाव देती हूं कि हिंदुओं को भी कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।

-नवनीत राणा
बीजेपी नेता

नवनीत राणा बताएं कि उनके कितने बच्चे हैं। खुद के दो बाकी को लाइन में लगाएंगी क्या? जिस विचारधारा से उठकर आई हैं। उस विचारधारा के पोषक ही पाकिस्तान बनाने के जिम्मेदार हैं। सबसे पहले दो राष्ट्र की थ्योरी सावरकर साहब ने दी थी।

-इमरान मसूद
कांग्रेस नेता

राजनीति में जरूरत है एक और अटल की

प्रभुनाथ शुक्ल

वरिष्ठ पत्रकार

भारत के राजनीतिक इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी का संपूर्ण व्यक्तित्व शिखर पुरुष के रुप में दर्ज है। दुनिया में उनकी पहचान एक कुशल राजनीतिज्ञ, प्रशासक, भाषाविद्, कवि, पत्रकार व लेखक के रूप में है। संघी विचारधारा में पले-बढ़े अटल जी ने बड़ी उदारता के साथ इस विचारधारा को अपने से ऊंचा नहीं होने दिया। अटल जी राजनीति में उदारवाद और समता एवं समानता के सबसे बड़े समर्थक माने जाते हैं। विचारधारा की कीलों से कभी अपने को नहीं बांधा। राजनीति को दलगत और स्वार्थ की वैचारिकता से अलग हट कर अपनाया और उसको जिया। जीवन में आने वाली हर विषम परिस्थिति और चुनौती को स्वीकार किया। नीतिगत सिद्धांत और वैचारिकता का कभी कत्ल नहीं होने दिया।

राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ाव में उन्होंने आलोचनाओं के बाद भी अपने को संयमित और तटस्थ रखा। राजनीति में धुर विरोधी भी उनकी विचारधाराओं और कार्यशैली के कायल थे, लेकिन पोखरण जैसा आणविक परीक्षण कर तीसरी दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के साथ दूसरे मुल्कों को भारत की शक्ति का एहसास कराया। आपातकाल के दौरान डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की श्रीनगर में मौत के बाद सक्रिय राजनीति में दखल दिया, हालांकि उनके राजनीतिक मूल्यों की पहचान बाद में हुई और भाजपा सरकार में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में एक अटल ने 1951 में जनसंघ की स्थापना की थी। 1968 से 1973 तक जनसंघ के अध्यक्ष रहे। राजनीतिक सेवा का व्रत लेने के कारण वे आजीवन कुंवारे रहे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के लिए आजीवन अविवाहित रहने का निर्णय लिया था। वे एक कुशल कवि के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते थे, लेकिन बाद में इसकी शुरुआत पत्रकारिता से हुई।

राजनीति के शिखर पुरुष अटल जी मानते हैं कि राजनीति उनके मन का पहला विषय नहीं था। राजनीति से उन्हें कभी-कभी तृष्णा होती थी, लेकिन वे चाहकर भी इससे पलायित नहीं हो सकते थे, क्योंकि विपक्ष उन पर पलायन का मोहर लगा देता। वे अपने राजनीतिक दायित्वों का डटकर मुकाबला करना चाहते थे। यह उनके जीवन संघर्ष की भी खूबी रही।

1957 में देश की संसद में जनसंघ के सिर्फ चार सदस्य थे। जिसमें एक अटल बिहारी वाजपेयी थी थे। उन्होंने सबसे पहले 1955 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। बाद में 1957 में गोंडा की बलरामपुर सीट से जनसंघ उम्मीदवार के रूप में जीत कर लोकसभा पहुंचे। उन्हें मथुरा और लखनऊ से भी लड़ाया गया, लेकिन हार गए। अटल जी ने बीस साल तक जनसंघ के संसदीय दल के नेता के रूप में काम किया।

इंदिरा जी के खिलाफ जब विपक्ष एक हुआ और बाद में जब देश में मोरारजी देसाई की सरकार बनी, तो अटल जी को भारत का विदेशमंत्री बनाया गया। इस दौरान उन्होंने अपनी राजनीतिक कुशलता की छाप छोड़ी और विदेश नीति को बुलंदियों पर पहुंचाया। बाद में 1980 में वे जनता पार्टी से नाराज होकर पार्टी का दामन छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की। उसी साल उन्हें भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। इसके बाद 1986 तक उन्होंने भाजपा अध्यक्ष पद का कुशल नेतृत्व किया। उन्होंने इंदिरा गांधी के कार्यों की सराहना भी की थी, बंग्लादेश के निर्माण में इंदिरा गांधी की भूमिका को सराहा, लेकिन उन्होंने इंदिरा सरकार की तरफ से 1975 में लादे गए आपातकाल का विरोध किया।

राजनीति में संख्या बल का आंकड़ा सर्वोपरि होने से 1996 में उनकी सरकार सिर्फ एक मत से गिर गई और उन्हें प्रधानमंत्री का पद त्यागना पड़ा। यह सरकार सिर्फ तेरह दिन तक रही। बाद में उन्होंने प्रतिपक्ष की भूमिका निभायी। इसके बाद हुए चुनाव में वे दोबारा प्रधानमंत्री बने। संख्या बल की राजनीति में यह भारतीय इतिहास के लिए सबसे बुरा दिन था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी विचलित नहीं हुए। उन्होंने इसका मुकाबला किया। 16 मई से पहली जून 1996 और 19 मार्च से 22 मई 2004 तक वे भारत के प्रधानमंत्री रहे।

उन्होंने अपनी राजनीतिक कुशलता से भाजपा को देश में शीर्ष राजनीतिक सम्मान दिलाया। दो दर्जन से अधिक राजनीतिक दलों को मिलाकर उन्होंने राजग बनाया, जिसमें 80 से अधिक मंत्री थे, जिसे जम्बो मंत्रीमंडल भी कहा गया। सरकार ने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। उन्हीं अटल जी की देन है कि आज भाजपा नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सरकार का नेतृत्व कर रही है। अटल बिहारी वाजपेयी राजनीति में कभी भी आक्रमकता के पोषक नहीं थे। वैचारिकता को उन्होंने हमेशा तवज्जो दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंदी में भाषण देने वाले अटल जी पहले भारतीय राजनीतिज्ञ थे।

अटल बिहारी वाजयेपी ने राजनीति को दलगत और स्वार्थ की वैचारिकता से अलग हटकर अपनाया और जिया। आज 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री का जन्म दिवस है।

सोशल फोरम

सभ्यता से डरे हुए लोग

हमारे देश में लोग बदमाश से नहीं डरते, बल्कि बदमाशों के साथ रहते हैं। दंगाई से नफरत नहीं करते, बल्कि उसको वोट देते हैं। हमारे देश में लोग जिस चीज से डरते हैं, वह है सभ्यता। सभ्यता और सभ्य आदमी से लोग डरते हैं। सभ्य को मित्र नहीं बनाते। असभ्य को मित्र बनाते हैं। ईमानदार से दूर रहते हैं, धूर्त-चालाक और बेईमान के साथ गलबहियां देकर रहते हैं। औरत के साथ विवाह करते हैं, बेटी की तरह पैदा करते हैं, मां की तरह मानते हैं, लेकिन औरतों के साथ सबसे ज्यादा हिंसाचार करते हैं। हिंसा और असभ्यता के माहौल को हमें देखकर यही महसूस होता है कि हमारे देश में सभ्य होना गाली है!

जगदीश्वर चतुर्वेदी

पूर्व विभागाध्यक्ष
कलकत्ता यूनिवर्सिटी

सवाल यह है कि सभ्य से हम क्यों दामन छुड़ाना चाहते हैं? सभ्य होना क्या बुरी बात है? सभ्य क्या सक्षम नहीं होते? फेसबुक और सामाजिक जीवन में असभ्यता का जो वैभव दिखाई देता है, वह बार-बार यही संदेश देता है कि सभ्य होना सही नहीं है! असभ्य रहो, मजे में रहो! सभ्यता की मांग है कि विवेकवाद अर्जित करें। हमारे यहां उल्टी हवा चल रही है। इरेशनल या विवेकहीन बातों को तवज्जह दी जाती है। नॉनसेंस की पूजा की जाती है। इरेशनल से बड़ा असभ्यता का कोई रूप नहीं है। हम भारतवासी जितनी ऊर्जा नॉनसेंस चीजों पर खर्च करते हैं, उसका आधा वक्त भी विवेकवादी और सभ्य चीजों पर खर्च करें तो भारत सोने की चिड़िया हो जाए। फिलहाल स्थिति यह है कि भारत में चिड़ियाएं भी रहना पसंद नहीं करतीं, वे भी कम हो रही हैं। मौसम बिगड़ा हुआ है। हम हैं कि विवेक से काम लेने के बजाय भगवान की कृपा का इंतजार कर रहे हैं। प्रकृति और पर्यावरण के साथ विवेकपूर्ण संबंध बनाएं, तो चीजें सुधर सकती हैं। हमने प्रकृति और पर्यावरण के साथ विवेकपूर्ण संबंध नहीं बनाया है, बल्कि कैजुअल संबंध बनाया है। उपभोग का संबंध बनाया है।

हम कितने सभ्य हैं और कितने असभ्य हैं? इसका कोई सटीक मानक बनाना तो संभव नहीं है, लेकिन यह तय है कि सभ्यता वंशानुगत नहीं होती, उसे अर्जित करना पड़ता है। हमारी मानसिकता यह है कि हम अर्जित करने के लिए श्रम नहीं करना चाहते। हम चाहते हैं कि कोई ऐसा फार्मूला हो जो हमें घर बैठे सभ्य बना दे। हमें यह भी सिखाया गया है कि फलां-फलां वस्तुएं घर में हों, तो सभ्यता घर में दाखिल हो जाती है। वस्तुओं के जरिए सभ्य कहलाने की आशा मृगतृष्णा है। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

सेवानिवृत्ति पर अवकाश नकदीकरण पर सुधार

आल इंडिया बैंक रिटायरीज फेडरेशन के हाल में जारी सर्कुलर के अनुसार अब आयकर अधिनियम 10(10 ए ए) के तहत सीमा 25 लाख कर दी गई है जो पहले तीन लाख होती थी। 25 लाख रुपये की लीव एनकैशमेंट छूट एक बड़ा सुधार है। भले ही इसे आधिकारिक रूप से भावी बताया गया हो। इससे पहले के वर्षों में रिटायर हुए बैंक/PSU/प्राइवेट कर्मचारी भी समय सीमा के भीतर आवेदन करके बड़ी कर राहत प्राप्त कर सकते हैं। इस संबंध में चार्टड एकाउंटेड कोठारी कुलदीप एंड कंपनी ने भी अपनी राय दी है। उनके अनुसार, अधिसूचनाएं जो कठिनाइयों को दूर करती हैं, मुद्रा स्फीति या आर्थिक ठहराव के कारण उत्पन्न असमानताओं को ठीक करती हैं और बिना कोई नया बोझ डाले लाभ प्रदान करती हैं, लाभकारी या उपचारात्मक प्रकृति की होती हैं। लाभकारी प्रावधानों का शाब्दिक अर्थ निकाला जाना चाहिए और जब तक स्पष्ट रूप से निषिद्ध न हो, इन्हें पूर्वव्यापी रूप से लागू किया जा सकता है। चूंकि उक्त अधिसूचना में पूर्वव्यापी रूप से लागू करने पर रोक लगाने वाली कोई स्पष्ट भाषा नहीं है, इसलिए विभिन्न न्यायिक मंचों द्वारा इसे पूर्वव्यापी रूप से लागू किया गया है।

संजीव मेहरोत्रा

रिटायर बैंककर्मी

वह मूल्यांकन वर्ष जिसके लिए मुख्य रूप से धन वापसी की मांग की जा सकती है, निम्नलिखित दो पहलुओं पर निर्भर करता है, क्या धारा 139(5) के तहत रिटर्न को संशोधित करने के लिए निर्धारित समय सीमा समाप्त हो गई है, और मूल्यांकन पूरा/प्रक्रियाकृत हो गया है? धारा 139(5) के तहत निर्धारित समय सीमा के अनुसार, मूल्यांकन वर्ष 2023-24 और उससे पहले के वर्षों के लिए संशोधित रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है, इसलिए धन वापसी का दावा करने का यह तरीका अब उपलब्ध नहीं है। यद्यपि धारा 139(8A) के तहत ITR-U दाखिल किया जा सकता है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में इसे दाखिल नहीं किया जा सकता है, जैसे कि जब इसके परिणामस्वरूप हानि रिटर्न हो या धनवापसी (या बढ़ी हुई धनवापसी) का दावा किया जाए।

ख) क्या धारा 119(2)(ख) के तहत विलंबित दावा दाखिल करने की समय सीमा समाप्त हो गई है? धारा 119(2)(ख) सीबीडीटी को वास्तविक कठिनाई को कम करने के लिए प्रक्रियात्मक समय सीमाओं को दरकिनार करते हुए विलंब को माफ करने और विलंबित कर राहत दावों को स्वीकार करने का अधिकार देती है। फिर भी, यह राहत विवेकाधीन है, अधिकार का मामला नहीं। सीबीडीटी ने दावा दाखिल करने के लिए संबंधित मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति से पांच वर्ष (पहले छह वर्ष, अब 01.10.2024 के बाद दाखिल किए गए आवेदनों के लिए संशोधित) की समय सीमा निर्धारित की है।

इसका अर्थ है कि विलंब की माफी के लिए आवेदन धारा 119(2)(ख) के तहत दाखिल किया जा सकता है, यदि आवेदन 31/03/2026 से पहले, मूल्यांकन वर्ष 2020-21, यानी वित्तीय वर्ष 2019-20 और उसके बाद के लिए दाखिल किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि केवल वे कर्मचारी, जो वित्तीय वर्ष 2019-20 और उसके बाद अवकाश नकदीकरण प्राप्त कर चुके हैं, धारा 119(2)(ख) के तहत विलंब की माफी के लिए आवेदन दाखिल करने के पात्र हैं। यद्यपि वित्तीय वर्ष 2018-19 और उससे पहले के वर्षों के बारे में दावों के लिए धारा 119(2)(बी) के तहत निर्धारित समय अवधि समाप्त हो गई है, फिर भी उक्त प्रावधानों के तहत आवेदन किया जा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

आईआईटी कानपुर ने बनाया चार इंच का नैनो ड्रोन अलख-4

आधुनिक युद्ध और सुरक्षा व्यवस्था में जिस तरह निगरानी तथा सटीक खुफिया जानकारी की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है, उसे देखते हुए आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप एंड्योरएयर ने 'अलख-4' नाम से चार इंच लंबाई का एक शक्तिशाली सर्विलांस नैनो ड्रोन बनाया है। बेहद छोटे आकार का यह ड्रोन इस बात का संकेत है कि भविष्य के युद्ध और सुरक्षा प्रणाली भारी हथियारों से अधिक बुद्धिमान तकनीक पर निर्भर होकर निर्णायक भूमिका अदा करेगी। इसी कारण 'अलख-4' को खास तौर पर सैन्य निगरानी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह नन्हा ड्रोन जो कई बार सामान्य आंखों से देखा नहीं जा सकेगा, न सिर्फ मुश्किल परिस्थितियों में दुश्मन के खुफिया ठिकानों को खोज निकालेगा, बल्कि वहां हो रही हरकतों की रियल टाइम जानकारी देगा, जिससे सेना आसानी से अपने मिशन को सफल बना सकेगी।

– मनोज त्रिपाठी, कानपुर

सेना की जरूरत और सर्विलांस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित 'अलख-4' ड्रोन कॉम्पैक्ट, हल्के फ्रेम और स्वायत्त उड़ान क्षमता के साथ एक बैकपैक करने योग्य यूएवी है, जिसे सीमित, कठिन और अप्रत्याशित वातावरण में निकट श्रेणी के संचालन के लिए बनाया गया है। यह उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में तेजी से तैनाती, हवाई निगरानी, लक्ष्य की पहचान और निगरानी में सहायता प्रदान करता है।

विशेषताएं

- लंबाई- 4 इंच
- वजन- अधिकतम 800 ग्राम
- रफ्तार - 60 किमी प्रति घंटा
- दायरा- 2 किमी सर्किल
- काम - सर्विलांस

800
ग्राम तक अधिकतम वजन

सूक्ष्म श्रेणी का मानवरहित वाहन 'अलख-4' एफपीवी तकनीक एकीकृत है। इसे विशेष तौर पर कम दूरी की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। यह 2 फीट × 2 फीट की खिड़की जितनी छोटी जगह में भी अपना काम बखूबी अंजाम दे सकता है। इसका कुल वजन अधिकतम 800 ग्राम तक है। वजन में हल्का होने से इसे छिपाना और कहीं भी ले जाना आसान है। यह यह हल्का ड्रोन 400 ग्राम तक के भार को सहनकर सकता है।

आपदा राहत और खोज अभियान में विश्वसनीय

'अलख-4' का छोटा आकार और त्वरित तैनाती इसे उन सीमित क्षेत्रों में संचालन के लिए भी आदर्श बनाती है, जहां पारंपरिक यूएवी नहीं पहुंच सकते। अपनी इस खूबी के चलते यह उच्च जोखिम वाले वातावरण में आपातकालीन टीमों, विशेष इकाइयों और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बन जाता है। सीमित क्षेत्रों से डेटा एकत्र करने में विशेषज्ञता रखने वाला अलख, आंतरिक निगरानी, आपदा राहत, खोज अभियान और शहरी निगरानी जैसे मिशनों में भी सहायक है।

कम रोशनी या अंधेरे में भी स्पष्ट फोटो भेजने की क्षमता

आईआईटी कानपुर के एसआईआईसी (स्टार्टअप इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर) के स्टार्टअप एंड्योरएयर के फाउंडर और वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. अभिषेक की देखरेख में तैयार 'अलख-4' ड्रोन में इलेक्ट्रो ऑप्टिकल और इंफ्रारेड नेटवर्क कैमरे लगे हैं। इनकी मदद से यह कम रोशनी या अंधेरे में भी साफ फोटो कंट्रोल रूम को भेजकर सटीक जानकारी देता है। इससे किसी भी व्यक्ति को पहचानना आसान हो जाता है। इसकी फोटो में अधिक कोहरा, बर्फ या अत्यधिक ठंड का प्रभाव नहीं पड़ता है। यह ड्रोन माइनस 20 डिग्री सेल्सियस से लेकर 55 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी काम करने में सक्षम है। यह ऊंची पहाड़ियों के साथ सर्द व गर्म इलाकों में भी सर्विलांस करने में कारगर है। इसकी मदद से दुर्गम इलाकों या पहाड़ियों पर सैनिकों तक आसानी से संदेश भेजे जा सकते हैं।

जॉब अलर्ट

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी)

- पद का नाम – कांस्टेबल (जीडी) और राइफलमैन (जीडी)
- पदों की संख्या–25487
- वेतन– 21,700–69,700 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता– मैट्रिकुलेशन या 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण
- आयु सीमा–18 से 23 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 31 दिसंबर, 2026
- वेबसाइट- https://ssc.gov.in

रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (आरआईटीईएस)

- पद का नाम– क्लर्क
- पदों की संख्या– इंजीनियर
- वेतन– 40,000–2,80,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता– बी.टेक/बीई, एमई/एम.टेक, एमबीए/ पीजीडीएम
- आयु सीमा–53 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि–27 दिसंबर, 2025
- वेबसाइट- rites.com

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)

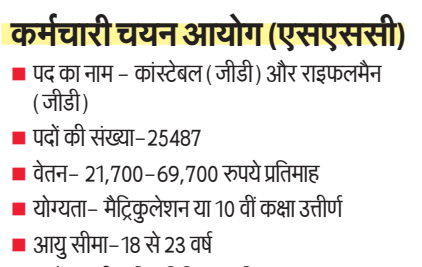

- पद का नाम– समूह डी
- पदों की संख्या–22000 (अस्थायी)
- वेतन– 18,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता– आईटीआई, 10 वीं
- आयु सीमा– 18 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 20 फरवरी, 2026
- वेबसाइट- rrbchennai.gov.in, indianrailways.gov.in

आईटीआई लि. कॉर्पोरेट कार्यालय

- परीक्षा का नाम– युवा पेशेवर भर्ती 2026 डाक युवा पेशेवर
- कुल रिक्तियां– 215 पोस्ट
- आवेदन की अंतिम तिथि– 12 जनवरी, 2026
- शैक्षणिक योग्यता– पद और डोमेन के आधार पर बीई/ बी.टेक/एमबीए/पीजी/डिप्लोमा/आईटीआई/स्नातक
- आयु सीमा– 35 से 45 वर्ष तक
- आधिकारिक वेबसाइट– itiltd.in

कैंपस में पहला दिन

अंग्रेजी ने बढ़ाई दुविधा, लेकिन हिम्मत ने कराई बीएससी

मैंने जुलाई 1982 में अपने गांव बनकोट, पिथौरागढ़ से करीब 12 मील पैदल चलकर नैनीताल के लिए बस पकड़ी। शाम करीब 4 बजे के आसपास जब सरोवर नगरी नैनीताल पहुंचा तो तब चारों ओर कोहरा ही कोहरा नजर आया। नैनी झील से चलती शीत लहर, घर से निकलने की उदासी को और बढ़ा देती थी।

अगले दिन सुबह 10 बजे डीएसबी कैंपस पहुंचा, जहां बीएससी में प्रवेश लेना था। वहां लगभग सभी छात्र-छात्राएं आपस में अंग्रेजी में बात कर रहे थे। ऐसे में, मन में यह दुविधा व आशंका घर करने लगी कि बीएससी कर भी पाऊंगा या नहीं। पिताजी की जिद थी कि मैं उच्च शिक्षा प्राप्त करूं। इधर, मैं सोच रहा था कि इंटरमीडिएट के बाद सेना में भर्ती होने का प्रयास करूं। किसी कारणवश इसमें सफलता नहीं मिलने पर दिल्ली आदि महानगरों का रूख करूं। आखिरकार बीएससी में प्रवेश ले लिया लेकिन, पहली कक्षा में ही अंग्रेजी में व्याख्यान ने फिर से मन को उदास कर दिया। हालांकि हिम्मत की और लगा रहा। अन्य सहपाठियों के साथ वुकहिल छात्रावास में निवास किया। इस बीच बड़े भाइयों का मार्गदर्शन लगातार

डॉ. एनएस बनकोटी
प्राचार्य, एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी

मिलता रहा और ईष्ट देव की कृपा से अच्छे अंकों से बीएससी उत्तीर्ण कर ली और बाद में पीएचडी की उपाधि भी प्राप्त की। हर किसी की जिंदगी में ऐसे पल आते ही हैं, भले ही वह उच्च शिक्षा की उपाधि प्राप्त करे या किसी अन्य ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रवेश करे।

मुझे आज भी नैनीताल का वह पहला दिन याद आता है। वहां का मौसम, घर से दूर रहने की उदासी, अंग्रेजी भाषा में पाठ्यक्रम पढ़ना, कुछ महीने तक मन को बैचेन करता रहा। प्रतिदिन मां नैना देवी का आशीर्वाद लेने मंदिर जाता था। छात्रावास में आकर मेस का खाना और बड़े भाइयों से कुछ न कुछ सीखते रहना। किसी तरह नैनीताल के माहौल, कैंपस के वातावरण में अपने को ढाला, शिक्षा प्राप्त की और एनसीसी की ओर रुझान किया। इस दौरान अक्सर, दशहरा, दीपावली आदि त्योहारों की छुट्टियों का इंतजार रहता था ताकि हम अपने घर जा सकें। माता-पिता के आशीर्वाद, ईष्टदेव की कृपा, स्वयं की मेहनत और लगन ने जीवन में आज इस मुकाम पर पहुंचाया।

चिकित्सा क्षेत्र में महामना की विलक्षण दृष्टि की प्रासंगिकता

आज महामना मदनमोहन मालवीय की 164 वीं जयंती है। आज जब चारों ओर चिकित्सा के व्यावसायिक स्वरूप को लेकर गरमा–गरम चर्चाएं हो रही हैं तब मुझे बरबस अपने गुरुकुल काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना मदनमोहन मालवीयजी का स्मरण हो जाता है, जिन्होंने विश्वविद्यालय के स्थापना काल से ही यह स्पष्ट कर दिया था कि मुझे न तो किसी प्रकार के साम्राज्य की कामना है न ही स्वर्ग प्राप्ति की आकांक्षा। मुझे तो दुख और पीड़ित मानवता को सुखी और प्रसन्न बनाना ही अभीष्ट है : न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं न पुनर्भवम्, कामये दुख तप्तानाम् प्राणि नामार्ति नाशनम्'। अपने इस सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदैशिक मनोकामना की पूर्ति के लिए उन्होंने विश्वविद्यालय का निर्माण किया और इस आप्त वाक्य को विश्वविद्यालय का आदर्श बनाया, जो आज भी विश्वविद्यालय के हर छात्र का प्रेरणा सूत्र बना हुआ है। चिकित्सा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में यह बात और सटीक व प्रासंगिक है, क्योंकि महामना ने आयुर्वेद महाविद्यालय के आरंभिक दिनों (1920) में ही उसका घोष वाक्य रखा था –'चिकित्सतात पुण्यतमं न किंचित' अर्थात चिकित्सा से बढ़कर और कोई पुण्य नहीं। कहना न होगा की आयुर्वेद महाविद्यालय का पाठ्यक्रम समाप्त होने के बाद आधुनिक चिकित्सा पद्धति पर आधारित चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की 1960 में स्थापना होने पर भी महामना का वही घोषवाक्य अविकल स्वरूप में एमबीबीएस छात्रों के लिए पथ प्रदर्शक संदेश बना रहा।

वर्तमान में जब काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में चिकित्सा विज्ञान का स्वरूप अपने विराट रूप में तीन संकायों (आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद और दंत विज्ञान), 1500 शैय्याओं से अधिक सुसज्जित अस्पताल और शोध की अधुनातम विधाओं से परिपूर्ण प्रयोगशालाएं उपस्थित हैं तब महामना का स्थापना स्वप्न जो आज भी उस शिलालेख में अंकित है चरितार्थ होना ही चाहिए : इस स्वप्न को पूरा करने का उत्तरदायित्व हर उस छात्र, अध्यापक और कर्मचारी पर है, जो किसी न किसी भांति इस संस्थान से जुड़ा हुआ है। महामना की यह प्रबल अभिलाषा थी कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से निकला हर विद्यार्थी भारतीय संस्कृति और दर्शन से भली–भांति सुपरिचित हो और उसे अपने जीवन में यथासंभव व्यवहृत भी करे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने प्रति रविवार को 'गीता प्रवचन' कार्यक्रम का आरंभ किया। इस कार्यक्रम में वह स्वयं या विश्वविद्यालय के अन्य विद्वान भारतीय दर्शन, श्रीमद्भगवदगीता और संस्कृति पर प्रकाश डालते थे। गीता का यह उद्बोधन की कर्म करते रहो तुम्हारे योग क्षेम हितों की रक्षा मैं स्वयं करूंगा –तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्।।9.22।। महामना एक प्रबल आस्थावान आध्यात्मिक महापुरुष थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि छात्रों के अंत:करण को पवित्र और शिक्षा को सकारात्मक बनाने के लिए विश्वविद्यालय के अंदर बाबा भगवान विश्वनाथ का मंदिर होना चाहिए। एक ऐसा देवस्थान जहां छात्र प्रतिदिन जाकर अपने चित्त को एकाग्र और ध्यानस्थ कर सके। उनके ये विचार महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन से पूरी तरह से मेल खाते हैं– 'Religion without science is blind and science without religion is lame'।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

अब युग अनुसंधान और नवाचार का है। वह भी बहुविषयी (मल्टीडिसिप्लीनरी) सहयोग के रूप में। आज जब काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अंतर्गत आधुनिक और आयुर्वेद के संकाय हैं, प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान संस्थान, कृषि संस्थान आदि अनेक उच्चानुशीलन केंद्र हैं, तो उन सबको मिलकर, एक समान उद्देश्य को लेकर स्वास्थ्य के विषय में नूतन विधाओं में जैसे नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोट्स, कृत्रिम बुद्धि तथा योग का असंचारी रोगों में महत्व के क्षेत्र में कोई ठोस करणीय प्रयोग जनता के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। आखिर हम लोग इतने वर्षों के बाद भी अपने वानस्पतिक महाभंडार से कोई युगांतरकारी औषधि जैसे एस्पिरिन, बीटा–ब्लाकर, स्टैटिन, अरनी, एसएलजीटी –इन्हीबीटर या सिमाग्लयूटाइड जैसा पदार्थ क्यों नहीं निकाल पा रहे हैं ? महर्षि सुश्रुत का भी यही कथन था – 'सतताध्यनं वाद: परतंत्रावलोकनम्'। ऐसा करके ही हम महामना के स्वप्नों को, उनकी आप्त दृष्टि को साकार कर सकेंगें।

नोटिस बोर्ड

- एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक प्रथम सेमेस्टर की मुख्य व बैक परीक्षा का प्रस्तावित कार्यक्रम जारी हो गया है। ये परीक्षाएं 2 जनवरी से 31 जनवरी तक एक पाली में कराई जाएंगी। वहीं, स्नातक तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम को भी संशोधित किया गया है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों में पढ़ने वाले स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने का अंतिम मौका दिया है। विवि के परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर 26 दिसंबर तक परीक्षा फॉर्म भरने का मौका दिया है। इसके बाद भी जो विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म नहीं भरते हैं, उन्हें ड्रापआउट सूची में रखते हुए फॉर्म भरने का विकल्प समाप्त कर दिया जाएगा। इससे पहले अंतिम तिथि 23 दिसंबर थी।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,408.70	26,142.10
गिरावट	116.14	35.05
प्रतिशत में	0.14	0.13

सोना 1,40,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,27,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

दिल्ली से लंदन के लिए फरवरी में उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो अगले साल फरवरी में दिल्ली से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि इस मार्ग पर सेवा 2 फरवरी से शुरू होगी। इसके लिए वह नॉर्स एटलांटिक एयरवेज से वेट/डैम्प लीज पर लिए गए बोइंग 787 विमान का परिचालन करेगी। इसके साथ लंदन के हीथ्रो के लिए उसकी सप्ताह में 12 उड़ानें हो जाएंगी। लंदन के लिए उसकी पहले से भी उड़ानें हैं। नई उड़ान सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार को सुबह 9:40 बजे रवाना होगी। वापसी यात्रा हीथ्रो हवाई अड्डे से शाम 5:15 बजे शुरू होगी। यह सफर 10 घंटे 45 मिनट का होगा।

सलीम अहमद ने रेल विकास निगम में संभाला सीएमडी का पदभार

नई दिल्ली। रेल विकास निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बने सलीम अहमद ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उनके पास सिविल इंजीनियरिंग में 33 साल से अधिक का अनुभव है। रेल विकास निगम से जुड़ने से पहले वह सरकारी निर्माण कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) में परियोजना निदेशक थे। वह दिल्ली मेट्रो रेल निगम के कार्यकारी निदेशक रह चुके हैं और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के साथ भी काम कर चुके हैं। बड़े बहुआयामी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में उनका लंबा अनुभव रहा है और पुलों, सुरंगों तथा आवासीय एवं वाणिज्यिक भवनों के निर्माण में उन्हें विशेषज्ञता हासिल है।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3300, मसूरी- 980, बासमती- 5000, परमल- 1200

दाल दलहन : काला चना- 3100, साबुत चना दाल- 2500, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8400-12100, दाल उड़द- 6000, साबुत मसूर दाल- 3200, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5200, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 1400

खंडित विश्व में दावोस की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण

डब्ल्यूईएफ के सह प्रमुख ने कहा- दुनिया को ऐसी जगह चाहिए जहां चर्चा हो सके

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अंतरिम सह-प्रमुख आंद्रे हॉफमैन ने कहा कि दुनिया को स्पष्ट रूप से एक ऐसे स्थान की जरूरत है जहां संवाद की सच्ची भावना से मुद्दों पर चर्चा की जा सके और खंडित दुनिया में दावोस की यह भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। दावोस में अगले महीने दुनिया भर के नेताओं की मेजबानी की तैयारियों के बीच आंद्रे हॉफमैन ने यह बात कही है।

स्विट्जरलैंड का स्की रिजॉर्ट शहर दावोस 19 से 24 जनवरी 2026 तक विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक की मेजबानी करेगा। इसमें करीब 60 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुखों सहित 3,000 से अधिक वैश्विक नेता हिस्सा लेंगे। 2026 की वार्षिक बैठक का विषय 'संवाद की भावना' होगा। हॉफमैन ने कहा कि बैठक में चर्चा के कुछ प्रमुख क्षेत्रों में विकास, भू-राजनीति, नवाचार, लोग एवं रोजगार तथा ग्रह शामिल होंगे। उन्होंने कहा, ये मुद्दे आज दुनिया के सामने मौजूद परस्पर जुड़ी चुनौतियों और मजबूत सार्वजनिक-निजी सहयोग की आवश्यकता को दर्शाते हैं। हॉफमैन ने कहा, इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में राष्ट्राध्यक्ष व प्रतिभागी इसमें हिस्सा लेंगे जो संवाद के लिए एक विश्वसनीय एवं सुरक्षित मंच की निरंतर आवश्यकता को रेखांकित करता है। वह भी तेजी से खंडित होती दुनिया में।

एआई दुधारी तलवार, दावोस में होगी विशेष चर्चा

कृत्रिम मेधा (एआई) और इसके प्रभाव पर हॉफमैन ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उद्देश्य नवाचार एवं प्रगति को बढ़ावा देना है लेकिन हम जानते हैं कि शक्तिशाली उपकरणों का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा, एआई स्पष्ट रूप से दुधारी तलवार है। यह अधिक कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों से लेकर टिकाऊ व्यावसायिक मॉडल तक अभूतपूर्व अवसर खोलती है। साथ ही गलत सूचनाओं के प्रसार को भी तेज करती है और जनता का विश्वास कम कर सकती है। हॉफमैन ने कहा कि दावोस में होने वाली चर्चाओं में न केवल प्रौद्योगिकी अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा बल्कि एआई को प्रभावी तरीके से अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया जाएगा। दावोस में जलवायु के बारे में हॉफमैन ने कहा, जलवायु और नवाचार हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से हैं।

बैठक से पहले एक अलग बातचीत में स्विट्जरलैंड की दवा कंपनी रोश के चेयरमैन हॉफमैन ने कहा कि दुनिया को स्पष्ट रूप से एक ऐसे स्थान की जरूरत है जहां संवाद की सच्ची भावना से मुद्दों पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा, पिछले पांच दशकों से अधिक समय से दावोस एक सुस्थापित, विश्वसनीय एवं निष्पक्ष मंच के रूप में उभरा है जहां विभिन्न क्षेत्रों, विचारधाराओं तथा अलग-अलग पीढ़ियों के नेता एक साथ आ सकते हैं। हॉफमैन ने कहा कि डब्ल्यूईएफ चाहता है कि 2026 की वार्षिक बैठक में व्यापारिक दिग्गज, राजनेता, नागरिक समाज, शिक्षाविद तथ युवा एक साथ आएं और ऐसा ही एक मंच तैयार हो। उन्होंने कहा, दावोस का मकसद समाधान थोपना नहीं है बल्कि सुरक्षित, ईमानदार एवं प्रभावी बातचीत को सक्षम बनाना है जो विश्वास को पुनर्स्थापित करने तथा सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करे। एक खंडित दुनिया में, यह भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

चांदी 2.27 लाख रुपये के नए शिखर पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी की कीमतें 9,750 रुपये बढ़कर 2,27,000 रुपये किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। विदेशी बाजारों में भी चांदी 72 डॉलर प्रति औंस के स्तर को लांघ गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को चांदी 2,17,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक- जिंस सौमिल गांधी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सर्राफा की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से हाजिर चांदी 72 डॉलर के स्तर को लांघ गई। कैलेंडर वर्ष के दौरान, 31 दिसंबर 2024 को रिकॉर्ड किए गए 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से चांदी की कीमत 1,37,300

रुपये या 153.06 प्रतिशत बढ़ गई है। गांधी ने कहा कि कमजोर डॉलर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व से नरम मौद्रिक नीति की उम्मीदें और चल रहे भू-राजनीतिक तनाव बहुमूल्य धातु के लिए अनुकूल माहौल बना रहे हैं। इस बीच, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई से थोड़ी कम हुई और मंगलवार के 1,40,850 रुपये 10 ग्राम के मुकाबले 50 रुपये घटकर सभी कर सहित 1,40,800 रुपये 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,500 डॉलर औंस के स्तर को लांघ गया।

सेंसेक्स में 116, निफ्टी में 35 अंकों की गिरावट

मुंबई। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच क्रिसमस की छुट्टियों के कारण छोटा कारोबारी सप्ताह होने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में कारोबार का रुख सुस्त रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 116.14 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 85,738.18 अंक के उच्च स्तर तक गया और 85,342.19 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 35.05 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,142.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स समूह में शामिल कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही।

इनकम टैक्स रिटर्न

आखिरी मौका, सिर्फ एक सप्ताह शेष

ऐसे साधारण व्यक्तिगत करदाताओं के लिए वर्ष 2025-26 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की मूल समयसीमा 31 जुलाई 2025 थी जिनके खातों का ऑडिट नहीं होना है, इसे बाद में बढ़ाकर 16 सितंबर कर दिया गया था। ऑडिट वाले करदाता के लिए यह समय सीमा 31 अक्टूबर थी जिसे बाद में 10 दिसंबर कर दिया गया था। इसके अलावा देरी से और संशोधित रिटर्न के लिए 31 दिसंबर 2025 तक जुर्माने और ब्याज के साथ रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। जाहिर है कि यह आखिरी मौका है और इसमें कुछ ही दिन शेष बचे हैं।

रिटर्न न भरने के नुकसान

- देरी पर धारा 234एफ के तहत 5,000 रुपये तक लेट फीस देनी पड़ सकती है। बकाया टैक्स पर हर महीने 1% की दर से ब्याज लगता है।
- यदि आपको बिजनेस या शेयर बाजार में कोई नुकसान हुआ है तो आप उस घाटे को अगले वर्षों के मुनाफे से एडजस्ट नहीं कर पाएंगे।
- बैंक होम लोन या कार लोन के लिए 3 साल के आईटीआर मांगते हैं। कई देशों के वीजा आवेदन के लिए भी यह अनिवार्य दस्तावेज है।
- जानबूझकर रिटर्न न भरने पर आयकर विभाग नोटिस भेज सकता है, गंभीर मामलों में कारावास या जुर्माने की कार्रवाई की जा सकती है।

ऐसे दाखिल कर सकते हैं रिटर्न

- रिटर्न भरने का सबसे प्रचलित तरीका आयकर विभाग के आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर सीधे ऑनलाइन फॉर्म भरना है।
- पोर्टल से ऑफलाइन यूटिलिटी डाउनलोड कर उसमें अपनी आय संबंधी जानकारी भरकर तैयार की गई फाइल अपलोड कर सकते हैं।
- यदि आपकी आय के स्रोत जटिल हैं तो आप चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद ले सकते हैं जो आपकी ओर से फॉर्म भरकर रिटर्न फाइल करेंगे।
- क्लियर टैक्स और टैक्स2विन जैसे कई सरकारी अधिकृत प्राइवेट पोर्टल सहजता के साथ रिटर्न दाखिल करने की सुविधा प्रदान करते हैं

आय बुनियादी छूट से कम तब भी भरें रिटर्न

- बैंक से लोन और क्रेडिट कार्ड पिछले तीन वर्षों का आईटीआर सर्टिफिकेट जरूरी होता है।
- यदि आपका टीडीएस कटा है तो उसे वापस पाने का अकेला तरीका रिटर्न दाखिल करना है।
- अमेरिका, यूके, कनाडा समेत कई देशों के वीजा के लिए रिटर्न की कॉपी जमा करनी पड़ती है।
- इनकम टैक्स रिटर्न सर्टिफिकेट एक आधिकारिक आय प्रमाण पत्र के रूप में कार्य करता है।
- यदि व्यवसाय में घाटा हुआ है तो रिटर्न भरकर उसे आगे के लाभ के साथ समायोजित कर सकते हैं।

मारुति ने वाहन ऋण के लिए उप्र ग्रामीण बैंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में कंपनी की पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया कदम

अग्रणी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने ग्राहकों को वाहन ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य नए एवं पुराने यात्री वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों के लिए खुदरा वित्तपोषण समाधान उपलब्ध कराना है। इस पहल से ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में मारुति सुजुकी के वाहनों की पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (बिक्री एवं विपणन) पार्थो बनर्जी ने कहा, इस रणनीतिक गठजोड़ से कंपनी अपनी बाजार पहुंच का विस्तार करना चाहती है। ग्राहक-अनुकूल और प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण समाधान उपलब्ध कराकर वाहन खरीद के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने का लक्ष्य है। कंपनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के व्यापक और बढ़ते ग्राहक आधार का लाभ उठाते हुए मारुति सुजुकी विभिन्न ग्राहक वर्गों को वित्तपोषण के समग्र विकल्प उपलब्ध कराएगी। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर बनर्जी और उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के चेयरमैन यादव एस ठाकुर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अल हिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को देश में उड़ान भरने के लिए सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। अल हिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस जल्द ही उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। दोनों विमानन कंपनियों को नागर विमानन मंत्रालय से एनओसी मिल गया है। उत्तर प्रदेश की शंख एयर को पहले ही एनओसी मिल चुका है। इसके 2026 में परिचालन शुरू करने की संभावना है।

नागर विमानन मंत्रालय देश में और अधिक विमानन संचालकों को लाने के मूड में है। वर्तमान में देश में नौ नियमित घरेलू विमानन कंपनियां सेवा दे रही हैं। क्षेत्रीय विमानन कंपनी फ्लाई बिग ने अक्टूबर में नियमित उड़ानें निलंबित कर दी थीं। इंडिगो और एयर इंडिया समूह की घरेलू बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने 'एक्स' पर लिखा, पिछले एक सप्ताह में भारतीय आसमान में उड़ान भरने की तैयारी कर रही नई विमानन कपंनियों शंख एयर, अल हिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस के दलों से मिलकर खुशी हुई।

त्वरित चेक निपटान प्रणाली का दूसरा चरण अभी टाला

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चेक के तेजी से निपटान प्रणाली के दूसरे चरण के कार्यान्वयन को फिलहाल स्थगित कर दिया। इसका मकसद बैंकों को इस व्यवस्था के मुताबिक अपने संचालन को व्यवस्थित करने के लिए अधिक समय उपलब्ध कराना है।

'चेक ट्रंकेशन सिस्टम' (सीटीएस) में चेक मिलने पर निरंतर समाशोधन और निपटान का दूसरा चरण बैंकों द्वारा तीन जनवरी से लागू किया जाना था। सीटीएस चेक को भौतिक रूप से भेजने के बजाय उसकी इलेक्ट्रॉनिक तस्वीर और एमआईसीआर डेटा (बैंक विवरण) भेजा जाता है। इससे निपटान तेज होता है। चार अक्टूबर को शुरू हुए पहले चरण

- पहले संचालन करेंगे व्यवस्थित तीन जनवरी से होना था लागू

के कार्यान्वयन में कुछ शुरुआती दिक्कतें आई थीं। दूसरे चरण में बैंकों को सीटीएस में प्राप्ति के तीन घंटे के भीतर चेक क्लियर करना अनिवार्य है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा, बैंकों को अपने संचालन को व्यवस्थित करने के लिए अधिक समय देने को लेकर दूसरे चरण का कार्यान्वयन अगली सूचना तक स्थगित किया जा रहा है। चेक प्रस्तुत करने का सत्र का समय भी सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक और पुष्टि सत्र का समय सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक संशोधित किया गया है।

ओडिशा में 1,333 करोड़ रुपये के 11 निवेश प्रस्ताव मंजूर

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने बुधवार को 1,332.80 करोड़ रुपये के निवेश की 11 औद्योगिक परियोजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी।

मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी प्राधिकरण ने खाद्य और समुद्री भोजन प्रसंस्करण, कपड़ा और परिधान, रसायन, हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया, पर्यटन, लॉजिस्टिक और आईटी जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावों को मंजूरी दी। परियोजनाएं अंगुल, कटक, ढेंकनाल, गंजम, जगतसिंहपुर, खुर्दा और मयूरभंज जिलों में लागू की जाएंगी। गंजम जिले में 250 करोड़ रुपये के निवेश से 20,000 टन की हरित अमोनिया इकाई प्रस्तावित की गई है।

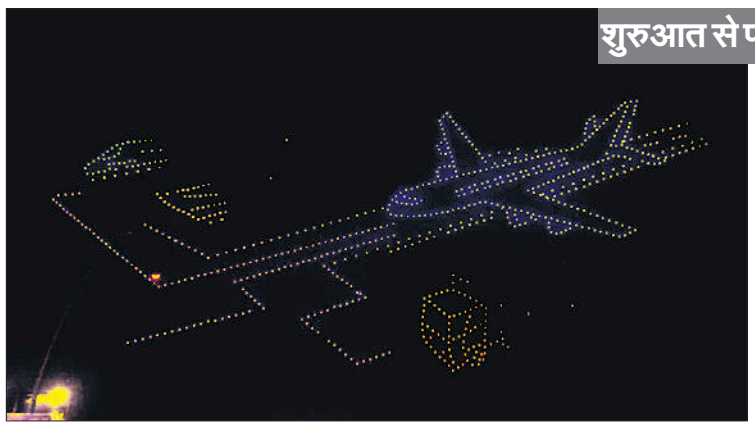

शुरुआत से पहले नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शुभारंभ से पहले बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आसमान में रोशनी बिखेरते और अद्भुत नजारे पेश करते नजर आए ड्रोन।

उधारी सीमा कटौती पर दिल्ली आकर सीतारमण से मिले केरल के वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को राज्य की गंभीर वित्तीय चुनौतियों से अवगत कराते हुए घटाई गई उधारी सीमा बहाल करने का अनुरोध किया। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा शासित केरल लंबे समय से राज्य की उधारी सीमा में कटौती और केंद्र के समग्र वित्तीय रुख पर नाखुशी जताता रहा है।

सीतारमण के साथ हुई बैठक में बालगोपाल ने कहा कि केरल को राजस्व में गिरावट और उधारी क्षमता पर प्रतिबंधों के कारण एक साथ कई झटकों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे राज्य पर गंभीर वित्तीय दबाव बन गया है। बालगोपाल ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र ने राज्य की उधारी सीमा में भारी कटौती कर दी है। यह निर्णय केरल में अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले लिया गया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास रूपरेखा में एआई को एकीकृत करने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

- औद्योगिक जरूरतों और कौशल विकास के क्रियान्वयन में तालमेल बनाने का मकसद

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने बुधवार को कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए कौशल विकास पर एक रणनीतिक परामर्श बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 'विकसित भारत' के संकल्प को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास रूपरेखा में एआई के एकीकरण पर जोर दिया गया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परामर्श का उद्देश्य नीतिगत दृष्टि, उद्योग की जरूरतों और कौशल विकास के क्रियान्वयन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि एआई-संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार किया जा सके। कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी ने इस दौरान इंडिया-एआई मिशन के 'भावी कौशल' स्तंभ और मंत्रालय की प्रमुख पहल की समीक्षा की। उन्होंने एसओएआर (स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस), महानिदेशालय प्रशिक्षण (डीजीटी) और माइक्रोसॉफ्ट के बीच सहयोग, महिलाओं के लिए एआई करियर कार्यक्रम 'टेकसक्षम 2.0' और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत एआई प्रशिक्षण की प्रगति पर भी चर्चा की। बयान के मुताबिक, बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच अंतर-मंत्रालयी समन्वय को और मजबूत करने की जरूरत पर भी बल दिया गया।

डेलॉयट की साइबर सुरक्षा के लिए गूगल क्लाउड से साझेदारी

नई दिल्ली। पेशेवर सेवा प्रदाता डेलॉयट इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने भारत में कंपनियों एवं सरकारी संगठनों की डिजिटल सुरक्षा मजबूत करने के उद्देश्य से गूगल क्लाउड के साथ अपनी साझेदारी बढ़ा दी है। इस सहयोग के तहत कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित साइबर सुरक्षा समाधान पेश किए जाएंगे।

कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी ग्राहकों को आधुनिक 'सुरक्षा परिचालन केंद्र' (एसओसी) की रूपरेखा तैयार करने और उनके संचालन में मदद करेगी। इसके अलावा, संगठनों को अपने पुरानी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली को क्लाउड पर ले जाने और 'सेवा के रूप में सुरक्षा' मॉडल अपनाने में भी सहयोग मिलेगा। डेलॉयट इंडिया में साझेदार आनंद तिवारी ने कहा, भारत में डिजिटल परिवर्तन की गति तेज होने के साथ संगठनों को एआई-सक्षम साइबर खतरों, डेटा स्थानीयकरण और नियामकीय अनुपालन की बढ़ती अपेक्षाओं, साइबर सुरक्षा पेशेवरों की कमी और बिखरे हुए सुरक्षा उपकरणों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सूथ हेल्थकेयर का जापान की ओसाकी मेडिकल से करार

नई दिल्ली। अग्रणी व्यक्तिगत हाइजिन और आरोग्य कंपनी सूथ हेल्थकेयर ने जापान की ओसाकी मेडिकल कॉरपोरेशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ओसाकी मेडिकल ने पहली बार किसी भारतीय कंपनी से करार किया है। इसके तहत भारतीय बाजार में पहली बार प्रीमियम जापानी फेमिनिन हाइजिन, मैटरनिटी और बेबी केयर उत्पाद पेश किए जाएंगे।

सूथ हेल्थकेयर ने हाल ही में मौजूदा निवेशकों और अति धनाढ्य परिवारों के एक समूह से 45 करोड़ रुपये जुटाए थे। एमओयू के अंतर्गत ओसाकी मेडिकल अपने वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त फेमिनिन, मदर एवं बेबी हाइजिन उत्पादों की श्रृंखला भारत में उपलब्ध कराएगा। ये उत्पाद जापानी सटीक निर्माण, कड़े सुरक्षा मानकों और उच्च गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। प्रारंभिक चरण में इन उत्पादों का आयात जापान से किया जाएगा।

देश के नौ प्रमुख शहरों में अक्टूबर-दिसंबर में घरों की बिक्री 16% घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

- जुलाई-सितंबर 2021 के बाद तिमाही आधार पर सबसे कम

देश के शीर्ष नौ शहरों में घरों की बिक्री मांग में कमी और आवासीय संपत्तियों की नई पेशकश में गिरावट के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 16 प्रतिशत घटकर 98,019 इकाई रहने का अनुमान है। रियल एस्टेट से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी ने बुधवार को कहा कि यह जुलाई-सितंबर, 2021 के बाद दर्ज की गई तिमाही आधार पर सबसे कम बिक्री है।

भारत के शीर्ष नौ शहरों में घरों की बिक्री वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में घटकर 98,019 इकाइयों पर आ गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,16,137 इकाइयां थी। नवी मुंबई और दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर शेष सात शहरों में बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। ये आंकड़े प्राथमिक आवासीय बाजारों से संबंधित हैं। अन्य सात शहर बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, नवी मुंबई और पुणे हैं। प्रॉपइक्विटी के सीईओ समीर जसूजा ने कहा, अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में त्योहारों से बिक्री में काफी तेजी आती है और नई परियोजनाएं पेश होती हैं। हालांकि, हालिया गिरावट बाजार में प्रीमियम उत्पादों की ओर रुझान को दर्शाती है जिसका प्रमाण मात्रा में कमी के बावजूद मूल्य वृद्धि से मिलता है। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनी पी. ई. एनालिटिक्स लिमिटेड के पास प्रॉपइक्विटी का स्वामित्व है।

बड़ी डील

दौड़ में पिछड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू समूह, लगभग दो अरब डॉलर का होगा सौदा

हायर इंडिया में 49% हिस्सेदारी खरीदेंगी भारती, वारबर्ग पिंकस

नई दिल्ली, एजेंसी

हायर को भारत में इस साल 11,000 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

चीन स्थित समूह शेडोंग अपनी अनुषंगी इकाई हायर सिंगापुर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से भारत में कारोबार का स्वामित्व रखता है। भारत में हायर अप्लायंसेज इंडिया को 2025 के अंत तक लगभग 11,000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने की उम्मीद है। चीन और अमेरिका के बाद हायर समूह का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। बयान के अनुसार, नए पूंजी निवेश से हायर इंडिया की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी क्षमता भी बढ़ेगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में उपभोक्ता उपकरण बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण बढ़ती खर्च योग्य आय, बदलती जीवनशैली और उपभोक्ता उपकरणों की बढ़ती पैठ है।

भारती एंटरप्राइजेज और वारबर्ग पिंकस ने वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने वाले हायर इंडिया में करीब दो अरब डॉलर (लगभग 17,955.5 करोड़ रुपये) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने की बुधवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों ने बयान में कहा कि वे हायर इंडिया में रणनीतिक निवेश कर रही हैं। इसका प्रबंधन नियंत्रण वर्तमान चीनी समूह के पास ही रहेगा।

हालांकि, उन्होंने अधिग्रहण की कीमत का खुलासा नहीं किया। उद्योग सूत्रों के अनुसार, सौदे का मूल्य दो अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है। इस सौदे के बाद, भारती और वारबर्ग पिंकस के पास हायर अप्लायंसेज इंडिया लिमिटेड में सामूहिक रूप से 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। हायर के उत्पादों में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन, वॉशिंग मशीन और रसोई उपकरण शामिल हैं।

इस घोषणा के साथ ही हिस्सेदारी हासिल करने को लेकर प्रतिस्पर्धी दौड़ का अंत हो गया। इस हिस्सेदारी के लिए सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाला जेएसडब्ल्यू समूह और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज जियो के माध्यम से दौड़ में थीं। चीन स्थित घरेलू उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता हायर ग्रुप, हायर इंडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार रखेगा, जबकि शेष हिस्सेदारी हायर इंडिया की प्रबंधन टीम के पास रहेगी। अब तक हायर ग्रुप के पास 100 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। मौजूदा टीम हायर अप्लायंसेज इंडिया का नेतृत्व करती रहेगी। हालांकि, नए निवेशकों को निदेशक मंडल में प्रतिनिधित्व मिलेगा।

लीबिया आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत

- तुर्किये में हुए हादसे में सात अन्य लोगों की जान गई

अंकारा, एजेंसी

विमान के मलबे की तलाश में जुटे तुर्की के सैनिक और बचाव दल के सदस्य।

लीबिया के सैन्य प्रमुख, चार अन्य अधिकारियों और चालक दल के तीन सदस्यों को लेकर जा रहा एक निजी विमान तुर्किये की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई।

तुर्किये के अधिकारियों ने बताया कि दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से उच्चस्तरीय रक्षा वार्ता के लिए लीबिया का प्रतिनिधिमंडल अंकारा में था। लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबीबा ने जनरल मोहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद और चार अन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि दुखद दुर्घटना उस समय हुई जब प्रतिनिधिमंडल स्वदेश लौट रहा था। प्रधानमंत्री ने इसे लीबिया के लिए बड़ी क्षति बताया। अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से जारी लीबिया की सेना के एकीकरण के प्रयासों में उनकी अहम भूमिका थी। दुर्घटना में मारे गए चार अन्य अधिकारियों की पहचान हो गई है किंतु चालक दल के तीन सदस्यों की पहचान का अभी पता नहीं चल सका है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसे मिलेगी साफ हवा

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप ले चुका है। दिल्ली में प्रदूषण वैसे तो पूरे साल की समस्या है लेकिन हर साल सर्दियों के आते ही वायु प्रदूषण और भी गंभीर रूप ले लेता है। हवा में पीएम 2.5 और पीएम10 जैसे सूक्ष्म कणों का स्तर कई गुना बढ़ जाता है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों, आंखों में जलन और बच्चों-बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तमाम प्रयास किए हैं। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने समस्या के समाधान के लिए सरकारों को बेहतर उपाय करने के निर्देश दिए हैं। कृत्रिम बारिश कराने से लेकर तमाम उपाय आजमाए जा रहे हैं लेकिन समस्या का फिलहाल कोई ठोस समाधान नहीं मिल पाया है। ऐसे में तमाम लोगों ने रोजी-रोटी के लिए अन्य शहरों में जाने का विकल्प भी तलाशना शुरू कर दिया है।

प्रदूषण से घुट रहा दम

प्रदूषण के मुख्य कारक

- विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक नहीं बल्कि कई स्रोतों से आता है जिनमें वाहन (ट्रांसपोर्ट सेक्टर) को मुख्य स्रोत माना जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की मानें तो प्रदूषण की चालीस फीसदी समस्या ट्रांसपोर्ट सेक्टर के चलते हो रही है। निर्माण कार्य से उठने वाली धूल भी दिल्ली, एनसीआर वासियों के लिए एक बड़ी समस्या हैं। उद्योग और थर्मल पावर प्लांट भी प्रदूषण को बढ़ाने में काफी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाना भी एक बड़ी समस्या है। दिल्ली-एनसीआर से सटे हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में किसान फसल कटने के बाद पराली को खेतों में ही जला देते हैं जिससे उठने वाला धुआं प्रदूषण को बढ़ाने का काम करता है।

समाधान की राह

- फॉसिल फ्यूल कम करें : फॉसिल फ्यूल यानी कोयला, पेट्रोल, डीज़ल और प्राकृतिक गैस, जो जलने पर कार्बन डाइऑक्साइड और जहरीली गैसें छोड़ते हैं। यदि इनका प्रयोग कम किया जाए तो वायु प्रदूषण की समस्या में भी काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।
- इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन वाहन : ये गाड़ियां सड़क पर चलते समय कोई धुआं नहीं छोड़तीं, जिससे शहरों की हवा साफ हो सकती है। हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियों से केवल पानी निकलता है, प्रदूषक गैसें नहीं। अभी यह तकनीक महंगी और सीमित है।

किसकी जिम्मेदारी

- साफ हवा देना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि सरकार, उद्योग, न्यायपालिका और आम जनता सभी की साझा जिम्मेदारी है। लेकिन सरकार को नीति और सख्त नियम लागू करने होंगे जिससे प्रदूषण की समस्या को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। दूसरी ओरउद्योगों को भी स्वच्छ तकनीक अपनानी होगी जिससे वहां से निकलने वाला खतरनाक धुआं और औद्योगिक कचरे से निजात मिलेगी। इसके अलावा नागरिकों को निजी वाहनों का सीमित इस्तेमाल और कचरा न जलाने जैसी आदतें अपनानी होंगी।

पलायन की मजबूरी

- प्रदूषण की गंभीरता के चलते अब यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या लोग साफ हवा के लिए दिल्ली-एनसीआर छोड़ रहे हैं। रियल एस्टेट और जॉब मार्केट से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ लोग, खासकर छोटे बच्चों वाले परिवार और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग, दूसरे राज्यों या पहाड़ी क्षेत्रों में नौकरी और बसने के विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि यह अभी बड़े पैमाने का रुझान नहीं है।

वर्ल्ड ब्रीफ

लॉस एंजिलिस में भारतीय वाणिज्यिक आवेदन केंद्र खुला

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए वाणिज्य दूतावास सेवाओं को सुचारू बनाने के उद्देश्य से लॉस एंजिलिस स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने वीएफएस ग्लोबल द्वारा संचालित एक केंद्र खोले जाने की घोषणा की है। लॉस एंजिलिस स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र में 15 दिसंबर से कामकाज शुरू हो गया और यह क्षेत्र में प्रवासी समुदाय को वाणिज्य दूतावास से जुड़ी कई तरह की सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। वीएफएस ग्लोबल कई सरकारों और उनके दूतावासों के लिए वीजा, पासपोर्ट और कांसुलर सेवाओं से जुड़े काम का प्रबंधन करती है।

कनाडा में भारतीय महिला की हत्या

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में 30 वर्षीय एक भारतीय महिला की हत्या कर दी गयी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और वह हत्या के एक संदिग्ध की तलाश कर रही है। टोरंटो पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान हिमांशी खुराना के रूप में हुई है। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस को शनिवार को एक घर में लापता महिला की लाश मिली।

मॉस्को में बम धमाके में तीन लोगों की मौत

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में विस्फोटक से दो यातायात पुलिस अधिकारियों और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई है। घटनास्थल उस जगह से समीप ही है, जहां इसी हफ़्ते लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की हत्या की गई थी। जांच समिति के अनुसार दो अधिकारियों ने मॉस्को के दक्षिणी इलाके में पुलिस कार के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा और जांच करने के लिए उसके पास गए। तभी वहां धमाका हुआ, जिसमें तीनों की मौत हो गयी। जांच समिति ने संदेह जताया है कि यह एक और अधिकारी की हत्या की कोशिश थी।

इमरान और बुशरा की अंतरिम जमानत बढ़ी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की नौ मई के मामलों और पांच अन्य मामलों में दी गई अंतरिम जमानत की मियाद बढ़ा दी है। अदालत ने साथ ही निर्देश दिया कि 73 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अगली सुनवाई में या तो व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उसके समक्ष उपस्थित होंगे।

भारत व अमेरिका के संबंधों को और मजबूत होने से रोकना चाहता है चीन

अमेरिकी युद्ध विभाग की ओर से संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में किया गया दावा

- एलएसी पर भारत से तनाव कम होने का लाभ उठा रहा चीन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

चीन संभवतः भारत के साथ एलएसी पर तनाव कम होने का लाभ उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है तथा अमेरिका-भारत संबंधों को और अधिक मजबूत होने से रोकना चाहता है। अमेरिकी युद्ध विभाग की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। अमेरिकी युद्ध विभाग ने मंगलवार को कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को चीनी गणराज्य 2025 से संबंधित सैन्य और सुरक्षा घटनाक्रम पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि अक्टूबर 2024 में भारतीय नेतृत्व ने चीन के साथ एक समझौते की घोषणा की।

यह समझौता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बैठक से दो दिन पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध के शेष स्थलों से सेना को पीछे हटने के लिए था। रिपोर्ट में कहा गया है कि शी-मोदी की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच मासिक उच्च स्तरीय बैठकों की शुरुआत हुई, जहां दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय संबंधों के लिए अगले कदमों पर चर्चा की, जिसमें सीधी उड़ानें, वीजा सुविधा और शिक्षाविदों और पत्रकारों के आदान-प्रदान से जुड़े कार्यक्रम शामिल है। रिपोर्ट कहती है कि चीन संभवतः एलएसी पर तनाव कम होने का लाभ उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है और अमेरिका-भारत संबंधों को और गहरा होने से रोकना चाहता है। हालांकि, भारत संभवतः चीन की कार्रवाइयों और इरादों को लेकर संशय में है। आपसी अविश्वास और अन्य अनसुलझे मुद्दे निश्चित रूप से द्विपक्षीय संबंधों को सीमित करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की राष्ट्रीय रणनीति 2049 तक चीनी राष्ट्र के बड़े पुनरुत्थान को हासिल करने की है। इस दृष्टि में, चीन ने अपनी प्रभाव-क्षमता, आकर्षण और घटनाओं को आकार देने की ताकत को एक नए स्तर तक पहुंचा लिया होगा।

चीन पर प्रभुत्व जमाने का अमेरिकी इरादा नहीं

अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हित मौलिक हैं, लेकिन साथ ही सीमित दायरे वाले व तर्कसंगत भी हैं। हम चीन पर प्रभुत्व जमाना या उसे अपमानित करना नहीं चाहते। केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र के किसी भी देश को हम पर या हमारे सहयोगियों पर प्रभुत्व जमाने से रोकना चाहते हैं।

पेंटागन ने कहा-चीन रक्षा व अंतरिक्ष क्षेत्र में कर रहा पाकिस्तान की मदद

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन की एक रिपोर्ट में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा व अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग को उजागर किया है और कहा है कि चीन ने पाकिस्तान में संभवत: एक सैन्य अड्डा स्थापित करने पर भी विचार किया है। अमेरिकी युद्ध विभाग ने मंगलवार को संसद में प्रस्तुत अपनी वार्षिक चीन गणराज्य से संबंधित सैन्य और सुरक्षा घटनाक्रम रिपोर्ट में बताया कि जन मुक्ति (पीएलए) अतिरिक्त सैन्य सुविधाएं स्थापित करने पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है और योजना बना रही है। इन सुविधाओं से नौसेना और वायुसेना के साथ-साथ थलसेना को भी मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान उन देशों में से एक है, जहां चीन ने संभावित रूप से एक अड्डा स्थापित करने पर विचार किया है। चीन ने संभावित रूप से अंगोला, बांग्लादेश, बर्मा, क्यूबा, इक्वेटोरियल गिनी, इंडोनेशिया, केन्या, मोजाम्बिक, नामीबिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी, सेशेल्स, सोलोमन आइलैंड्स, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात और वनुआतु में अड्डा स्थापित करने पर भी विचार किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पीएलए संभवत: सबसे अधिक मलक्का जलडमरूमध्य, हॉर्मूज जलडमरूमध्य और अफ्रीका तथा मध्य एशिया के अन्य क्षेत्रों में समुद्री संचार मार्गों तक सैन्य पहुंच बनाने में रुचि रखती है। चीन ने तीन लड़ाकू विमान निर्यात के लिए पेश किए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ देश में गहरा आक्रोश

- पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में किया गया विरोध प्रदर्शन
- हावड़ा में भाजपा समर्थकों और पुलिस में हुई झड़प

कोलकाता, एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ कोलकाता में मार्च निकालते छात्र संगठनों के सदस्य।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति की हत्या के विरोध में देश भर में भारी आक्रोश है। बुधवार को पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा सहित कई राज्यों में लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और हिंदू समुदाय को सुरक्षा देने की मांग उठाई। पश्चिम बंगाल में भारत–बांग्लादेश सीमा के कई भूमि पत्तनों पर एक हिंदू समर्थक संगठन के सदस्यों ने प्रदर्शन किए।

हावड़ा जिले में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प भी हुई। टकराव उस वक्त शुरू हुआ जब पुलिस ने भाजपा के मार्च को हावड़ा पुल तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया, जिससे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस हुई। सनातनी ऐक्य परिषद के सदस्यों ने पड़ोसी देश में हिंदुओं पर अत्याचार होने का आरोप लगाते हुए उत्तर 24 परगना जिले के पेट्रापोल और घोजाडांगा बंदरगाहों, मालदा के मनोहरपुर मुचिया और कूच बिहार जिले के चांगराबांधा में प्रदर्शन किए। उत्तर 24 परगना में भाजपा विधायक अशोक कीर्तनिया ने जयंतपुर बाजार से पेट्रापोल सीमा की ओर एक जुलूस का नेतृत्व किया। सीमा सुरक्षा बल ने प्रदर्शनकारियों को जीरो प्वाइंट के पास रोक दिया और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए अवरोधक लगाए। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। मार्च के दौरान कीर्तनिया ने कहा कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित किए जाने तक बांग्लादेश को सबक सिखाने के लिए व्यापार निलंबित रखना चाहिए।

अवामी लीग पर प्रतिबंध से अमेरिकी सांसद चिंतित

वाशिंगटन। बांग्लादेश में प्रस्तावित चुनावों से पहले अवामी लीग की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने चिंता जताई है। सांसदों ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के जरिए सरकार चुनने का अवसर मिलना चाहिए। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के रैंकिंग सदस्य ग्रेगरी मीक्स, दक्षिण एवं मध्य एशिया उपसमिति के अध्यक्ष बिल हुइजेंगा, दक्षिण एवं मध्य एशिया उपसमिति की रैंकिंग सदस्य सिडनी कैमलेगर-डोव और सांसद जूली जॉनसन ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को मंगलवार को पत्र भेजा है।

भारत से संबंध सुधारने पर काम कर रहे यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने नई दिल्ली के साथ तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के लिए कदम उठाए हैं और उनका प्रशासन भारत के साथ आर्थिक संबंध विकसित करने पर काम कर रहा है। अहमद ने अपने कार्यालय में सरकार की खरीद संबंधी सलाहकार परिषद समिति की बैठक के बाद कहा मुख्य सलाहकार भारत के साथ कूटनीतिक संबंध सुधारने पर काम कर रहे हैं।

ईशनिंदा अपराध नहीं, खत्म हों ऐसे कानून

कोलकाता, एजेंसी

- तस्लीमा नसरीन ने कहा-इन कानूनों का हो रहा दुरुपयोग

लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा करते हुए ईशनिंदा कानूनों को पूरी तरह समाप्त करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। बांग्लादेश से निर्वासित इस लेखिका का कहना है कि इन कानूनों का दुरुपयोग जघन्य अपराधों को जायज ठहराने के लिए किया जा रहा है।

नसरीन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईशनिंदा के नाम पर कई लोगों की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है या उन्हें जिंदा जला दिया गया है। अब समय आ गया है कि समाज में यह घोषित किया जाए कि ईशनिंदा कोई अपराध नहीं है। उनकी टिप्पणी धार्मिक उग्रवाद के लगातार बढ़ने, ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग और देश में धर्मनिरपेक्षों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने मौजूद खतरों को देखते हुए की गई है। ईशनिंदा कानूनों को हटाने की मांग करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि जो लोग ईशनिंदा के नाम पर अपराध कर रहे हैं, उन्हें ही अपराधी माना जाना चाहिए और दंडित किया जाना चाहिए।

हिंसक भीड़ वाली घटनाओं का जिक्र करते हुए इस चर्चित लेखिका ने कहा कि महज ईशनिंदा के आरोपों के बाद कई लोगों को भीड़ ने मार डाला या जिंदा जला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि ईशनिंदा को आपराधिक अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

बांग्लादेश में देसी बम फटने से एक व्यक्ति की मौत

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बुधवार को देसी बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ढाका के मोगबाजार इलाके में बांग्लादेश मुक्तियोद्धा संसद के सामने एक फ्लाईओवर से अज्ञात लोगों ने बम फेंका। हातिरझील पुलिस थाने के अधिकारी मोहम्मद मोहिउद्दीन ने बताया कि मृतक एक निजी दुकान पर काम करता था, जो फ्लाईओवर के नीचे सड़क किनारे एक दुकान पर चाय पी रहा था। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

दित्वा से श्रीलंका में चार लाख श्रमिक प्रभावित

कोलंबो, एजेंसी

- आईएलओ ने अपनी रिपोर्ट में दी जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) का कहना है कि श्रीलंका में चक्रवात दित्वा से करीब चार लाख श्रमिक प्रभावित हुए हैं। नवंबर के अंत में आए इस चक्रवात में 640 से अधिक लोगों की जान गई और फसलों, चाय बागानों तथा सड़कों-पुलों सहित महत्वपूर्ण परिवहन अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा।

आईएलओ ने मंगलवार को एक संक्षिप्त रिपोर्ट में बताया कि चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाली आबादी करीब 17 लाख है, जो श्रीलंका की कुल आबादी का लगभग 7.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में चक्रवात से प्रभावित इलाकों में लगभग 3.74 लाख श्रमिक रहते हैं, जिससे उनकी आजीविका और घरेलू आय पर गहरा असर पड़ा है। कृषि क्षेत्र से जुड़ी 85,000 नौकरियां तथा 1.25 लाख औद्योगिक क्षेत्र के रोजगार और 1.64 लाख सेवा क्षेत्र के रोजगार प्रभावित हुए हैं।

अमेरिका में 30 भारतीय गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिकी सीमा गश्ती दल के अधिकारियों ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने एक बयान में बताया कि कैलिफोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में सीमा गश्ती के कई एजेंट ने आव्रजन चौकियों पर वाहनों को रोककर कई अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया जिनके पास वाणिज्यिक वाहन चलाने के लाइसेंस थे। 23 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच वाणिज्यिक चालक लाइसेंस के साथ सेमीट्रक चला रहे 42 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 13 .42 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

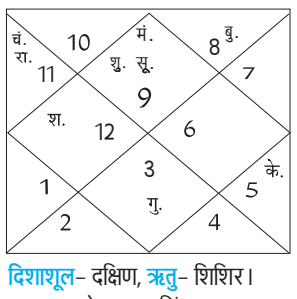

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 08 .18 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष – आज किसी बड़े लक्ष्य को आप प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों को कम मेहनत से ही सफलता मिल जाएगी। पुराने रुके हुए मामलों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में आप विशेष रूप से रुचि लेंगे। सहकर्मियों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

वृष – आज नए प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। रियल एस्टेट्स से धन लाभ होगा। बीमार लोगों को रोगों से राहत मिलने की संभावना है। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। होटल व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

मिथुन – आज भरोसेमंद लोगों की सलाह आपको बहुत काम आएगी। प्रेमी जन के साथ रिश्तों में गहराई आएगी। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। संतान की शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति होगी। विवाह से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राप्त होगा।

कर्क – आज किसी प्रियजन से आपकी बहस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में पूंजी निवेश से आपको लाभ प्राप्त होगा। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। शाम के समय सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। दांपत्य संबंधों में परेशानी आ सकती है।

सिंह – आज राजनीति से जुड़े लोगों को शानदार परिणाम मिल सकते हैं। किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने की इच्छा पूरी हो सकती है। उच्चाधिकारियों से आपको सहायता मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी।

कन्या – आज कारोबार को बढ़ाने के ने तरीके अपनाएंगे। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में लाभ होगा। विदेश से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ हो सकता है। परिवार का वातावरण खुशनुमा रहेगा। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

तुला – आज सामाजिक कार्यों में आप सहयोग देंगे। प्रेम संबंधों में परेशानी कम होगी। विवाहयोग्य जातकों को विवाह के प्रपोजल मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। अत्यधिक श्रम के कारण थकान हो सकती है।

वृश्चिक – आज कोई मूल्यवान वस्तु गुम होने की आशंका है। बड़े निर्णय लेते समय आपको व्यवहारिक रहना होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करें। अधिक मसालेदार भोजन करने से बचें। क्योंकि इससे आपको त्वचा में एलर्जी जैसी परेशानी हो सकती है।

धनु – आज पुराने मित्रों के साथ मिलने का अवसर मिलेगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में बॉस आपकी प्रशंसा करेंगे। आपकी प्रतिभा उभरकर सामने आएगी। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका उठना-बैठना होगा।

मकर – आज नौकरीपेशा लोग नई जॉब का विचार बनाएंगे। कारोबार में नई डील कर सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य की कुछ चिंता हो सकती है। किसी व्यक्ति से थोड़ी बहस हो सकती है। बड़े-बुजुर्गों से मार्गदर्शन लेते रहें। आपको भरपूर नींद लेनी चाहिए।

कुंभ – आज तकनीकी संबंधी कार्यों में रुचि लेंगे। घर में मेहमान आ सकते हैं। यात्रा सामान्य रूप से काफी अच्छी रहेगी। कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त हो सकती है। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को शानदार लाभ होगा। अच्छे कार्यों में आप रुचि लेंगे।

मीन – आज आपको अपनी योजनाओं को ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार की जिम्मेदारियों की अनदेखी न करें। मेहमानों पर आप धन खर्च करेंगे। आपको नया काम शुरू करने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-12

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			3					2
1	5	7			2			9
		2	6			8	4	7
	8				6			1
		9				6		
4			2				3	
2	3	5			9	1		
9			8			7	5	6
8					1			

सुडोकू - 11 का हल

2	1	5	6	8	3	9	4	7
3	4	6	7	9	2	1	5	8
7	9	8	5	1	4	3	2	6
8	2	1	4	6	7	5	3	9
9	7	4	3	5	8	6	1	2
6	5	3	9	2	1	8	7	4
1	3	9	2	7	6	4	8	5
5	8	7	1	4	9	2	6	3
4	6	2	8	3	5	7	9	1

मैं अपने बारे में बात करूंगी। मुझे गेंदबाजी करना बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि जब हम फील्डिंग करते-करते ऊब जाते हैं, तो हमें गेंदबाजी करने का मौका मिलता है। इस तरह हम टीम के लिए और अधिक योगदान दे पाते हैं।
-शेफाली वर्मा

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार ,25 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर पहुंचे, वरुण शीर्ष पर मजबूत

दुबई : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के खिलाड़ियों को पुरुष टी20 प्लेयर रैंकिंग में फायदा हुआ, जिसे टीम इंडिया ने 3-1 से जीता। अहमदाबाद में निर्णायक मैच रनों का अंबार था, जिसमें मेजबान टीम ने पहली पारी में 231 रन बनाए। भारत के टॉप स्कोरर तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 73 रन बनाए, जिससे वह श्रीलंका के पथुम निसंका को पीछे छोड़कर 805 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस की तेज 31 रनों की पारी ने उन्हें टॉप 10 में जगह बनाने में मदद की। जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी (चार ओवर में 2/17) की बदौलत भारत कुल स्कोर का बचाव करने में सफल रहा, जबकि वह मैच में एकमात्र गेंदबाज थे जिन्होंने प्रति गेंद एक रन से कम की इकॉनमी से गेंदबाजी की। इससे उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों की छलांग लगाकर महेश थीक्षाना (622) के साथ संयुक्त 18वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। वरुण चक्रवर्ती के चार विकेट लेने से रैंकिंग में उनका शीर्ष स्थान और मजबूत हो गया है, उनकी 804 की रेटिंग दूसरे स्थान पर मौजूद जैकब डफी (699) से काफी आगे है।

शेफाली ने टी20 में तीसरे सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' जीते

विशाखापत्तनम : भारतीय महिला टीम की ओपनिंग बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में शानदार प्रदर्शन किया, सिर्फ 34 गेंदों पर नाबाद 69 रन बनाकर भारत को सात विकेट से बड़ी जीत दिलाई। शेफाली की विस्फोटक पारी, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल था, ने न सिर्फ जीत पक्की की बल्कि उन्हें टी20 में अर्धशतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की महिला क्रिकेटर के तौर पर रिकॉर्ड बुक में भी जगह दिलाई। इस पारी के साथ, शेफाली ने 12 टी20 अर्धशतक भी पूरे किए, जो 21 साल की उम्र में किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा सबसे ज़्यादा हैं। वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और आयरलैंड की गैबी लुईस संयुक्त रूप से 10-10 अर्धशतकों के साथ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, जबकि भारत की जेमिमा रोड्रिग्स सातवें स्थान पर हैं। शेफाली अब तक 92 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 26.73 की औसत से 2,299 रन बनाए हैं।

'खेल रत्न' के लिए हॉकी स्टार हार्दिक सिंह का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह के नाम की अनुशंसा इस साल मेजर ध्यानचंद 'खेल रत्न' पुरस्कार के लिए की गई है जबकि युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर समेत 24 खिलाड़ियों के नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए दिए गए हैं। चयन समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। मिडफील्डर हार्दिक टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। इस साल एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल का नाम भी अर्जुन पुरस्कार के लिए दिया गया है। आरती राष्ट्रीय और एशियाई चैम्पियन है।

एशियाई खेल 2026 में योगासन नुमाइशी खेल के रूप में शामिल होगा। चयन समिति ने बुधवार को हुई बैठक में अर्जुन पुरस्कार के लिए 21 अन्य नाम तय किए हैं। चयन समिति में भारतीय ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया शामिल हैं। उन्नीस वर्ष की देशमुख विश्व कप जीतने वाली पहली खिलाड़ी है। शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती और तेजस्विन शंकर के नाम की भी अनुशंसा की गई है जिन्होंने एशियाई खेल 2023 में रजत पदक जीता था और इस साल एशियाई चैम्पियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रहे। दो बार विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता राइफल निशानेबाज मेहुली घोष, जिम्नास्ट प्रणति नायक और भारत की नंबर एक महिला बैडमिंटन जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद के नाम की भी सिफारिश की गई है।

इस सूची में कोई क्रिकेटर शामिल नहीं है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी यह पुरस्कार पाने वाले आखिरी क्रिकेटर थे जिन्हें 2023 में सम्मान मिला था। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न के साथ प्रशस्ति पत्र, पदक और 25 लाख रूपये मिलते हैं जबकि अर्जुन पुरस्कार के साथ 15 लाख रुपये दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए अनुशंसा

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न : हार्दिक सिंह (हॉकी)। **अर्जुन पुरस्कार :** तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंदर (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खोखो), रूद्रांक्ष खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह(नौकायन), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), मेहुली घोष (निशानेबाजी), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), त्रिसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हॉकी), मो अफजल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

- अर्जुन पुरस्कार के लिए दिव्या व मेहुली समेत 24 नाम भेजे गए

हार्दिक सिंह।

सूर्यवंशी- गनी की तूफानी पारियों से बिहार ने बनाया विश्व कीर्तिमान

अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 574 रन बनाए, वैभव ने 190 रन व साकिबुल ने 128 रन जड़े

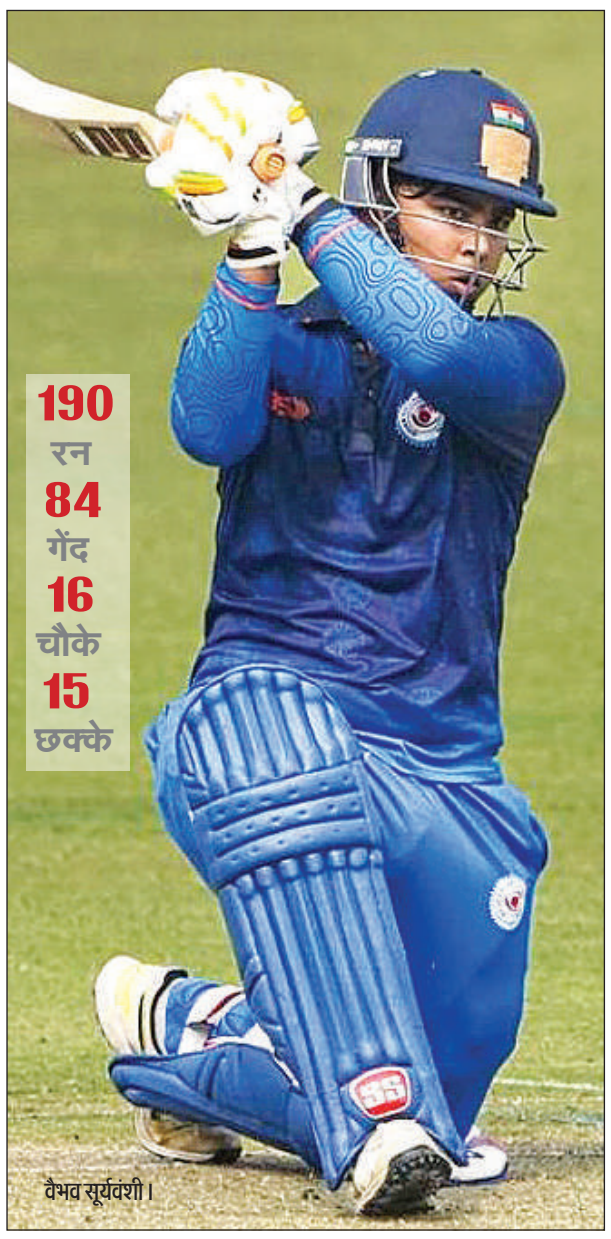

190 रन 84 गेंद 16 चौके 15 छक्के

वैभव सूर्यवंशी।

विजय हजारे ट्रॉफी

रांची, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी और कप्तान साकिबुल गनी की अगुवाई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से बिहार ने विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मैच में छह विकेट पर 574 रन बनाए, जो लिस्ट ए में एक पारी में सर्वाधिक स्कोर का नया विश्व रिकॉर्ड है। जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम 42.1 ओवर में 177 रनों पर ढेर हो गई।

प्लेट ग्रुप के इस मैच में बिहार के बल्लेबाजों ने अरुणाचल प्रदेश के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गनी (40 गेंदों में 128 रन) ने महज 32 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले सूर्यवंशी ने 84 गेंद पर 190 रन बनाए जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल हैं। उन्होंने केवल 36 गेंद पर अपना शतक पूरा किया।

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते मुंबई के रोहित शर्मा व दिल्ली के विराट कोहली। एजेंसी

उत्तर प्रदेश ने हैदराबाद को 84 रनों से हराया

राजकोट : रिंकू सिंह समेत अन्य बल्लेबाजों के एकजुट प्रदर्शन के बाद स्पिनरों के कमाल से उत्तर प्रदेश ने बुधवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप बी के अपने पहले मैच में हैदराबाद को 84 रन से शिकस्त दी। उत्तर प्रदेश ने अभिषेक गोस्वामी (81), आर्यन जुयाल (80), ध्रुव जुरेल (80) और रिंकू (67) के विपरीत अंदाज में खेले गए अर्धशतकों से बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 324 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद गेंदबाजों ने सुनिश्चित किया कि मैच में अंत में कोई परेशानी नहीं हो जिसमें लिस्ट ए में पदार्पण करने वाले जीशान अंसारी (31 रन देकर चार विकेट) के साथ प्रशांत वीर (47 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम के साथ मिलकर हैदराबाद के बल्लेबाजों को अपनी स्पिन के जाल में फंसा लिया। हैदराबाद के बल्लेबाज 43 ओवर में सिर्फ 240 रन ही बना सके।

रोहित शर्मा ने 155 रनों की शतकीय पारी खेली

जयपुर : रोहित शर्मा ने सिक्किम के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण का पूरा फायदा उठाते हुए 94 गेंद में 155 रन बनाये और लिस्ट ए क्रिकेट में वापसी के साथ उनकी शानदार पारी के दम पर मुंबई ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप सी के मैच में बुधवार को सिक्किम को आठ विकेट से हराया। रोहित ने अपनी पारी में 18 चौके और नौ छक्के लगाये। मुंबई ने जीत के लिये 237 रन का लक्ष्य 30.3 ओवर में हासिल कर लिया।

कोहली ने दिल्ली के लिए जड़ा शतक

बेंगलुरु : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए शानदार शतक लगाया जिसकी मदद से दिल्ली ने ग्रुप डी के पहले मैच में बुधवार को आंध्र को चार विकेट से हराया। कोहली ने 101 गेंद में 131 रन बनाए। दिल्ली ने 299 रन का लक्ष्य 37.4 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले रिंकी भुई के 122 रन की बदौलत आंध्र ने आठ विकेट पर 298 रन बनाये थे।

2025

भारतीय तीरंदाजी का सफर

शीतल ने तीरंदाजी को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

रिकर्व खिलाड़ियों ने किया निराश

कोलकाता, एजेंसी

जन्म से ही हाथों के बिना जन्मी शीतल देवी ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2025 में भारतीय तीरंदाजी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, लेकिन अगले साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले रिकर्व तीरंदाजों का प्रदर्शन चिंताजनक बना हुआ है। जम्मू के किश्तवाड़ की रहने वाली 18 वर्षीय शीतल ने पूरे वर्ष अपने दमदार प्रदर्शन से अपनी दृढ़ता की शानदार मिसाल कायम की।

पेरिस में 2024 में खेले गए पैरालंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पैरा तीरंदाजी में विश्व चैंपियन बनकर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में शीतल ने महिला कंपाउंड ओपन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में तुर्की की पैरालंपिक चैंपियन ओजनुर क्यूरे गिर्डी को हराया था।

उन्होंने टीम स्पर्धा में रजत पदक और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीतकर अपने शानदार अभियान का समापन किया। फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ जन्मजात बीमारी के कारण बिना हाथों के जन्मी शीतल ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करके प्रेरणादायी प्रदर्शन किया। सोनीपत में राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 60 से अधिक सक्षम तीरंदाजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए शीतल ने महिलाओं की कंपाउंड रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल किया था। इस साल का एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह रहा कि दशकों के इंतजार के बाद आखिरकार 2025 में कंपाउंड तीरंदाजी को ओलंपिक में मान्यता मिल गई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने घोषणा की कि कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले खेलों के तीरंदाजी कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इस स्पर्धा के शामिल होने से ओलंपिक तीरंदाजी में पदक स्पर्धाओं की कुल संख्या छह हो गई है। रिकर्व वर्ग में पहले से ही पांच स्पर्धाएं शामिल हैं। भारत ने अभी तक ओलंपिक तीरंदाजी में पदक नहीं जीता है, लेकिन उसके पास दुनिया की सबसे मजबूत कंपाउंड तीरंदाजी टीम है। ऐसे में यह फैसला उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

अभिषेक वर्मा, ज्योति सुरेखा वेन्नम, ऋषभ यादव जैसे तीरंदाजों से अगले ओलंपिक खेलों में पदक की उम्मीद की जा सकती है। ढाका में आयोजित एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत ने महाद्वीपीय स्तर पर अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया और 10 पदकों (छह स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

विश्व चैंपियनशिप में भारत कोई भी पदक नहीं जीत पाया

विश्व चैंपियनशिप में भारत कोई भी पदक नहीं जीत पाया जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव भी उजागर हुआ। अंकिता ने ढाका में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने महिला रिकर्व के सेमीफाइनल में विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी को हराया। इससे दीपिका के खेल में गिरावट भी साफ नजर आई। चार बार की ओलंपियन दीपिका विश्व कप सर्किट में केवल एक व्यक्तिगत कांस्य पदक ही जीत पाईं और एशियाई चैंपियनशिप में तो उन्हें कांस्य पदक से भी वंचित रहना पड़ा। इस वर्ष किशोर रिकर्व तीरंदाज गाथा खडके (15) और शरवरी शेंडे (16) ने विश्व कप में पदार्पण किया। कंपाउंड तीरंदाजी में ऋषभ यादव और प्रथिका ने विश्व चैंपियनशिप और एशिया कप में अपनी छाप छोड़ी। कंपाउंड तीरंदाजी एक बार फिर भारत की सबसे भरोसेमंद स्पर्धा साबित हुई। ज्योति ने नानजिंग में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप फाइनल्स में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। भारत के रिकर्व तीरंदाजों में से कोई भी सत्र के आखिर में होने वाले विश्व कप फाइनल्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था। कई वर्षों की योजना के बाद आखिरकार 2025 में तीरंदाजी प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई। हालांकि दक्षिण कोरिया की अनुपस्थिति के कारण लीग को सीमित लोकप्रियता मिली। फिर भी इसमें विश्व नंबर एक ब्रैडी एलिसन, मेटे गाज़ोज़ और एलेजांद्रा वालेंसिया सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

बुमराह व पंत ने माफी मांग ली थी : बावुमा

जोहान्सिबर्ग : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत के हालिया दौरे के दौरान की गई टिप्पणियों के बारे में बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत ने एक आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी। उन्होंने साथ ही माना कि दक्षिण अफ्रीका के कोच शुकरी कॉनराड को 'भारत को घुटने पर लाने' जैसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए था।

तेम्बा बावुमा ने अपने कॉलम में लिखा मुझे पता है कि उन्होंने अपनी भाषा में मेरे बारे में कुछ कहा था। पर दिन के आखिर में दोनों ने माफी मांग ली।

वीनस ने एंड्रिया प्रेटी से शादी की

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने एंड्रिया प्रेटी से शादी कर ली है। वीनस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। वीनस और प्रेटी फ्लोरिडा के पाम बीच में सप्ताहांत में पांच दिवसीय समारोह के विवाह बंधन में बंधे।

जुलाई में टूर स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनने के बाद 45 वर्षीय वीनस ने डीसी ओपन में स्टैंड में मौजूद अपने मंगेतर का आभार व्यक्त किया था। आईएमडीबी वेबसाइट के अनुसार प्रेटी डेनमार्क में जन्में इतालवी मॉडल और अभिनेता हैं। वाशिंगटन में आयोजित डीसी ओपन में भाग लेने से पहले वीनस ने 16 महीनों तक किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस जनवरी में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीए टूर पर लगातार 33वें सत्र में खेलने की योजना बना रही हैं।

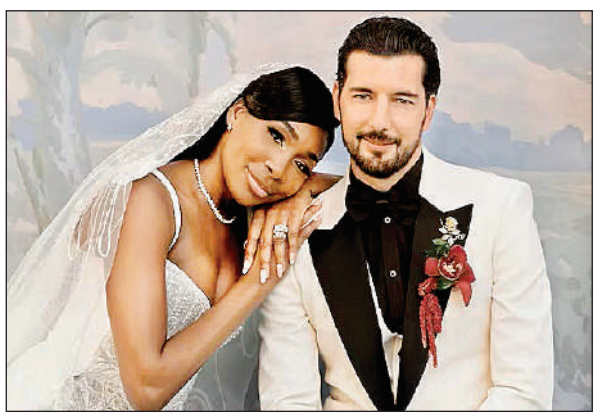

प्रेरणादायक

उधार की किट से लेकर एचआईएल में सबसे महंगा खिलाड़ी बनने तक का सफर तय किया

फर्श से अर्श तक पहुंचे विवेक लाकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

युवा गोलकीपर विवेक लाकड़ा ने वित्तीय कठिनाइयों से जूझते हुए सीनियर खिलाड़ियों से खेल की किट उधार लेने से लेकर आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में सबसे महंगे और सबसे अधिक मांग वाले जूनियर खिलाड़ी बनने तक लंबा सफर तय किया है। उन्हें श्राची बंगाल वॉरियर्स ने 23 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा है। कुछ ही दिन पहले 18 साल के हुए लाकड़ा ओडिशा के प्रसिद्ध हॉकी केंद्र सुंदरगढ़ के रहने वाले हैं, हालांकि वह स्वीकार करते हैं कि यह खेल उनकी पहली पसंद नहीं था। उनके पिता हॉकी के धुर प्रशंसक थे और उन्होंने ही अपने बेटे का इस खेल से परिचय कराया।

लाकड़ा ने पीटीआई से कहा मुझे इतनी बड़ी रकम मिलने की उम्मीद नहीं थी क्योंकि मेरा आधार मूल्य दो लाख रुपए था। नीलामी के दौरान मैं बस यही सोच रहा था कि कोई भी टीम मुझे खरीद ले। जब बोली लगी तो मैं अपने दोस्तों के साथ इसे देख रहा था। मेरी बोली 23 लाख रुपये लगी और सबसे पहले मैंने अपने पापा को इसके बारे में बताया। परिवार में सभी लोग खुश हैं क्योंकि हम कुछ आर्थिक समस्याओं से गुजर रहे थे। उन्होंने कहा शुरू में मुझे हॉकी उतनी पसंद नहीं थी। मेरी रुचि फुटबॉल और क्रिकेट में ज्यादा थी। लेकिन मेरे पापा को हॉकी का बहुत शौक था। उन्होंने मुझे एक कोच से मिलवाया जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने मुझे खेल की बुनियादी चीजों और इस खेल से जुड़े अवसरों के बारे में बताया। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए यह सफर हालांकि आसान नहीं रहा और उन्हें सीनियर खिलाड़ियों से पुरानी गोलकीपिंग किट उधार लेनी पड़ती थी। उन्होंने 2016 में हॉकी खेलना शुरू किया था।

लाकड़ा ने कहा पहले मैं जूनियर स्तर के शिविर में गया और फिर मैंने राउरकेला के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिला लिया, लेकिन वहां गोलकीपिंग किट जैसी सुविधाएं ज्यादा नहीं थीं। इसलिए मैं कुछ महीनों तक स्ट्राइकर के रूप में खेला। स्टोर रूम में सीनियर खिलाड़ियों की कुछ किट पड़ी थीं, लेकिन वे काफी पुरानी हो चुकी थीं। मैंने किसी तरह सिलाई करके उन्हें ठीक किया और फिर गोलकीपिंग करनी शुरू कर दी।

पूर्व गोलकीपर श्रीजेश हैं प्रेरणास्त्रोत

भारतीय टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश लाकड़ा के प्रेरणास्त्रोत हैं। श्रीजेश अभी भारतीय पुरुष जूनियर टीम के मुख्य कोच हैं। उन्होंने कहा श्रीजेश भाई मेरे प्रेरणास्त्रोत हैं। मैंने उन्हें 2018 में विश्व कप में भुवनेश्वर में खेलते हुए देखा था और तभी से वह मेरे लिए प्रेरणा बन गए। मैं एचआईएल में भारत के साथ-साथ विदेशों के अनुभवी गोलकीपरों जैसे पाठक भैया (कृष्ण बहादुर पाठक), सूरज भैया (करकेरा) से सीख लेना चाहता हूं। पुरुषों की एचआईएल तीन जनवरी से चेन्नई में शुरू होगी।